● वर्ष-3
● अंक-175
रायपुर, शुक्रवार
01 मार्च 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

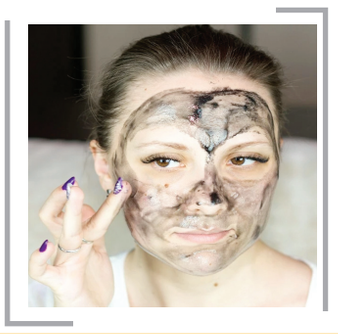

पेज-6›› भूलकर भी चेहरे पर न लगाएं...

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को मंजूरी

1 करोड़ घरों में लगाया जाएगा सोलर प्लांट

सरकार देगी हर परिवार को 78,000 रुपया सब्सिडी

नई दिल्ली. पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है. केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने जानकारी दी कि इससे एक करोड़ घरों को 300 यूनिट बिजली मुफ्त मिलेगी. इसके अलावा सालाना 15,000 रुपये की आमदनी भी होगी. 2 किलोवाट तक के सोलर प्लांट के लिए सरकार 60 फ़ीसदी सब्सिडी देगी, इसके बाद अगर 1 किलोवाट और बढ़ाना हो तो 40 फीसदी सब्सिडी दी जाएगी. हर परिवार को सोलर प्लांट लगाने के लिए करीब 78,000 रुपया सब्सिडी के तौर पर मिलेगा.

इस योजना के लिए 75,000 करोड़ के बजट को मंजूरी अगर आरडब्ल्यूए या ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी कॉमन लाइटिंग या इलेक्ट्रिक व्हीकल के लिए चार्जर के लिए प्लांट लगाना है उसके लिए प्रति किलोवाट 18,000 रुपये की सब्सिडी दी जाएगी.

पीएम मोदी ने किया था ऐलान– हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नागरिकों को हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान करने के लिए पीएम सूर्य घर- मुफ्त बिजली योजना की घोषणा की थी. पीएम मोदी ने कहा था कि जमीनी स्तर पर इस योजना को लोकप्रिय बनाने के लिए शहरी स्थानीय निकायों और पंचायतों को अपने अधिकार क्षेत्र में रूफटॉप सौर प्रणालियों (छतों पर सौर ऊर्जा) को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा.

जीडीपी के आंकड़े उम्मीद से बेहतर

तीसरी तिमाही में 8.4% की मजबूत वृद्धि

नई दिल्ली। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा गुरुवार को साझा किए गए आंकड़ों से पता चलता है कि चालू वित्तीय वर्ष की तीसरी तिमाही में भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) साल-दर-साल बढ़कर 8.4 प्रतिशत हो गया है। पिछले साल इसी अवधि में जीडीपी ग्रोथ 4.3 फीसदी थी। सरकार की विज्ञप्ति में कहा गया है कि 2023-24 की तीसरी तिमाही में स्थिर (2011-12) कीमतों पर जीडीपी 43.72 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है, जो 2022-23 की तीसरी तिमाही में 40.35 लाख करोड़ रुपये है, जो 8.4 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्शाता है। विश्लेषकों ने तीसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 7 फीसदी से कम रहने का अनुमान लगाया था। सरकार द्वारा जारी आंकड़ों से पता चला है कि भारतीय अर्थव्यवस्था का तेजी से विस्तार जारी है। तीसरी तिमाही के दौरान सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर भी Q2FY24 में 7.6 प्रतिशत से बेहतर रही है। सरकार के अनुसार, निर्माण क्षेत्र की दोहरे अंक की विकास दर (10.7 प्रतिशत), इसके बाद विनिर्माण क्षेत्र की अच्छी वृद्धि दर (8.5 प्रतिशत) ने वित्त वर्ष 24 में जीडीपी वृद्धि को बढ़ावा दिया है। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 8.4 प्रतिशत की शानदार वृद्धि के पीछे इन क्षेत्रों की वृद्धि को भी प्रमुख कारण माना गया है। पीएम मोदी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा- वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में 8.4% की मजबूत जीडीपी वृद्धि भारतीय अर्थव्यवस्था की ताकत और हमारी क्षमता को दिखाती है।

राज्यसभा में भी एनडीए बहुमत के बेहद करीब

भाजपा के सांसदों का आंकड़ा पहुंचा 97

नई दिल्ली. लोकसभा चुनाव 2024 से पहले एनडीए की संख्या राज्यसभा में भी बहुमत के करीब है. हाल ही में 56 सीटों पर हुए चुनाव में एनडीए को 30 सीटों पर जीत मिली है. भाजपा सांसदों की सख्या अकेले 100 के करीब है. उच्च सदन में बीजेपी सांसदों की संख्या अब 97 है. वहीं चुनाव के बाद एनडीए सांसदों की संख्या 118 तक पहुंच गया है. 245 सदस्यीय उच्च सदन में बहुमत का आंकड़ा 123 है. हालांकि, वर्तमान में पांच सीटें खाली हैं, उनमें से चार जम्मू-कश्मीर में हैं, जो राष्ट्रपति शासन के अधीन है, और एक मनोनीत सदस्य की श्रेणी में है. इससे सदन की सदस्य संख्या भी घटकर 240 रह गई है और बहुमत का आंकड़ा 121 ही रह गया है. ऐसे में एनडीए राज्यसभा में भी बहुमत के आंकड़े से महज तीन सीट ही पीछे है.

हाल ही में 56 सीटों पर हुए चुनाव में से 41 सीटों पर उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं. वहीं मंगलवार को तीन

राज्यों की 15 सीटों पर मतदान हुआ था. ये तीन राज्य थे हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक. इन तीन राज्यों में बीजेपी ने दो अतिरिक्त सीटें हासिल कीं. एक कांग्रेस शासित हिमाचल प्रदेश में और एक सीट उत्तर प्रदेश में बीजेपी को अधिक हासिल हुए हैं. इन दोनों ही राज्यों में विधायकों ने बीजेपी के पक्ष में क्रॉस वोटिंग किया था.

कई ऐसे मौके आए हैं जब विपक्ष ने कई विधेयकों को लोकसभा में पारित होने के बाद राज्यसभा में पारित नहीं होने दिया है. साल 2018 में तीन तलाक बिल, 2017 में भूमि सुधार बिल को राज्यसभा में सरकार पारित नहीं करवा पायी थी. हालांकि बाद में सरकार ने तीन तलाक बिल को फिर से पेश किया था.

एनडीए को कुछ अन्य दलों का भी मिलता रहा है साथ

2019 के बाद, बहुमत नहीं होने के बावजूद, एनडीए सरकार महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराने में कामयाब रही - जिसमें अनुच्छेद 370 को निरस्त करना, तीन तलाक का खत्म करना, दिल्ली सेवा विधेयक और अन्य शामिल हैं. इस दौरान सरकार को कुछ तटस्थ दलों का साथ मिला था. एनडीए को नवीन पटनायक की बीजू जनता दल और आंध्र प्रदेश की वाईएसआर कांग्रेस पार्टी की तरफ से राज्यसभा में कई बार सहयोग मिले हैं.

फोन-टीवी से लेकर कार तक सब सस्ते हो जाएंगे

नई दिल्ली। अश्विनी वैष्णव ने गुजरात के धोलेरा विशेष औद्योगिक क्षेत्र में टाटा समूह और ताइवान के पीएसएमसी द्वारा भारत के पहले सेमीकंडक्टर फैब प्लांट को कैबिनेट की मंजूरी की घोषणा की। केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा प्रस्तावों को मंजूरी दिए जाने के बाद दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सभी तीन इकाइयों का निर्माण अगले 100 दिनों के भीतर शुरू हो जाएगा। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड साझेदारी में सेमीकंडक्टर फैब स्थापित करेगी। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड पावरचिप सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कॉर्प (पीएसएमसी), ताइवान के साथ साझेदारी में एक सेमीकंडक्टर फैब स्थापित करेगी। इस यूनिट का निर्माण गुजरात के धोलेरा में किया जाएगा। यह प्लांट 91,000 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित करेगा।

कहां बनेगी कितनी चिप

टाटा सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट प्राइवेट लिमिटेड 27,000 करोड़ रुपये के निवेश से असम के मोरीगांव में एक सेमीकंडक्टर इकाई स्थापित करेगी। वैष्णव ने यह भी बताया कि सीजी पावर - रेनेसा इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन, जापान और स्टार्स माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स, थाईलैंड के साथ साझेदारी में गुजरात के साणंद में एक सेमीकंडक्टर इकाई स्थापित करेगी। साणंद इकाई में 7,600 करोड़ रुपये का निवेश होने का अनुमान है। टाटा द्वारा गुजरात के धोलेरा में जो प्लांट लगाया जाएगा वहां 50 हजार वेफर हर महीने बनेंगे। एक वेफर में 5 हजार चिप होते हैं। यानी हर महीने 25 करोड़ सेमीकंडक्टर चिप बनेंगे। असम वाले प्लांट में हर दिन 4.80 करोड़ चिप बनाने की क्षमता होगी। गुजरात के साणंद में जो प्लांट बनेगा वहां हर दिन 1.5 करोड़ चिप बनाई जा सकेगी।

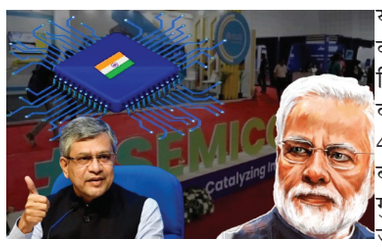

1962 से किए जा रहे थे प्रयास- वैष्णव ने कहा कि सेमीकंडक्टर फैब स्थापित करने का पहला प्रयास 1962 में किया गया, फिर 1980, 1984, 2005, 2007 और 2011 में किया गया। सफलता तभी मिलती है जब नियत और नीति दोनों स्पष्ट हों। आज, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के तहत भारत का पहला वाणिज्यिक सेमीकंडक्टर फैब स्थापित करना संभव हो गया है। उन्होंने कहा कि शिलान्यास बहुत जल्द किया जाएगा, जैसा कि हमने गुजरात के साणंद में माइक्रोन की सुविधा के मामले में देखा, जहां निर्माण केवल 90 दिनों के भीतर शुरू किया गया था।

सेमीकंडक्टर चिप को इलेक्ट्रॉनिक प्रॉडक्ट्स का दिल माना जाता है। स्मार्टफोन्स से लेकर कार, डेटा सेंटर्स, कम्प्यूटर्स, लैपटॉप, टैबलेट, स्मार्ट डेवाइसेज, वीकल्स, हाउसहोल्ड अप्लायंसेज, लाइफ सेविंग फार्मास्यूटिकल डिवाइसेज, एग्रीटेक, एटीएम और कई तरह के उत्पादों में इसका व्यापक इस्तेमाल होता है।

लोस चुनाव से पहले बीआरएस को बड़ा झटका, भाजपा में शामिल हुए तेलंगाना से सांसद पोथुगंती रामुलु

नई दिल्ली। बीआरएस नेता और नगरकुर्नूल के सांसद पोथुगंती रामुलु नई दिल्ली में पार्टी मुख्यालय में भाजपा में शामिल हुए। यह चुनाव से पहले बीआरएस को बड़ा झटका है। पोथुगंती रामुलु के अलावा आर लोकनाथ रेड्डी, पोथुगंती भरत प्रसाद, जक्का रघुनंदन रेड्डी और मेंटापल्ली पुरूषोत्तम रेड्डी भी भाजपा में शामिल हुए। उन्हें उम्मीद है कि आगामी लोकसभा चुनाव में उन्हें या उनके बेटे भरत को बीजेपी का टिकट मिलेगा। 71 वर्षीय व्यक्ति के बीआरएस जिला अध्यक्ष गुव्वाला बलाराजू और अन्य नेताओं के साथ अच्छे संबंध नहीं रहे हैं। भाजपा में शामिल होने के बाद पोथुगंती रामुलु ने कहा कि पीएम मोदी बड़े नेता हैं। वह देश के लिए बहुत मेहनत कर रहे हैं। वह देश के लिए जो काम कर रहे हैं उसे देखकर मैं भाजपा में शामिल हुआ। पार्टी मुझे जो भी आदेश देगी

मैं करने को तैयार हूं। कलवाकुर्थी मंडल के गुंडुरु गांव के मूल निवासी, रामुलु पहले एक सरकारी शिक्षक के रूप में काम करते थे। सरकारी सेवा छोड़ने के बाद, वह 1994 में राजनीति में शामिल हो गए। वह टीडीपी के टिकट पर तीन बार - 1994, 1999 और 2009 के चुनावों में - अचम्पेट

प्रमुख समाचार

नहीं रहे पुरातत्वविद पद्मश्री डा. अरुण शर्मा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नामी पुरातत्वविद पद्मश्री डा अरुण शर्मा का निधन हो गया। पुरातत्वविद् डा शर्मा ने बुधवार की रात को रायपुर में अंतिम सांस ली। वो 90 वर्ष के थे। डा. शर्मा का अंतिम संस्कार गुरुवार को रायपुर के महादेव घाट मुक्ति धाम किया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पुरातत्वविद डा शर्मा के निधन पर शोक जताया है। डा शर्मा की अंतिम यात्रा गुरुवार सुबह 10 बजे चंगोराभाठा के करणनगर स्थित उनके निवास से महादेव घाट मुक्ति धाम के लिए निकलेगी। बतादें कि पुरातत्वविद अरुण कुमार शर्मा की देखरेख में ही छत्तीसगढ़ के सिरपुर का उत्खनन हुआ था। वो रामसेतु हो या फिर अयोध्या के राममंदिर में पुरातत्व से जुड़े विषयों पर उनकी राय अहम रही है। छत्तीसगढ़ के पुरातत्ववेत्ता, पद्मश्री डॉ. अरूण कुमार शर्मा जी के निधन का समाचार दु:खद है। सिरपुर का उत्खनन उनके नेतृत्व में ही हुआ था। रामसेतु और अयोध्या के राममंदिर के पुरातात्विक विषयों पर उनकी राय अहम रही। छत्तीसगढ़ के पुरातत्ववेत्ता पद्श्री डॉ. अरुण कुमार शर्मा की मांग पर ही अयोध्या के राम जन्मभूमि पर खुदाई कराई गई थी।

प्रधानमंत्री का बिहार दौरा पक्का नीतीश भी रहेंगे साथ

नीतीश कुमार के एनडीए में लौटने के बाद बिहार की अपनी पहली यात्रा में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी राज्य के लिए लगभग 27,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का अनावरण करेंगे और समृद्ध बिहार के लिए अपने दृष्टिकोण का खुलासा करेंगे। कुमार और मोदी 2 मार्च को बेगुसराय में इस समारोह में मंच भी साझा करेंगे, जो केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह का निर्वाचन क्षेत्र है। पीएम जिन प्रमुख परियोजनाओं का अनावरण करेंगे उनमें 7,042 करोड़ रुपये का बेगुसराय में ॥ऋ उर्वरक संयंत्र, 4,742 करोड़ रुपये की रेलवे परियोजनाएं और 11,400 करोड़ रुपये की बरौनी रिफाइनरी विस्तार की आधारशिला रखना शामिल है। इसके पहले प्रधानमंत्री का बिहार दौरा दो बार टाला जा चुका है। औरंगाबाद में प्रधानमंत्री 21,400 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क को मजबूत करते हुए प्रधानमंत्री 18,100 करोड़ रुपये से अधिक की कई राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे।

हिमाचल में 5 साल चलेगी सरकार: शिवकुमार

नई दिल्ली/शिमला। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार पर संकट फिलहाल के लिए टल गया है. राज्य की एकमात्र राज्यसभा सीट पर हुए चुनाव में कांग्रेस के 6 विधायकों ने पार्टी लाइन से हटकर बीजेपी के लिए क्रॉस वोटिंग की थी. इसके बाद सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार के गिरने का खतरा बढ़ गया था. हालांकि, ऐन वक्त पर कांग्रेस के चाणक्य और संकटमोचक माने जाने वाले कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने हालात संभाल लिया. डीके शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और विधायकों के बीच सारे मतभेद सुलझा लिए गए हैं. सुखविंदर सिंह सुक्खू सीएम बने रहेंगे. प्रदेश में ऑपरेशन लोटस फेल हो गया है. हमारे लिए अब लोकसभा चुनाव प्राथमिकता है. मौजूदा सियासी संकट को सुलझाने के लिए कांग्रेस आलाकमान ने डीके शिवकुमार और हरियाणा के पूर्व सीएम भूपेंदर सिंह हुडा को ऑब्जर्वर बनाया था. दोनों नेताओं ने शिमला में वीरभद्र सिंह की पत्नी प्रतिभा सिंह और उनके बेटे विक्रमादित्य सिंह से बात की. इसके बाद गुरुवार 29 फरवरी की शाम प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई. इसमें कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार, हरियाणा के पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा और हिमाचल सीएम सुखविंदर सुक्खू शामिल थे.

सीबीआई के सामने पेश क्यों नहीं हुए अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव गुरुवार को पांच साल पुराने अवैध खनन मामले में गवाह के रूप में पूछताछ के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के समक्ष उपस्थित नहीं हुए। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसी भाजपा की एक इकाई के रूप में काम करती है। सपा प्रमुख ने एक वकील के माध्यम से सीबीआई को जवाब भेजकर आगामी संसदीय चुनावों की तैयारियों के कारण व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने में असमर्थता जताई, लेकिन जांच में जांच एजेंसी को सभी मदद और समन्वय का आश्वासन दिया। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव का कहना है, मैंने सीबीआई को जवाब दे दिया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी कमजोर है। एक ऐसी सरकार जिसने वादा किया था कि वे 60 लाख छात्रों के लिए परीक्षा आयोजित करके एक रिकॉर्ड स्थापित करेंगे और सभी को अच्छी नौकरियां प्रदान करेंगे। उन्होंने यह भी वादा किया कि पुलिस भर्ती परीक्षा निष्पक्ष रूप से आयोजित की जाएगी, आज हम पेपर लीक के मामले देख रहे हैं। भाजपा की मंशा हमारे युवाओं को रोजगार देने की नहीं है। पार्टी कमजोर हो रही है।

कर्नाटक में मंदिर विधेयक विधानसभा में पुनः पारित

बेंगलुरु। दस लाख रुपये से अधिक वार्षिक आय वाले मंदिरों से राजस्व वसूली के प्रावधान वाले विधेयक को कर्नाटक विधानसभा में पुनर्विचार के लिए बृहस्पतिवार को पेश किया गया, जिसे बाद में सदन ने पारित कर दिया। यह विधेयक पिछले सप्ताह विधान परिषद में भारतीय जनता पार्टी-जनता दल (सेक्युलर) के पार्षदों के विरोध के कारण पारित नहीं हो सका था। कर्नाटक हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती (संशोधन) विधेयक, 2024 को अब सीधे राज्यपाल के पास उनकी सहमति के लिए भेजा जाएगा, जिसके बाद यह कानून बन जाएगा। निम्न सदन में 21 फरवरी को पारित किए जाने के बाद यह विधेयक 23 फरवरी को उच्च सदन में ध्वनिमत से गिर गया था, क्योंकि यहां विपक्ष के पास बहुमत है। विधानसभा में बृहस्पतिवार को विधेयक पेश करते हुए हिंदू धार्मिक बंदोबस्ती (मुजराई) मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा, ''विधेयक पहले विधानसभा द्वारा पारित किया गया था, लेकिन विधान परिषद में यह पारित नहीं हो सका था। मैं इस सदन से अनुरोध करता हूं कि विधेयक को एक बार फिर से पारित कर दिया जाए।''

लोकसभा चुनाव 2024

अमेठी में फिर राहुल गांधी भरेंगे दम, रायबरेली से शुरूआत करेंगी प्रियंका गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी अमेठी और प्रियंका गांधी वाद्रा रायबरेली से लोकसभा चुनाव लड़ सकते हैं। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। जानकारी के मुताबिक अगर पार्टी लोकसभा चुनाव के लिए उनके नाम की घोषणा करती है तो यह प्रियंका गांधी के लिए चुनावी शुरुआत हो सकती है। 2019 में राहुल गांधी को कांग्रेस के पारंपरिक गढ़ अमेठी में तत्कालीन बीजेपी उम्मीदवार स्मृति ईरानी के सामने हार का सामना करना पड़ा था।

कांग्रेस का एक और गढ़ माना जाने वाला रायबरेली, जहां से सोनिया गांधी 2004 से सांसद हैं, उनके राजस्थान से राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने के बाद यह सीट खाली हो गई थी। हालांकि, उन्होंने संकेत दिया था कि उनके परिवार का कोई अन्य सदस्य लोकसभा सीट पर उनकी जगह ले सकता है। सोनिया गांधी ने अपने संसदीय क्षेत्र के लोगों को एक पत्र में लिखा था कि इस फैसले के बाद मुझे सीधे तौर पर

आपकी सेवा करने का अवसर नहीं मिलेगा लेकिन मेरा दिल और आत्मा हमेशा आपके साथ रहेंगे। मैं जानती हूं कि आप भविष्य में भी मेरे और मेरे परिवार के साथ वैसे ही खड़े रहेंगे, जैसे अतीत में खड़े थे।

अगर राहुल गांधी को एक बार फिर केंद्रीय मंत्री और भाजपा सांसद स्मृति ईरानी के खिलाफ अमेठी से मैदान में उतारा जाता है तो अमेठी में एक और दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल सकता है। 2019 के आम चुनाव में ईरानी ने राहुल को उनके गढ़ में 55,120 वोटों से हराया था। हालाँकि, राहुल गांधी ने चुनाव में वायनाड निर्वाचन क्षेत्र जीतकर लोकसभा में प्रवेश किया। ईरानी 2014 के चुनावों में राहुल से हार गई थीं, हालांकि, उन्होंने अगले पांच वर्षों में जमीन पर अपनी लोकप्रियता हासिल की और अपनी ऐतिहासिक जीत से कांग्रेस को झटका दिया।

हालांकि, भाजपा ने अभी अमेठी और रायबरेली से भाजपा ने किसी उम्मीदवार को घोषित नहीं किया। हालांकि, अमेठी से स्मृति ईरानी के फिर से उतरने की संभावना है। इसके अलावा रायबरेली से मनोज पांडे का नाम चर्चा में जिन्होंने हाल में ही सपा छोड़ राज्यसभा चुनाव में भाजपा के साथ खड़ा होना सही समझा। तक 2019 में चुनाव आयोग द्वारा अंतिम परिणाम घोषित होने से पहले ही, राहुल गांधी ने राष्ट्रीय राजधानी में एक संवाददाता सम्मेलन में अमेठी से हार स्वीकार कर ली थी। लोकसभा क्षेत्र एक और लड़ाई के लिए तैयार है, यह देखते हुए कि दोनों नेता एक बार फिर एक-दूसरे के खिलाफ हैं। इस साल अप्रैल-मई में आम चुनाव होने हैं।

सुल्तानपुर से फिर मेनका गांधी ?

लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर गोमती नदी के किनारे बसे सुल्तानपुर में 5 विधानसभा क्षेत्र आते हैं. 2014 में भाजपा के वरुण गांधी यहां से सांसद चुने गए थे. 2019 में उनकी मां मेनका गांधी सुल्तानपुर सीट से जीती थीं. 2019 के चुनाव में मेनका गांधी ने बहुजन समाज पार्टी के चंद्रभद्र सिंह को हराया था. इस सीट पर 2019 में कुल 10,00,316 वोट पड़े थे. मेनका गांधी को 4,59,196 वोट मिले. उनके निकटतम प्रतिद्वंदी चंद्रभद्रसिंह उर्फ़ सोनू सिंह को 4,44,670 वोट मिले.

बीजेपी किसे देगी टिकट?

सुल्तानपुर सीट पर बीजेपी से कई दावेदार हैं. सबसे पहले मौजूदा सांसद मेनका गांधी का नाम लिया जा रहा है. गांधी परिवार की सदस्य मेनका गांधी का बीजेपी में तो ज़्यादा दबदबा नहीं है, लेकिन इस क्षेत्र में वो काफी एक्टिव रही हैं. इसलिए पार्टी उन्हें टिकट दे सकती है. मेनका गांधी के बाद प्रेम शुक्ला का नाम भी चर्चा में है. शुक्ला बीजेपी के सीनियर नेता हैं और इस क्षेत्र में उनकी पैठ है. वो बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता हैं और सुल्तानपुर से पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर इनका नाम भी चल रहा है.

भारतीय जनता पार्टी सुल्तानपुर से लंभुआ के पूर्व विधायक देवमणि द्विवेदी को भी टिकट दे सकती है. लंभुआ क्षेत्र, सुल्तानपुर लोकसभा में आता है. वैसे सरोजिनी नगर, लखनऊ के मौजूदा विधायक राजेश्वर सिंह का नाम भी उम्मीदवारों के तौर पर लिया जा रहा है.

कांग्रेस से गठबंधन के तहत अगर समाजवादी पार्टी इस सीट से लड़ती है, तो पूर्व विधायक अरुण वर्मा को उम्मीदवार बनाया जा सकता है. अरुण वर्मा सुल्तानपुर सदर से विधायक रह चुके हैं.

यातायात दुरूस्त करने कलेक्टर, कप्तान उतरे मैदान में

दो घंटे बहाया पसीना, सड़क,चौक चौराहों का लिया जायजा, बताया- यहां यहां चलाना होगा बुलडोजर

बिलासपुर। शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने टीम के साथ कलेक्टर और पुलिस कप्तान शाम को मैदान में उतरे। करीब दो घंटे तक शहर की प्रमुख सड़कों, चौक चौराहों और गलियों का भ्रमण कर दोनों अधिकारियों ने पसीना बहाया। इस दौरान अन्य अधिकारियों ने भी खुद को पसीना पसीना किया। इस दौरान कलेक्टर और कप्तान ने लोगों को रोका..टोका और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने का संकल्प दिलाया। साथ ही अधिकारियों को व्यवस्था नहीं मानने वालों पर सख्त कार्रवाई का आदेश भी दिया।

कलेक्टर अवनीश शरण और पुलिस कप्तान रजनेश सिंह आज यातायात व्यवस्था के साथ अव्यवस्था जायजा लेने शहर की गलियों का भ्रमण किया। यह जानते हुए भी कि आज के पहले भी कई अधिकारी बिलासपुर यातायात व्यवस्था को चुस्त दुरूस्त बनाने गलियों की खाक छान चुके हैं। बावजूद इससे पूरे अमला के साथ मैदान में उतरे दोनो अधिकारियों ने दो घंटे पैदल मार्च कर पसीना बहाया।

दो घंटे भ्रमण के दौरान आलाधिकारियों ने ट्रैफिक व्यवस्था में आ रही परेशानियों और बाधाओं को नजदीक से जानने का प्रयास किया। नगर निगम समेत व्यवस्था के लिए जिम्मेदार अन्य अधिकारियों को सभी बाधाओं को सख्ती के साथ हटाए जाने का निर्देश दिया। ट्रैफिक व्यवस्था, पार्किंग और सड़कों पर ठेलों, गुमटियों को लेकर जरूरी टिप्स भी दिए। कलेक्टर ने शनिचरी बाजार में ट्रैफिक व्यवस्था दुरूस्त करने का निर्देश दिया। साथ ही बिलासा चौक से जूना बिलासपुर मार्ग से तत्काल डिवाइडर हटाने को कहा। कलेक्टर और एसपी शाम यदुनंदननगर चौक, नया, पुराना बस स्टैण्ड, अपोलो चौक, शनिचरी बाजार, ज्वाली नाला मार्ग, जूना बिलासपुर, गांधी चौक समेत शहर के विभिन्न सड़कों पर ट्रैफिक व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। चौक से यदुनंदननगर जाने वाले मार्ग में लगे ट्रांसफार्मर शिफ्ट करने के अलावा बेजा कब्जादारियों को हटाने को कहा। अपोलो चौक से अपोलो अस्पताल की ओर जाने वाले मार्ग पर लगे ट्रांसफार्मर को शिफ्ट करने के अलावा लटक रहे बिजली के तारों को अण्डरग्राउण्ड करवाने की बात कही। चौक के आसपास से बेजा कब्जा हटाने भी कहा।

कलेक्टर ने शनिचरी बाजार का भी जायजा लिया। शनिचरी बाजार में ट्रैफिक व्यवस्था दुरूस्त करने के साथ ही बिलासा चौक से जूना बिलासपुर जाने वाले मार्ग के डिवाइडर को तत्काल हटाने का निर्देश दिया। शनिचरी बाजार से कोतवाली चौक, गांधी चौक होते हुए पुराना हाईकोर्ट मार्ग का पैदल सघन निरीक्षण किया।श्याम टाकीज चौक से ज्वाली पुल तक सड़क पर लगने वाले जाम से छुटरकारा दिलाने अधिकारियों को जरूरी निर्देश देते हुए ज्वाली नाले पर बनाए सड़क पर ट्रैफिक डायवर्ट करना का फरमान जारी किया।

इसी प्रकार कलेक्टर ने पुराना बस स्टैण्ड का निरीक्षण कर सड़क को कब्जा मुक्त कराने को कहा। अवनीश शरण ने जाम और दुर्घटना से बचने शहर के सभी लोगों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है। इस दौरान नगर निगम कमिश्नर अमित कुमार, एडीएम शिवकुमार बनर्जी, एएसपी राजेन्द्र जायसवाल समेत पुलिस और पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

शराबी शिक्षक ने हेडमास्टर के सामने छलकाया जाम

■ **कहा- मेरी मर्जी मैं कुछ भी करूं आपको कोई प्रॉब्लम**

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में एक शराबी शिक्षक का वीडियो सामने आया है। जिसमें वे स्कूल टाइम में महिला हेडमास्टर के सामने खुलेआम चखना के साथ शराब पीते हुए नजर आ रहा है। स्कूल प्रांगण में उसके हरकत को मना करने पर टीचर धौंस दिखाते हुए बीईओ, डीईओ और कलेक्टर से शिकायत कर देने की बात कही। इतना ही नहीं वीडियो बनाने वाले को धौंस दिखाते हुए कह रहा है कि अच्छे से वीडियो बनाओ, उसमें ये सब चीज दिखना चाहिए। उसने यह भी कहा कि जिससे भी शिकायत करना चाहते हो कर लो, मैं किसी से डरता नहीं हूं। यह पूरा मामला बिलासपुर जिला के मस्तूरी ब्लॉक क्षेत्र के मचहा प्राइमरी स्कूल का है।

बुधवार सुबह स्कूल समय में एक टीचर अपने जेब में शराब के साथ चखना लेकर शाला पहुंचा। वे बच्चों के सामने अजीब हरकतें कर रहा था। इस दौरान स्कूल में प्रधान पाठक तुलसी चौहान और स्टूडेंट्स अपने कक्ष में थे। सभी अपने-अपने कामों पर लगे हुए थे। सहायक शिक्षक पद पर पदस्थ संतोष कुमार केवट प्रधान पाठक के सामने बैठककर शराब पीने लगा। वहां मौजूद एक युवक वीडियो बनाने लगा।

टीचर के जेब में शराब की बोतल देखकर वीडियो बनाने वाले युवक ने सवाल पूछा तो शराबी टीचर ने धौंस दिखाते हुए कहा हमारी मर्जी हम कुछ भी करें,

आप क्या कर लेंगे? मैं रोज पीता हूं। कुछ प्रॉब्लम? मेरे पास सब कुछ है। उसने वीडियो बनाने वाले को कहा कि आपको कोई दिक्कत है क्या? इस दौरान प्रधान पाठक के सामने धौंस दिखाते हुए शराब की बोतल खोल पैक बनाने लगा। वहीं स्कूल लगने का समय सुबह साढ़े सात बजे से साढ़े 11 बजे तक है। शिक्षक लगभग साढ़े 10 बजे पंहुचा है।

नशे में धुत टीचर कार्यालय कक्ष से बाहर निकलकर बच्चों को छुट्टी हो गई सब घर जाओ कहते हुए भागने की कोशिश की। इस मामले में शाला के प्रधान पाठिका तुलसी चौहान ने कहा कि स्कूल में सहायक शिक्षक का यह कृत्य बेहद ही निंदनीय है। इस पर सख्त कार्रवाई होने की बात कही। वहीं मामले की जानकारी डीईओ टीआर साहू को दी गई। उन्होंने मामले को गंभीरता से लिया और जांच कर कार्रवाई करने की बात कही। इसके साथ ही तत्काल शिक्षक को निलंबन करने के निर्देश दिए।

स्नेहा बंजारे ने यूएई में कोरबा का नाम किया रोशन, सीएम ने किया स्वागत

कोरबा। सबले बढ़िया, छत्तीसगढ़िया। यह तो आपने कई मौकों पर सुना ही होगा। एक छात्तीसगढ़ीया लड़की ने इसे साबित कर दिखाया, वो भी भारत के बाहर यूएई की धरती पर। उसने कराटे की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में इजिप्ट की खिलाड़ी को पछाड़ सिल्वर मेडल जीता।

इरादे मजबूत हो और विश्वास पक्का हो तो आप किसी भी दिशा में बढ़ाने के साथ सफलता प्राप्त कर ही सकते हैं। कोरबा निवासी स्नेहा बंजारे ने ऐसा ही किया। चार वर्ष की उम्र से खेल की तरफ रुझान रखने वाली स्नेहा अभी मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन की छात्रा है जिसने पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यूएई में आयोजित प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और भारत का प्रतिनिधित्व किया। कोरबा वापस आने पर शुभचिंतकों ने उसका स्वागत किया। स्नेहा ने बताया कि उसका मुकाबला इजिप्ट के खिलाड़ी से हुआ था और उसे जीत हासिल हुई। वह थोड़ी और कोशिश करती तो गोल्ड भी ला सकती थीं।

स्नेहा ने बताया कि भारत से उसके समेत 49 खिलाड़ी अलग-अलग खेल में शामिल होने के लिए संयुक्त अरब अमीरात गए हुए थे। प्रतियोगिता में 84 देश के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। भारत से तीन खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था, जिसमें उसने अपना प्रदर्शन दिखाया। जिसके बाद अब स्नेहा छत्तीसगढ़ वापस लौटी हैं। सीएम विष्णुदेव साय ने स्नेहा से मुलाकात कर बधाई दी।

स्नेहा ने बताया कि उसके पिता सियाराम और बड़े भाई कराटे के खिलाड़ी हैं, जिनके मार्गदर्शन में आज वो यहां तक पहुची हैं और आगे भी वो देश के लिए खेलना चाहती हैं और भारत का नाम रौशन करना चाहती हैं। बिलासपुर विश्वविद्यालय से फिजिकल एजुकेशन की पढ़ाई कर रही स्नेहा ने बताया कि उनके पिता और भाई की प्रेरणा शुरू से मिलती रही है, जिसके कारण वह सफलता के इस मुकाम पर पहुंची हैं।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से प्रतिमाह मिलेगी 300 यूनिट मुफ्त बिजली

महासमुंद। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना एक सरकारी योजना है जिसका मुख्य उद्देश्य भारत में घरों को मुफ्त बिजली प्रदान करना है। इस योजना को 15 फरवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया है। इसके अंतर्गत हितग्राहियों को उनकी छतों पर सोलर पैनल लगाने के लिए सब्सिडी प्रदान की जाएगी।

केन्द्र सरकार द्वारा प्रतिमाह 300 यूनिट मुफ्त बिजली प्रदान करने हेतु प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना प्रारंभ की गई है जिसमें देश के एक करोड़ घरों के छतों पर सौर पैनल स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया गया है। इस योजना के तहत हितग्राही अपने घर की छत पर सौर पैनल स्थापित करा सकते है। इसके साथ ही विभिन्न क्षमता अनुसार सौर संयंत्र स्थापित करने पर सब्सिडी का भी प्रावधान रखा गया है तथा सस्ते ब्याज दर पर लोन भी प्रदान किया जाएगा साथ ही सब्सिडी की राशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में जमा हो जायेगा। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना हेतु क्षमतावार रूफटॉप सौर संयंत्र स्थापित कराने पर सब्सिडी का प्रावधान है जो इस तरह है 1 से 2 किलो वॉट रूफटॉप सोलर पावर प्लांट क्षमता के तहत 0 से 150 मासिक बिजली बचत यूनिट में 30,000 से 60,000 सब्सिडी का प्रावधान है। इसी तरह 0 से 3 किलो वॉट रूफटॉप सोलर पावर प्लांट क्षमता के तहत 150 से 300 मासिक बिजली बचत यूनिट में 60,000 से 78,000 सब्सिडी एवं 3 किलो वॉट से अधिक रूफटॉप सोलर पावर प्लांट क्षमता के तहत 300 से अधिक मासिक बिजली बचत यूनिट में 78,000 सब्सिडी का प्रावधान है।

आदिवासी की संपत्ति पर सरपंच का कब्जा

■ **हीरा उगलने वाली जमीन पर कुंडली मारकर बैठा गांव का प्रधान**

गरियाबंद। जिले के पायलीखंड में हीरा जिन आदिवासियों की जमीन में निकली थी, दो दशक बाद भी खदान का जिक्र राजस्व रिकार्ड में नहीं। इतना ही नहीं खरबों की संपत्ति जिनकी जमीन में दबी है, उन्हें एक कौड़ी भी नसीब नहीं हुआ। हद तो तब हो गई जब उस आदिवासी की हीरा खदान वाली जमीन गलत तरीके से गांव के सरपंच के नाम चढ़ गई।

दरअसल, देवभोग तहसील के सेनमुड़ा में आदिवासी सहदेव गोंड की जमीन में 1987 में अलेक्जेंडर होने का पता चला तो मैनपुर तहसील के पायलीखंड निवासी भूंजिया बरनू नेताम के खेत में हीरा होने की जानकारी 1992 में लगी। अविभाजित मध्यप्रदेश सरकार की माइनिंग कॉरपोरेशन दोनों खदानों में पूर्वेक्षण के नाम पर जम कर दोहन भी किया। आज इन रत्नों की चमक विदेशों तक पहुंच गई पर जमीन के मालिक आज भी कच्चे मकान में रहते हैं। मुआवजे की आस में पीढ़ियां गुजर रही पर राजस्व रिकार्ड में खदान का जिक्र तक नहीं हो सका।

पूर्वेक्षण का मामला कोर्ट में लंबित होने के कारण आज तक कीमती जमीन के वारिसों को मुआवजा तक नहीं मिल सका। जमीन में हीरे निकलने के चलते फायदे तो अधर में लटका ही बल्कि पायलीखंड के

बरनू भूंजिया को हीरा धारित जमीन को हाथ से गंवाना पड़ गया। बरनू का उत्तराधिकारी उसका पोता नयन सिंह हैं। दो साल पहले जब जमीन में चढ़े दादा और पिता के नाम का फौत कटवा कर नया पट्टा बनाने गया तो कूल 12 एकड़ जमीन में लगभग दो एकड़ जमीन की कमी आ गई। खदान वाली जमीन अब बरनू के वारिसों के नाम नहीं रहा। उत्तराधिकारी पोता नयन सिंह ने बताया कि दादा बरनू की मौत के बाद उनकी सारी जमीन पिता जयराम, चाचा कुवर सिंह और संतोष के नाम थी, लेकिन अब ये तीनों गुजर गए तो उनकी कूल साढ़े 12 एकड़ जमीन का मुखिया नयन सिंग हुआ। अन्य चचेरे भाईयों के नाम हिस्सेदारों में दर्ज है। नयन ने कहा कि साल भर पहले फौती कटकर जब पट्टा बनाया तो उसमें अचानक दो एकड़ रकबे की कमी आई। पट्टा में खसरा 252 के बजाए 252/1 दिखाया। शंका होने पर जानकारों से पूछने के बाद पता चला की रकबा 252 को दो भागों में बांट दिया गया है। दादा बरनू के नाम की जमीन गांव के सरपंच रहे बहुर सिंह को बंटवारा में दिया जाना उल्लेख मिला। खसरा नंबर 252 का हीरा धारित रकबे में शामिल जमीन 252/2 हो गया, जो जांगड़ा के सरपंच रहे बहुर सिंह के नाम 2002 दर्ज हो गया।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

कुलेश्वर महादेव के नाम से जाना जाता है शिवलिंग

गरियाबंद। गरियाबंद के राजिम कुंभ कल्प के संगम तट पर पैरी, सोढूर और महानदी का संगम है। नदी के बीच में भगवान शिव का विशाल मंदिर है, जिसे कुलेश्वरनाथ महादेव के नाम से ख्याति प्राप्त है। कहा जाता है कि वनवास काल के दौरान भगवान श्रीराम ने लक्ष्मण और माता सीता के साथ यहीं पर स्थित लोमष ऋषि के आश्रम में कुछ दिन गुजारे थे। उसी दौरान माता सीता ने नदी की रेत से भगवान भोलेनाथ का शिवलिंग बनाकर उनकी पूजा अर्चना की थी। तभी से इस शिवलिंग को कुलेश्वर महादेव के नाम से जाना जाता है। इस खुरदुरे शिवलिंग को माता सीता ने अपने हाथों से बनाया था, जिसके निशान होने की बात जन मानस में प्रचलित है। चूंकि यह शिवलिंग क्षरण के कारण अपना मूल स्वरूप शनैः शनै खोता जा रहा है, इसलिए शिवलिंग की सुरक्षा के लिए ऊपर से जाली लगाकर ढक दिया गया है। ताकि पूजा अर्चना में उपयोग किए जाने वाली वस्तुओं से शिवलिंग की सुरक्षा की जा सके। भगवान श्री कुलेश्वरनाथ को लेकर मान्यता है कि बरसात के दिनों में कितनी भी बाढ़ आ जाए यह मंदिर डूबता नहीं है।

महतारी वंदन योजना: केवाईसी के लिए दो मार्च है अंतिम तिथि

गौरेला पेंड्रा मरवाही। महतारी वंदन योजना और किसान न्याय योजना में लाभार्थी बनने के लिए ग्रामीणों को संघर्ष करना पड़ रहा है। ग्रामीण स्टेट बैंक की उदासीनता का खामियाजा भुगत रहे हैं। ग्रामीण रात को दो बजे से स्टेट बैंक के सामने बैठकर सुबह 10:00 बजे केवाईसी के लिए टोकन लेते हैं। सैकड़ों ग्रामीण पूरी रात बैंक के सामने मौजूद रहते हैं। प्रतिदिन सिर्फ 50 ग्रामीणों का केवाईसी करने से स्थिति खराब हो रही है। बिना केवाईसी के ग्रामीणों के खातों में योजना का पैसा नहीं आएगा। महतारी वंदन योजना में लाभार्थी बनने के लिए सभी औपचारिकताएं दो मार्च से पहले पूरी करनी हैं। एसबीआई बैंक की हठधर्मिता और स्थानीय प्रशासन की अनदेखी बैंक खाता धारकों के लिए परेशानी का सबब बन गयी है। सरकार ने योजनाओं का पैसा सीधे खाताधारकों और लाभार्थियों को पहचाने के लिए डायरेक्ट बैंक ट्रांसफर (डीबीटी) शुरू किया। इसके लिए हर ग्रामीण का खाता बैंकों में खोला गया, जिसमें जन धन खातों से लेकर बचत खाता तक शामिल है।

सहायक ग्रेड-03 एवं भृत्य पद हेतु प्रारंभिक लिखित परीक्षा 10 मार्च को बिलासपुर में

उत्तर बस्तर कांकेर। छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं अधीनस्थ स्थापनाओं के लिए सहायक ग्रेड-03, आदेशिका लेखक, कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं भृत्य के रिक्त पदों पर भर्ती हेतु प्रारंभिक लिखित परीक्षा 10 मार्च को दो पालियों में बिलासपुर में आयोजित होगी। प्राधिकरण के सदस्य सचिव एवं चयन समिति के अध्यक्ष श्री आनंद प्रकाश वारियाल ने बताया कि सहायक ग्रेड-03, आदेशिका लेखक, कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं भृत्य पद हेतु प्रारंभिक लिखित परीक्षा के संबंध में आवश्यक सूचना, प्रवेश पत्र, अभ्यर्थियों की सूची इत्यादि छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की वेबसाईट https://cgslsa.gov.in// पर अपलोड की गई है, जहां से अभ्यर्थी अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। इसके अलावा अनुवादक एवं वाहन चालक के पद हेतु आयोजित लिखित परीक्षा के भी परिणाम घोषित कर मेरिट लिस्ट वेबसाईट पर अपलोड की गई है।

कुसमुंडा खदान में फिर हादसा मजदूरों ने की हड़ताल

कोरबा। कोरबा साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की कुसमुंडा कोल माइंस में फिर हादसा हो गया। जहां कोयला लोडिंग के लिए लगे लोडर की चपेट में आने से हेल्पर की घटना स्थल पर दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे के बाद काम कर रहे मजदूरों की भीड़ एकत्रित हो गई और आंदोलन पर उतारू हो गए जहां एसईसीएल के खिलाफ रोजगार और मुआवजा की मांग कर रहे थे। इस घटना की सूचना मिलते हैं कुसमुंडा थाना बल के साथ मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी ली। बताया जा रहा है मृतक 26 वर्षीय राकेश दास दीपका निवासी बतारी का रहने वाला था। इस घटना के बाद मृतक के परिजनों को सूचना दी गई जहां मौके पर पहुंचे। देखते ही देखते लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई और सभी आक्रोशित हो गए और काम बंद हड़ताल शुरू किया। मृतक राकेश कुमार कोयला उठाने वाले लोडर पर हेल्पर का काम करता था और दोपहर ड्राइवर के साथ कोयला लोडिंग के लिए लगा हुआ था इस दौरान चालक हेल्पर को देख नहीं पाया और ये हादसा हो गया।

दीपका नगर पालिका में आवारा कुत्तों का आतंक

कोरबा। कोरबा दीपका नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत गेवरा कॉलोनी में पिछले 24 घंटे में एक दर्जन से अधिक लोगों को कुत्ते ने काट लिया है। लोगों ने बताया कि कुत्ता पागल हो गया है और लोगों को दौड़ा-दौड़ा कर काट रहा है। कुत्ता काटने के बाद कुछ लोग सरकारी अस्पताल और कुछ विभागीय अस्पताल में अपना इलाज कर रहे हैं। कुछ महीनों से आवारा कुत्तों की संख्या में दीपका नगर पालिका क्षेत्र में बहुत तेजी से इजाफा हुआ है। जिसकी आए दिन किसी न किसी को इन आवारा कुत्तों का शिकार होना पड़ता है। ऊर्जा नगर गेवरा निवासी संजय सिंह ने बताया कि आवारा कुत्ता उसको काटने दुकान के अंदर घुस गया था। वही पागल आवारा कुत्ते ने दो बच्चों को काटा और बमुश्किल से पीड़ित का पैर छोड़ा। गेवरा के विभागीय अस्पताल नेहरू शताब्दी चिकित्सालय में तीन व्यक्ति जो कुत्ते का शिकार हुए थे, उनका अस्पताल में इलाज जारी है। उनकी हालत में सुधार बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों की माने तो कुत्तों के आतंक से लोग परेशान हैं।

लोन के लिए सालभर से चक्कर लगाते दिव्यांग ने दी अंतिम चेतावनी

गरियाबंद। लोन के लिए साल भर से जनपद कार्यालय के चक्कर लगाते-लगाते थक चुके दिव्यांग अशोक सोनी ने प्रशासन को अंतिम चेतावनी दी है। उसने एसडीएम को सौंपे ज्ञापन में कहा कि अगर सात दिवस के भीतर लोन नहीं दिया तो जनपद कार्यालय के सामने आत्मदाह कर लूंगा।

लाटापारा निवासी दिव्यांग अशोक सोनी ने मंगलवार को एसडीएम कार्यालय में एक ज्ञापन सौंप आत्मदाह की चेतावनी दी है। उसने बताया कि समाज कल्याण विभाग की दिव्यांग लोन योजना के तहत उसने सालभर पहले देवभोग जनपद के समाज कल्याण शाखा के माध्यम से लोन के लिए आवेदन किया है। 40 हजार की पगड़ी (बयाना) देकर उसने जनपद से ही दुकान किराए पर लिया है।

उसने बताया कि अब वह दुकान में सामान बढ़ाना चाहता है, जिससे दुकान का

किराया व गुजारा निकल सके। उसके ऊपर बूढ़ी मां के भरण-पोषण की भी जिम्मेदारी है। आर्थिक तंगी के बीच लोन के लिए दस्तावेज बनाने और जनपद कार्यालय का बार-बार चक्कर काटते थक चुका हूं। हर बार कोई न कोई नया बहाना बनाकर लोन देने में टाल मटोल किया जा रहा है।

उसने बताया कि इस बार गारेंटर के रूप में पंचायत सचिव का दस्तावेज दिया गया, लेकिन उसे नियमित कर्मचारी नहीं होना बताकर दूसरे गारेंटर का दस्तावेज मांगा जा रहा। अशोक ने लिखा है कि जल्द मुझे लोन की राशि नही दी गई तो मैं आत्मदाह कर लूंगा। एसडीएम अर्पिता पाठक ने कहा की संबंधित विभाग से चर्चा कर विधिवत निराकरण करने कहा जा रहा है। 43 वर्षीय अशोक जन्म से ही दिव्यांग नहीं था। पुट्टी व प्लंबर का काम किया करता था। गरियाबंद के संतोषी पारा वार्ड में एक मकान में काम करने के दरम्यान छत से गुजरे हाई टेंशन तार के चपेट में आ गया, जिसमें हाथ-पांव बुरी तरह से झुलस गया। दाहिने हाथ को काटना पड़ा, बायां हाथ भी पूरी तरह ठीक नहीं हो सका। आज वह 75 फीसदी विकलांग है। इलाज के लिए कर्ज के बोझ से दबे पिता 2016 में आत्महत्या कर चुके हैं। वहीं घटना के बाद पत्नी घर छोड़कर चली गई है। अब बूढ़ी मां का अशोक इकलौता सहारा है।

मामले को लेकर समाज कल्याण विभाग के उपसंचालक डोनर ठाकुर ने कहा कि विभाग से लोन देना बन्द कर दिया है, क्योंकि पहले भेजे गए तीन प्रकरण में मंजूरी नहीं मिल सकी है। मेरी बात अशोक से हुई है, उसकी फाइल को मंगवाया गया है, जिला अंतव्यवसायी हो या फिर उद्योग विभाग, जहां से मिल सके लोन दिलवाया जाएगा। मामले की पड़ताल करने पर पता चला कि समाज कल्याण विभाग में दिव्यांग जन को लोन देने की योजना है, जिसके लिए ज्यादा फार्मिलिट की भी जरूरत नहीं पड़ती। मार्च 2023 समाज कल्याण विभाग को 4 करोड़ का कर्ज वसूली करना था, लेकिन विभाग आधे की ही वसूल पाया है। अभी भी 52 हितग्राही से 2 करोड़ की वसूली बकाया है। बकाया राशि के चलते ही नए सत्र में आए आवेदन को अफसरों ने मंजूरी नहीं दी। फरवरी माह में तो आवेदन न लेने का फरमान भी जारी कर दिया गया है।

माफियाओं को जिला प्रशासन की छूट जगह-जगह डंप कर रहे जहरीले राखड़

सक्ती। जिले में राखड़ माफियाओं का कहर दिन ब दिन बढ़ता जा रहा है। मोटी कमाई की लालच में ये राखड़ के सौदागर रोजाना सैकड़ों ट्रक राखड़ जिला मुख्यालय के आसपास डाल रहे हैं। भारी मात्रा में राखड़ के डाले जाने से आसपास का वातावरण जहरीला तो हो ही रहा है। साथ ही सैकड़ों एकड़ जमीन बंजर हो चुकी है।

राखड़ माफिया इस कदर बेलगाम हो चुके हैं कि अब वे सरकारी जमीनों को भी नहीं बख्श रहे, मगर हैरत की बात यह है कि सब कुछ देखकर भी जिला प्रशासन मौन है। सक्ती कलेक्टर कार्यालय से कुछ ही दूर में रोजाना प्लांट से निकलने वाले हानिकारक सैकड़ों ट्रक राखड़ डंप किया जा रहा है, मगर अधिकारियों की उदासीनता ने इन राखड़ के सौदागरों के हौसले बढ़ा दिए हैं।

सक्ती जिले के दो बड़े पावर प्लांट डीबी और आरकेएम से भारी मात्रा में राखड़ जिले में नियम

विरुद्ध डिस्पोज किया जा रहा है। इन दो प्लांटों से कई बड़े ट्रांसपोर्टर ठेके पर रोजाना सैकड़ों ट्रक राखड़ क्षेत्र के रिहायसी इलाकों में खपा रहे हैं। राखड़ खपाने के लिए इन्हे प्लांटों से प्रति टन अच्छी खासी रकम मिल रही है, जिसके लिए ये राखड़ के सौदागर जिले में जगह-जगह राखड़ डालकर अपनी जेब गरम कर रहे हैं, मगर जिले के जिम्मेदार अधिकारी इस गंभीर मामले में आखिर क्यों मौन है, यह समझ से परे है।

मंत्री कश्यप का कांग्रेस को चुनौती, किसी एक सीट पर जीतकर बताएं कांग्रेसी

■ लोकसभा चुनाव के बाद गायब हो जाएंगे पीसीसी चीफ

रायपुर। लोकसभा चुनाव को लेकर छत्तीसगढ़ की सियासत गरमाई हुई है। वनमंत्री केदार कश्यप ने कांग्रेस को चुनौती देते हुए कहा, हिम्मत है तो कांग्रेसी कहें कि किसी एक सीट पर वे जीतेंगे। कांग्रेस नेताओं के तोते उड़ चुके हैं। कांग्रेस मरणासन्न हो चुकी है। अभी वे प्रत्याशी ढूंढ रहे, उसके बाद कार्यकर्ता ढूंढ़ेंगे। फिर वोटर ढूंढ़ना होगा, तब तक चुनाव निकल जाएगा।

लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप ने कहा, भाजपा 365 दिन कार्य करती है। यह लोकतांत्रिक पार्टी है। एक व्यक्ति के कहने पर वाली पार्टी नहीं है। भाजपा का एक-एक कार्यकर्ता कांग्रेस के बड़े से बड़े नेता को चुनौती दे सकता है। हमारी तैयारी पूरी है। लोकसभा का बिगुल बज चुका है। कांग्रेस के लोग कितनी तैयारी में है, नजर आ ही रहा है। सरकार के भरोसे में अपनी पार्टी को चला रहे थे। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के अकेले दौरे और बाकी नेताओं की निष्क्रियता को लेकर मंत्री केदार कश्यप ने तंज कसते हुए कहा, दीपक बैज पीसीसी के अध्यक्ष हैं इसलिए जा रहे हैं। लोकसभा के बाद वह भी मिस्टर गायब हो जाएंगे। उनको भी ढूंढना पड़ेगा। कांग्रेस राष्ट्रीय स्तर से गायब हो रही है। छत्तीसगढ़ से भी गायब होगी। उनका जो वास्तविक चेहरा है वह सामने आ गया। यह लूटपाट और लोगों को ठगने वाली पार्टी है। इनका अस्तित्व निचले स्तर पर आ गया है।

भाजपा सरकार ने तीन माह में ऐसा क्या चमत्कार कर दिया : दीपक बैज

रायपुर। देश में सौ प्रभावशाली लोगों की लिस्ट में छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय का नाम भी शामिल है। इस पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, लिस्ट ऐसा आया है तो मुझे ज़्यादा कुछ नहीं कहना है, लेकिन भाजपा सरकार ने तीन महीने में ऐसा कौन सा चमत्कार कर दिया कि सौ लोगों के लिस्ट में आ गए। यहां तो कोई चमत्कार नहीं दिख रहा। अगर भाजपा ने अपना चमत्कार कर दिया हो तो अलग बात है। चुनाव को देखते हुए बीजेपी अपने हिसाब से सेटलमेंट करके इस तरह की लिस्टिंग की है।

उम्मीदवारों की सूची को लेकर दीपक बैज ने कहा, 11 सीटों की प्रक्रिया लगभग हमारी भी पूरी है। कुछ सीटों में लगभग नाम तय हैं। कुछ सीटों में पैनल बना हुआ है। केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक का इंतजार है। जब आलाकमान बैठक रखेगी तो पूरे 11 सीटों पर मुहर लगेगी। केदार कश्यप के चुनाव के बाद दीपक बैज भी गायब हो

जाएंगे, इस बयान पर बैज ने पलटवार करते हुए कहा, चुनाव होने दीजिए, हमे पता है बीजेपी पांच साल सत्ता में नहीं रहने के बाद साढ़े चार साल गायब थी। लास्ट दो महीने क्षेत्र में दिखी है। चुनाव है, परिणाम आते-जाते रहते हैं। मजबूत विपक्ष है। जनता के लिए हम मजबूती से आवाज उठाएंगे। हमारे सीनियर नेता विधानसभा की कार्यवाही में थे। तमाम सीनियर नेता भी अब ज़िलों का दौरा करेंगे।

दौरे के दौरान कार्यकर्ताओं का कैसा रिस्पांस है, इस पर बैज ने कहा, कार्यकर्ताओं में आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर उत्साह है। उनकी एक ही मंशा है कि देश में कांग्रेस की सरकार बनाना है। राहुल गांधी को पीएम बनाना है। भारत जोड़ो न्याय यात्रा से कार्यकर्ताओं और नेताओं में उत्साह आया है। उसी का नतीजा है कि हमारे कार्यकर्ताओं ने ठान लिया है कि लोकसभा में ज्यादा सीट जीतेंगे। देश में राहुल गांधी को पीएम बनायेंगे।

लगातार चल रहे दौरे पर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा, लोस चुनाव की तैयारियों को देखते हुए प्रदेश प्रभारी के निर्देशानुसार लगातार जिलों का दौरा चल रहा है। आज गरियाबंद जिले का दौरा है। लगभग पच्चीस जिलों के आसपास दौरा कंप्लीट है। कुछ ज़िले बचे हैं उसे एक हफ्ते के अंदर पूरा करना है। लोस चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं से मंथन चल रहा है, ताकि मजबूती से लोकसभा चुनाव लड़े और भाजपा से ज़्यादा सीटे जीते।

लोकसभा चुनाव से पहले एक्शन मोड में पुलिस

वारंटियों के खिलाफ चलाया अभियान 277 वारंटों को की गई तामिल

रायपुर। लोकसभा चुनाव से पहले रायपुर पुलिस ने वारंटीयों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया है। कई सालों से फरार हत्या, हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट, मारपीट, धोखाधड़ी और विभिन्न गंभीर अपराधों के स्थायी और अभियुक्त गिरफ्तारी वारंटों की तामिल की गई है। अलग-अलग थानों के चाकूबाज, मारपीट, धोखाधड़ी और विभिन्न गंभीर अपराधों के 102 स्थायी वारंट और 175 अभियुक्त गिरफ्तारी वारंटों की तामिल की ई है।

रायपुर एसपी संतोष कुमार सिंह के निर्देशन और एएसपी शहर लखन पटले के नेतृत्व में रायपुर पुलिस के समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों को स्थायी और अभियुक्त गिरफ्तारी वारंटो की तामिल के लिए निर्देश दिया गया था। इस पर पुलिस अधीक्षकों के पर्यवेक्षण में समस्त थाना प्रभारी अपने-अपने थाना क्षेत्रों में स्थायी और अभियुक्त गिरफ्तारी वारंटीयों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया।

इसके तहत 24 घंटे के दौरान अलग-अलग थानों के हत्या, हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट, मारपीट, धोखाधड़ी और विभिन्न गंभीर अपराधों के 102 स्थायी वारंट और 175 अभियुक्त गिरफ्तारी वारंट शामिल हैं। कुल 277 स्थायी और अभियुक्त गिरफ्तारी वारंटों की तामिल की गई। आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

कुल तामिल 277 स्थाई और अभियुक्त गिरफ्तारी वारंटों में कुछ वारंटियों को महाराष्ट्र, उड़ीसा एवं मध्यप्रदेश सहित सरहदी जिलों से गिरफ्तार किया गया है। इसके साथ ही 175 से अधिक गुंडा-बदमाशों की भी चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान कुछ गुंडा-बदमाशों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई भी की गई।

गृहमंत्री के जिले में बढ़ा अपराध, कांग्रेस ने किया कलेक्टोरेट का घेराव

42 दिन के भीतर छह हत्या

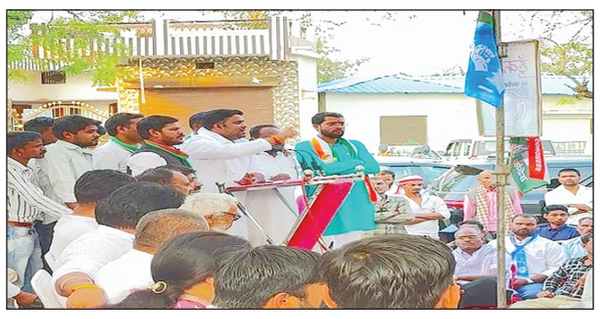

कबीरधाम। राज्य के डिप्टी सीएम और गृहमंत्री विजय शर्मा के जिले में अपराध का लगातार ग्राफ बढ़ रहा है। स्थिति ऐसी है कि बीते 42 दिन के भीतर छह हत्या के मामले सामने आ चुके हैं। इसके अलावा दर्जनों चोरी, लूट समेत अन्य अपराध दर्ज किए गए हैं। जिले में बढ़ते अपराध के ग्राफ को देखते हुए बुधवार को युवा कांग्रेस व एनएसयूआई ने कलेक्टोरेट का घेराव किया है। इससे पहले पुलिस ने कलेक्टोरेट के 200 मीटर दूर भोजली तालाब के पास बैरिकेड लगाकर रोक लिया। ये कार्यकर्ता जिले में लगातार हो रहे अपराध, हत्या, कानून की लचर व्यवस्था समेत बेरोजगारी, महंगाई के विरोध में प्रदर्शन किया।

घेराव से पहले कवर्धा शहर के भारत माता चौक में सभा का आयोजन किया गया। सभा को संबोधित करते हुए नेताओं ने कहा कि जिले में लगातार अपराध बढ़ रहे है। 15 जनवरी को पंडरिया ब्लॉक के कुकदूर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नागाडबरा में राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र में शामिल तीन बैगाओं की हत्या कर दी गई। शुरूआत ने पुलिस ने इसे दुर्घटना बताकर पीड़ित परिजन को चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि दे दिया।

इसी मामले को लेकर जब कांग्रेस ने प्रदर्शन किया तो 14 लोगों को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया। इसके बाद 21 जनवरी को कवर्धा शहर से लगे ग्राम लालपुरकला में चरवाहा साधराम यादव की हत्या कर दी गई। इसमें छह आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। कांग्रेस ने मृतक साधराम यादव के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और एक करोड़ रुपये मुआवजा देने की मांग किया है। इसी प्रकार 22 फरवरी को कवर्धा शहर के एसपी कार्यालय से मात्र 100 मीटर की दूरी पर एक घर में दो महिलाओं की हत्या का दी गई। जब घर से बदबू फैली तो 25 फरवरी पुलिस को जानकारी मिली। इस तरह जिले में अपराध का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है। सात सूत्रीय मांगों को लेकर युवा कांग्रेस और एनएसयूआई ने राज्यपाल के नाम कवर्धा एसडीएम अनुपम टोप्पो को ज्ञापन सौंपा है।

संदेशखाली मामले में ममता सरकार का बचाव करने पर कांग्रेस शर्म महसूस करे : भाजपा

■ प्रदेश प्रवक्ता व पूर्व विधायक रंजना का बैज के बयान पर तीखा हमला

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता और पूर्व विधायक रंजना साहू ने प. बंगाल के संदेशखाली में जनजाति समाज की महिलाओं के साथ हो रहे दुष्कर्म और अनाचार के संबंध में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को लिखे गए पत्र को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के बयान पर तीखा हमला बोला है। श्रीमती साहू ने कहा कि कांग्रेसियों को इस बात पर शर्म आनी चाहिए कि प. बंगाल में ममता बनर्जी के साथ गठबंधन में महज़ दो-चार सीटें पाने के लिए वहाँ पर हो रहे दुष्कर्म और अनाचार की घटनाओं के पक्ष में खड़ी होकर ममता सरकार का बचाव कर रही है।

साहू ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री साय को नसीहतें देने के बजाय कांग्रेस अध्यक्ष बैज ज़रा अपनी कांग्रेस सरकारों के शासनकाल पर नजर डाल लें, जब राजस्थान में एक नाबालिग के साथ दुराचार करके भट्ठी में झोंककर जला दिया गया था और छत्तीसगढ़ में तो महिलाओं के साथ अनाचार-अत्याचार की ऐसी-ऐसी वारदातें कांग्रेस शासनकाल में अंजाम दी गईं कि 3 साल की मासूम बच्चियों से लेकर वृद्ध महिलाएँ तक सिहर उठीं थीं। आज मणिपुर समेत भाजपा शासित राज्यों का हवाला देकर मुख्यमंत्री श्री साय को नसीहतों का पाठ पढ़ाने की राजनीतिक अशिष्टता का प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस अध्यक्ष बैज ज़रा बताएँ कि कांग्रेस शासनकाल में राजस्थान और छत्तीसगढ़ में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार के ख़िलाफ़ कांग्रेसी चुप क्यों थे?

उन्होंने कहा कि दरअसल कांग्रेस के डीएनए में चाटुकारिता समाई हुई है और कांग्रेस लगातार चाटुकारिता करने में लगी है। छत्तीसगढ़ के संवेदनशील मुख्यमंत्री ने जब जनजाति समाज के साथ प. बंगाल में हो रहे दुष्कर्म पर, महिलाओं के साथ हो रहे अत्याचार पर ममता बनर्जी को पत्र लिखा है तो कांग्रेस के पेट में दर्द हो रहा है! श्रीमती साहू ने कहा कि आज ऐसे गंभीर आपराधिक कृत्यों पर कांग्रेस का ऐसा स्टैंड लेना कांग्रेस के महिला विरोधी चरित्र को स्पष्ट करता है। निश्चित रूप से कांग्रेस को ऐसे गंभीर व शर्मनाक आपराधिक कृत्यों के मद्देनजर आम जनता, विशेषकर महिलाओं के साथ कोई मतलब नहीं है। महिलाएँ कांग्रेस के इस राजनीतिक चरित्र को अच्छी तरह समझ चुकी हैं और महिलाएँ कांग्रेस को कभी माफ़ नहीं करेंगीं, समय आने पर देश और प्रदेश की मातृ-शक्ति कांग्रेस को उसके इस दोहरे राजनीतिक चरित्र के लिए माकूल जवाब देगी।

युवाओं को नौकरी पाने का सुनहरा अवसर

रायपुर में 4 मार्च को जॉब फेयर कई विभाग में 300 पदों पर भर्ती

रायपुर। बेरोजगार युवाओं के लिए नौकरी का सुनहरा अवसर है। नौकरी की राह देख रहे युवाओं को चांस मिल सकता है। कई विभागों में 300 से अधिक पदों पर भर्ती निकली गई है। चार मार्च को 11 बजे से जॉब फेयर आयोजित की गई। इच्छुक युवाओं के लिए जॉब फेयर में शामिल होकर नौकरी पाने का सुनहरा अवसर है।

जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र रायपुर की ओर से स्थानीय शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार के अवसर दिया जा रहा है। आगामी चार मार्च को शासकीय नागार्जुन विज्ञान महाविद्यालय में सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक जॉब फेयर आयोजित किया जाएगा। इसके माध्यम से निजी क्षेत्र के नियोजक पटेल स्विच गेयर, हकशेड टेक्नोलॉजी, एल एंड टी फायनेंशियल सर्विस, एनआईआईटी, युनिवर्सिटी और इनवेन्टिय साफ्टवेयर सॉल्यूशन्स प्रायवेट लिमिटेड की ओर से भर्ती की जाएगी। स्थानीय शिक्षित युवाओं को इसके लिए 12वीं से स्नातक और आईटीआई होना चाहिए। आवेदकों की भर्ती कंप्यूटर ऑपरेटर, डिसपेच बॉय, डिलीवरी बॉय, सेल्स एवं मार्केटिंग ऑफिसर, फंट लाइन मैनेजर, रिलेशनशीप मैनेजर, टेक्निशियन आदि के 300 से अधिक पदों के लिए भर्ती निकली गई है। इसमें 10 हजार से 40 हजार रुपये तक सैलरी दी जाएगी। इस जॉब फेयर में सम्मिलित होने योग्य और इच्छुक आवेदक निर्धारित तिथि और स्थल पर अपने बॉयोडाटा आधार कार्ड और शैक्षणिक, तकनीकी योग्यता अनुभव प्रमाण-पत्रों की फोटो कॉपी के साथ उपस्थित हो सकते हैं। इस संबंध मे अधिक जानकारी के लिए आवेदक जिला रोजगार कार्यालय रायपुर में भी संपर्क कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

साधराम यादव हत्याकांड: मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने की एनआईए जांच की घोषणा

कवर्धा। कवर्धा शहर से लगे ग्राम

लालपुरकला निवासी चरवाहा साधराम यादव (50) की 21 जनवरी को 6 युवकों ने गला रेतकर हत्या कर दी थी। इस मामले में पुलिस ने आरोपियों को जेल भेज दिया है। अब इसी मामले की जांच एनआईए करेगी। इसे लेकर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने घोषणा की है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पिछले दिनों साधराम यादव की हत्या कर दी गई थी। इस घटना की जितनी भी निंदा की जाये कम है। साधराम के परिजन आज न्याय मांगने के लिए आए हैं। प्रकरण में दोषियों की गिरफ्तारी हो गई है। साधराम के परिजनों की मांग है कि घटना की उच्च स्तरीय जांच हो और कड़ी से कड़ी सजा दोषियों को मिले। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम इस घटना की जांच को एनआईए को सौपेंगे, ताकि घटना की सूक्ष्मतापूर्वक जांच हो सके। इस दौरान कवर्धा विधायक व प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा, मृतक साधराम यादव के परिजन उपस्थित थे।

रायपुर पुलिस ने 1 करोड़ 25 लाख रुपये के मोबाइल बांटे !

रायपुर। रायपुर पुलिस ने गुरुवार को चोरी किया गया या फिर खोया हुआ मोबाइल फोन उसके मालिकों को वापस किया। पुलिस ने 600 मोबाइल फोन कई राज्यों से बरामद किया है। इन मोबाइल फोन की कीमत लगभग 1 करोड़ 25 लाख रुपए बतायी जा रही है। रायपुर एसएसपी संतोष सिंह ने गुरुवार को इन मोबाइल धारकों को उनके गुमे या फिर चोरी हुए मोबाइल फोन को वापस लौटा दिया है। मोबाइल मिलने के बाद इन लोगों के चेहरे पर खुशी नजर आई। रायपुर एसपी संतोष कुमार सिंह ने कहा मोबाइल धारकों ने अपने फोन गुम और चोरी होने की सूचना रायपुर के अलग अलग थानों में दर्ज कराई थी। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और पुलिस थानों की संयुक्त टीम की ओर से गुम और चोरी हुए मोबाइल फोन की तलाश शुरू की गई थी। पुलिस ने 600 मोबाइल फोन बरामद किया है। इन फोन की कीमत 1 करोड़ 25 लाख रुपए बताई जा रही है।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने ब्लॉक स्तर पर की अध्यक्षों की नियुक्ति, आदेश जारी

रायपुर। लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने राज्य के 3 जिलों के 4 ब्लॉकों में अध्यक्षों की नियुक्ति की है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से इसके लिए आदेश कर दिया गया है। जारी आदेश के मुताबिक विजय राज सिंह चौहान को डोंगरगढ़ नगर, माडवी देवा को दोरनापाल, उग्रसेन साहू को सरिया का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

राज्यपाल से मुख्य पोस्टमास्टर जनरल ने सौजन्य मुलाकात की

रायपुर। राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन से

आज राजभवन में छत्तीसगढ़ डाक परिमंडल की मुख्य पोस्टमास्टर जनरल श्रीमती वीणा आर श्रीनिवास एवं निदेशक डाक सेवायें श्री दिनेश कुमार मिस्त्री ने सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने राज्यपाल को राम जन्म भूमि अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर डाक विभाग द्वारा जारी किये गये भगवान राम के टिकट मिनियेचर, स्पेशल कवर एवं अयोध्या की मिट्टी एवं सरयू नदी का जल भेंट किया। इसके अलावा रायपुर के चंदखुरी में कौशल्या माता के मंदिर पर जारी किये गये स्पेशल कवर एवं पिक्चर पोस्ट कार्ड भी डाक विभाग द्वारा राज्यपाल को भेंट किए गए। साथ ही डाक विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं से उन्हें अवगत कराया गया।

आईपीएल की तर्ज पर छत्तीसगढ़ में होगा सीसीपीएल

■ ऑक्शन से होगा खिलाड़ियों चयन, मैच की होगी लाइव ब्रॉडकास्टिंग

रायपुर। छत्तीसगढ़ के क्रिकेट प्रेमियों के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ राज्य में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की तर्ज पर छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग (सीसीपीएल) का आयोजन करने जा रहा है। इस टूर्नामेंट में 6 टीमें शामिल होंगी, जिनके खिलाड़ियों का चयन ऑक्शन के जरिए किया जाएगा। इस टूर्नामेंट की सबसे ख़ास बात यह होगी की इस प्रीमियर लीग में सिर्फ छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को खेलने का मौका मिलेगा। लीग की विजेता टीम को 31 लाख और उपविजेता को 21 लाख रुपये की पुरस्कार राशि भी मिलेगी।

बता दें कि छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ ने प्रेस कांफ्रेंस कर इसकी जानकारी साझा की है। सीएससीएस के मेंबर विजय शाह के मुताबिक इस प्रीमियर लीग में कुल 18 मैच होंगे। सीसीपीएल की हर टीम में 15 खिलाड़ी होंगे। इसमें खिलाड़ियों को ए से लेकर डी कैटेगिरी में बांटा जाएगा। यह पहले से ही निर्धारित किया जाएगा की किस कैटेगरी के कितने खिलाड़ियों को रखा जाएगा। जो प्लेयर स्टेट लेवल तक नहीं पहुंच सकें उन्हें भी इस टूर्नामेंट में जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। विजय शाह ने बताया कि इस लीग के आयोजन के लिए क्रिकेट संघ ने आईटी डब्लू के साथ हाथ मिलाया है।

आईटी डब्लू के डायरेक्टर वीरेंद्र चंद्रा ने कहा कि आईपीएल की तर्ज पर हम इस लीग की शुरुआत की जा रही है। यह पहला मौका है जब छत्तीसगढ़ में इस तरह की लीग की शुरुआत की जा रही है। इंटरनेशनल लेवल पर क्रिकेट मैचों की जिस तरह से टीवी पर लाइव ब्रॉडकास्टिंग की जाती है ठीक उसी तरह से सीसीपीएल की भी लाइव ब्रॉडकास्टिंग की जाएग। विदेश में भी हम इसकी ब्रॉडकास्टिंग के लिए प्रयास कर रहे है।

14 जून से हो सकती है टूर्नामेंट की शुरुआत

माना जा रहा है कि जून या जूलाई में छत्तीसगढ़ प्रिमियर लीग का आयोजन हो सकता है। खिलाड़ियों का चयन ऑक्शन के जरिए किया जाएगा। बीसीसीआई के नॉर्म्स के अनुसार आईपीएल के खत्म होने के 15 दिन बाद यह आयोजन होगा। क्रिकेट संघ प्रदेश में 14 जून से सीसीपीएल शुरू करने तैयारी कर रहा है।

पढ़ाने-लिखाने के अलावा दूसरे काम कर रहे शिक्षकों को तत्काल स्कूल पहुंचने के निर्देश

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्कूल शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने शिक्षा की बेहतरीन के लिए धीरे-धीरे एक्शन लेना शुरू कर दिया है इसी कड़ी में पढ़ाने-लिखाने के अलावा दूसरे काम कर रहे शिक्षकों को उनकी मूल ड्यूटी पर वापस भेजा जाएगा। स्कूल शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल के निर्देश पर स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर से इस संबंध में आदेश जारी किए गए। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा संचालक लोक शिक्षण, सभी संभागायुक्त, जिला कलेक्टर और जिला शिक्षा अधिकारियों से कहा गया है कि गैर शिक्षकीय काम कर रहे सभी शिक्षक संवर्ग के कर्मचारियों का अटैचमेंट तत्काल समाप्त कर, उन्हें उनके मूल पदस्थापना शाला में अध्यापन कार्य के लिए भेजा जाए। अटैचमेंट समाप्त किए जाने संबंधी प्रमाण पत्र सात दिन के अंदर संचालक लोक शिक्षण को भेजना होगा। इस निर्देश का कड़ाई से पालन कराए जाने का भी निर्देश दिया गया है। निर्देश में यह भी उल्लेख किया गया है कि राज्य शासन को यह शिकायत प्राप्त होती है कि स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षक संवर्ग के कर्मचारी गैर शिक्षकीय के लिए विभिन्न कार्यालयों एवं संस्थाओं में अटैच हैं। इससे शिक्षण कार्य प्रभावित होता है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, गरियाबंद, छत्तीसगढ़
निविदा निरस्तीकरण सूचना
इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित निविदा सूचना क्रमांक 14/व.ले.लि./का.अ./लो.स्वा.यां./2024 गरियाबंद, दिनांक 15.02.2024 (जी क्रमांक 07872/दि. 18.02.2024 एवं जी क्र. 07997/1/दि. 24.02.2024) के द्वारा निविदा आमंत्रित की गई थी, जिसे अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता है।
कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
गरियाबंद (छ.ग.)
जी-08161/4

इसरो की उपलब्धियों को किया चीन के नाम!

नवीन कुमार पाण्डेय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उनकी सरकार और उनकी पार्टी बीजेपी के विरोधी अक्सर कहते हैं- मोदी विरोध, देश विरोध नहीं है। लेकिन ऐसे सबूतों की ढेर लग गई है कि दरअसल मोदी विरोधी, बहुत हद तक देश विरोधी भी हो गए हैं। हैरानी की बात यह है कि लगातार आपत्तियों के बावजूद मोदी विरोध की आड़ में देश विरोध का एजेंडा आगे बढ़ रहा है। इसमें ज्यादातर विपक्षी दल शामिल हैं। सोचिए, मोदी विरोध का स्तर इतना गिर गया है कि भारत की उपलब्धि का श्रेय चीन को दिया जाने लगा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कुलेशखरपट्टीनम में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो) के नए लॉन्च कॉम्प्लेक्स की नींव रखी। यह देश के लिए कितने गौरव की बात है, लेकिन तमिलनाडु की मंत्री ने इस उपलब्धि का श्रेय चीन को दे दिया। तमिलनाडु में उसी पार्टी की सरकार है जिसने द्रविड़ियन पॉलिटिक्स के नाम पर समाज में खूब जहर घोला और एक खास तबके के प्रति नफरत की मोटी दीवार खड़ी कर दी। एमके स्टालिन सरकार के मुखिया हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तिरुनेलवेली की रैली में डीएमके की मंत्री की इस हरकत पर जबर्दस्त आक्रोश जाहिर किया। उन्होंने कहा तमिलनाडु सरकार पर दो आरोप मढ़े। पीएम ने कहा कि एक तो स्टालिन सरकार खुद कोई खास काम नहीं करती और दूसरे के किए काम का श्रये लेने में जुट जाती है। पीएम ने दूसरा आरोप मढ़ा कि डीएमके सरकार केंद्र सरकार की योजनाओं पर अपना स्टीकर चिपकाते-चिपकाते अब इसरो की उपलब्धियां दिखाने के लिए चीन का स्टिकर लगा दिया। पीएम बोले, 'डीएमके सरकार भारत की तरक्की बर्दाश्त नहीं कर पा रही है। वह इसरो लॉन्च पैड का क्रेडिट लेने के लिए अखबार के एड में भी चीन का स्टिकर चिपका रहे हैं।' प्रधानमंत्री ने साफ कहा कि डीएमके को अंतरिक्ष अभियानों में भारत की कामयाबी पच नहीं पा रही है। डीएमके सरकार की पशुपालन मंत्री ने अपने विज्ञापन में चीन का झंडा लगाया तो बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष अन्नामलाई ने भी जबर्दस्त रोष प्रकट किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर चीन के झंडे वाले उस विज्ञापन की तस्वीर दिखाकर कहा कि इसी रवैये ने इसरो को तमिलनाडु से दूर कर दिया। उन्होंने लिखा, 'द्रमुक मंत्री तिरु अनिता राधाकृष्णन ने आज प्रमुख तमिल दैनिकों को यह विज्ञापन दिया जिसमें चीन के प्रति द्रमुक की प्रतिबद्धता और हमारे देश की संप्रभुता के प्रति उनकी पूर्ण उपेक्षा साफ झलकती है। भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वाली पार्टी डीएमके, कुलशेखरपट्टिनम में इसरो के दूसरे लॉन्च पैड की घोषणा के बाद से स्टिकर चिपकाने के लिए बेताब है।' अन्नामलाई ने आगे बताया कि कैसे डीएमके ने अतीत में भी कई गलत काम किए। उन्होंने लिखा, 'इतनी भारी हताशा से साबित होता है कि वो अपने अतीत के कुकर्मों को दफनाने की किस शिद्दत से कोशिश कर रहे हैं। लेकिन हमें उन्हें याद दिलाना चाहिए कि डीएमके ही थी जिसके कारण सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र आज आंध्र प्रदेश में है, न कि तमिलनाडु में। जब इसरो के पहले लॉन्च पैड की परिकल्पना की गई थी तो तमिलनाडु इसरो की पहली पसंद थी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री तिरु अन्नादुरई, जो कंधे में गंभीर दर्द के कारण बैठक में शामिल नहीं हो सके, ने बैठक के लिए अपने एक मंत्री मथियाझागन को नियुक्त किया।' उन्होंने आगे बताया, 'इसरो के अधिकारियों को काफी देर तक इंतजार कराया गया और आखिरकार मथियाझागन को 'नशे की हालत' में बैठक में लाया गया और पूरी बैठक के दौरान वह नशे में रहे। हमारे देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम के साथ 60 साल पहले यही हुआ था। द्रमुक में ज्यादा बदलाव नहीं आया है और उसकी हालत और खराब हो गई है!' विरोध हुआ तो डीएमके की तरफ से बताया जाने लगा कि यह एक मानवीय चूक है। संभव है, यह चूक ही हो, लेकिन इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि जान-बूझकर किया गया हो। आखिरकार चुनावों में अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए राजनीतिक दल हिंसा तक करवाने से नहीं हिचकते, फिर यह तो एक तस्वीर की बात है।

मोदी से प्रभावित कांग्रेस के जमीनी नेता

अजय सेतिया

श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर में रामलला की मूर्ति में प्राण प्रतिष्ठा का विरोध और समारोह का बॉयकॉट करने के झटके कांग्रेस को अभी भी लग रहे हैं। कांग्रेस अगर 2014 का चुनाव हारने के बाद ए.के. एंटनी कमेटी की रिपोर्ट का अध्ययन करके खुद को सुधार लेती, तो प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का बॉयकॉट नहीं करती। भले ही सोनिया गांधी खुद न जाती, मल्लिकार्जुन खरगे और अधीर रंजन चौधरी को भेज देती।

अब कांग्रेस भले ही यूपीए भंग कर के इंडी एलायंस बना ले, या राहुल गांधी की जितनी चाहे भारत जोड़ो यात्राएं करवा ले, देश का हिन्दू जनमानस उसके साथ नहीं जुड़ने वाला। मिलिंद देवड़ा या अशोक चव्हाण के कांग्रेस छोड़ने के राजनीतिक कारण तो होंगे ही, लेकिन उनके दिमाग में एक बात तो बैठी ही होगी कि राहुल गांधी ने 2014 से शुरू हुई हार से सबक नहीं सीखा है, इसलिए हार का सिलसिला 2024 में भी जारी रहना है। पिछले दस साल में देश की 80 प्रतिशत हिन्दू जनता का मोदी के प्रति विश्वास और गहरा हुआ है। उसके चार बड़े कारण हैं, जिसका इम्पेक्ट इन चुनावों में दिखेगा। कश्मीर से 370 का हटाया जाना, राम जन्मभूमि मन्दिर का बनना और नागरिकता संशोधन क़ानून। उपरोक्त तीनों ही मुद्दे हिन्दुओं से जुड़े हैं। नागरिकता संशोधन क़ानून का भारत के नागरिकों से वैसे तो कोई सीधा संबंध नहीं है। लेकिन आसपास के मुस्लिम देशों में हिन्दुओं का जो उत्पीड़न हो रहा है, उस क़ानून का ताल्लुक उनसे है। ये तीनों ही मुद्दे मोदी के पक्ष में साईलेंट क्रांति करने वाले हैं। कोई आश्चर्य नहीं होगा कि भाजपा अपने बूते पर 350 क्रास कर ले। चौथा मुद्दा भी हिन्दुओं की आस्था का है, और वह सबसे ज्यादा आहत करने वाला मामला है।

नागरिकता संशोधन क़ानून के खिलाफ चले आन्दोलन का सभी विपक्षी पार्टियों ने समर्थन किया था। राजनीतिक समर्थन अपनी जगह है। भले ही उसका कोई उचित आधार न हो, लेकिन इस आन्दोलन में जब ला इलाहा इलल्लाह के नारे लगे, तो शशि थरूर को छोड़ कर किसी विपक्षी नेता ने उस का विरोध नहीं किया। न राहुल गांधी ने, जो खुद को भगवान शिव का उपासक कहते हैं, न अरविन्द केजरीवाल ने, जो खुद को हनुमान का उपासक कहते हैं। इनके अलावा भी किसी नेता ने विरोध नही किया। इस नारे का मतलब है अल्लाह के सिवा कोई दूसरा भगवान नहीं है। इस नारे का स्पष्ट उद्देश्य हिन्दुओं की भावनाएं आहत करना ही होता है। भारत में 80 प्रतिशत आबादी हिन्दू है। राजनीतिक विरोध में इस तरह के नारे लगा कर हिन्दुओं का मजाक उड़ाया गया, और मूर्तिपूजक राहुल गांधी, अरविन्द केजरीवाल की तरह सब विपक्षी हिन्दू तालिया बजा रहे थे। इस चुनाव में उसी का रिएक्शन देखने को मिलेगा। मोदी विरोधी कह रहे हैं कि 2019 में भाजपा को 37 प्रतिशत वोट मिला था, जबकि विपक्ष को 60 प्रतिशत वोट मिला था, इसलिए वे एकजुट हो कर भाजपा को हरा देंगे। फिर राहुल गांधी का मुकाबला किससे होगा? अभी तो वह ऐसी कोई सीट नहीं ढूंढ पाए हैं, जहां वह भाजपा के उम्मीदवार को आमने सामने की टक्कर में हराएं।

सीपीआई, सीपीएम और ममता बनर्जी ने उन्हें खुली चुनौती दी है कि वह अमेठी और वायनाड को भूल कर वाराणसी में मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ें। जबकि राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा सुरक्षित सीटें ढूंढ रहे हैं। इन दोनों ने अभी तक एलान नहीं किया है कि वे अपनी पैतृक रायबरेली और अमेठी सीटों से ही चुनाव लड़ेंगे। संकट के समय कर्नाटक इंदिरा गांधी के परिवार को सहारा देता रहा है। इंदिरा गांधी चिकमंगलूर और सोनिया गांधी बेल्लारी से चुनाव जीत चुकी हैं। लेकिन भाई बहन की कर्नाटक से चुनाव लड़ने की हिम्मत भी नहीं दिख रही। क्योंकि राज्य में कांग्रेस की सरकार होने के बावजूद वहां भाजपा का पलड़ा भारी है। इंडी एलायंस बनने के बाद बिहार में सत्ता परिवर्तन हो चुका है। उससे पहले पिछले तीन साल में विपक्ष महाराष्ट्र, पुदुचेरी, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान सरकारों को भी गंवा चुका है। फिर विपक्ष किस बूते पर मोदी को हराने का ख्वाब देख रहा है। अब तो उसके सामने हिमाचल की सरकार को बचाने की चुनौती भी खड़ी हो गई है।

हाल तो यह है कि सोनिया गांधी बीमारी के बहाने यूपीए भंग करके चुनाव मैदान से ही भाग गई। वह अपनी पार्टी की सरकार होने के बावजूद हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा का चुनाव लड़ने की हिम्मत भी नहीं जुटा पाई, क्योंकि उन्हें पता था कि वीरभद्र सिंह का परिवार बागी हो चुका है। उन्हें पुराने वफादार अशोक गहलोत पर ही भरोसा करना पड़ा, और राजस्थान से वह राज्यसभा सांसद बन गईं। हिमाचल के चुनाव में कांग्रेस ने वीरभद्र के चेहरे का खूब इस्तेमाल किया था, लेकिन चुनाव के बाद वीरभद्र सिंह की पत्नी प्रतिभा सिंह को दरकिनार कर वीरभद्र सिंह के विरोधी रहे सुखविंदर सिंह सुख्खू को मुख्यमंत्री बना दिया। यह सोनिया परिवार का घमंड था कि उन्होंने वीरभद्र सिंह के परिवार की विरासत और राजनीतिक उत्तराधिकार को दरकिनार कर दिया था। वीरभद्र सिंह के बेटे विक्रमादित्य सिंह को उप मुख्यमंत्री भी बना दिया होता, तो स्पष्ट बहुमत होने के बावजूद कांग्रेस के उम्मीदवार अभिषेक मनु सिंघवी की राज्यसभा चुनाव में हार नहीं होती।

राममय हो गए वीरभद्र सिंह की पत्नी प्रतिभा सिंह और बेटे विक्रमादित्य सिंह ने वहां राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस का राम नाम सत्य कर दिया। विक्रमादित्य सिंह ने डेढ़ महीना पहले ही सोनिया परिवार को तेवर दिखाने शुरू कर दिए थे, जब उन्होंने श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर के उद्घाटन का न्योता स्वीकार करते हुए आरएसएस और विश्व हिन्दू परिषद का न्योते के लिए आभार जताया था। एक तरह सोनिया गांधी ने न्योता ठुकरा दिया था, तो दूसरी तरफ विक्रमादित्य सिंह न्योते के लिए आरएसएस और विहिप का आभार जता रहे थे। सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका वाड्रा और मल्लिकार्जुन खरगे में राजनीतिक समझ होती, तो विक्रमादित्य की नाराजगी दूर करने की कोशिश शुरू होती। अब विक्रमादित्य सिंह ने राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार को हरा कर खुद भी मंत्रीमंडल से इस्तीफा दे दिया है।

हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार की हालत यह हो गई कि विपक्ष के विधायकों को मार्शलों की मदद से बाहर निकलवा कर बजट पास करवाया गया। विपक्ष का कहना है कि कांग्रेस सरकार अल्पमत में आ चुकी है। बिलकुल वैसी ही परिस्थिति पैदा हो गई है जैसे 2016 में उत्तराखंड में विपक्ष की मत विभाजन की मांग ठुकरा कर स्पीकर ने ध्वनिमत से बजट पास करवा दिया था। भाजपा ने राज्यपाल को ज्ञापन भी दिया है। अब कांग्रेस स्पीकर के माध्यम से अपने उन छह विधायकों की सदस्यता खत्म करवा कर सरकार बचाने के लिए हाथ पाँव मार रही है। सवाल यह है कि उत्तरप्रदेश हो या हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र हो या झारखंड विपक्ष के बड़े बड़े नेता अपनी पार्टियां छोड़कर भाजपा में जा रहे हैं। जो जमीन पर हैं, वे जमीनी हकीकत जानते हैं। इसलिए वे आए दिन थोक के भाव दलबदल कर भाजपा के साथ जा रहे हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

महोपनिषद् (भाग-19)

गतांक से आगे...

हे मुने! जो नारी सुमेरु पर्वत की चोटियों से उल्लसित होने वाली भगवती माँ गंगा की चञ्चल गति की भाँति है; जो मुक्ताहार से पूर्णरूपेण सुशोभित देखी गई है; कालचक्र के समीप आने पर उसी नारी के मांस पिण्डरूप स्तन को श्मशान में कुत्ते भक्षण करते हैं। जो नारियाँ केश एवं काजल धारण करने वाली तथा देखने में प्रिय लगने वाली होने पर भी न जिनका स्पर्श दु:ख देने वाला होता है, वे ही विधाता की दुष्कृति रूप अग्नि की ज्वाला के समान दग्ध कर देने वाली नारियाँ पुरुष को तिनके की भाँति जला डालती हैं।

ये दूरस्थ प्रज्वलित नरकाग्नियों की तरह अशोभनीय एवं दु:खदायी ईंधनस्वरूपा हैं। ये रसयुक्त प्रतीत होने पर भी वस्तुत: रसहीन हैं। काम नामक किरात ने पुरुष रूपी मृगों को आबद्ध कर लेने के लिए स्त्री रूपी पाश को विस्तृत कर रखा है। ये पुरुष जीवनरूपी तलैया के मत्स्य हैं, जो चित्तरूपी कीचड़ में सतत विचरते रहते हैं। इन मत्स्यरूपी पुरुषों को अपने बाहुपाश में फँसाने के लिए नारी दुर्वासना रूपी रस्सी में बँधी पिण्डिका अर्थात् चारे की भाँति है। यह नारी समस्त दोषरूपी रत्नों को प्रकट करने वाले सागर की भाँति है।

यह दु:खों की जंजीर सदैव हमसे दूर रहे। जिस पुरुष के पास नारी है, उसे भोग की इच्छा प्रादुर्भूत होती है और जिसके पास नारी नहीं है, उसके लिए भोग का कोई कारण ही नहीं है। जिसने स्त्री का परित्याग कर दिया, उसका संसार छूट गया और वास्तव में इस नश्वर जगत् का परित्याग करके ही मनुष्य सुख को प्राप्त कर सकता है, वही सचमुच सुखी हो सकता है। (यह जगत् नश्वर है, जब यह अव्यक्त स्थिति में चला जाता है, तब) दिशाएँ भी अदृश्य हो जाती हैं।

क्रमश: ...

विश्व नागरिक सुरक्षा दिवस

प्रशांत झा

हर साल 1 मार्च को विश्व नागरिक सुरक्षा दिवस मनाया जाता है। विश्व नागरिक सुरक्षा दिवस मनाने की शुरुआत अंतर्राष्ट्रीय नागरिक सुरक्षा संगठन ने की। पहली बार विश्व नागरिक सुरक्षा दिवस 1990 में मनाया गया। विश्व नागरिक सुरक्षा दिवस का मकसद नागरिक सुरक्षा के महत्व पर फोकस करना और किसी भी आपात स्थिति में आबादी को आत्मरक्षा के लिए तैयार करना है। यह दिन राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व के लिए बेहद खास है। इस दिन लोगों को दुर्घटनाओं और आपदाओं जैसी आपातकालीन स्थितियों को बचने के उपायों के बारे में जागरूक किया जाता है। साथ ही प्राकृतिक और मानव निर्मित आपात स्थिति से निपटने के लिए लोगों को सुरक्षा उपायों और सुरक्षा

कौशल की जानकारी दी जाती है। इसके अलावा सेल्फ डिफेंस के बारे में भी जागरूक किया जाता है।

यह दिवस नागरिक सुरक्षा के लिए आगे की योजना और रणनीति बनाने के दिन के तौर पर मनाया जाता है। नागरिक सुरक्षा और सेल्फ डिफेंस के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए इस दिन का खास महत्व है। इस दिन हर व्यक्ति अपने जीवन में नागरिक और सेल्फ डिफेंस को लेकर संकल्प लेता है और उसे पूरा करने की कोशिश करता है। पूरी दुनिया के लिए यह दिन महत्वपूर्ण है।

इंटरनेशनल सिविल डिफेंस आर्गेनाइजेशन एक गैर लाभकारी और अंतर सरकारी संगठन है। जो प्राकृतिक या मानव निर्मित आपदाओं से जीवन, संपत्ति और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए काम करता है। इंटरनेशनल सिविल डिफेंस आर्गेनाइजेशन का संविधान 17 अक्टूबर 1966 को अपनाया गया और 1 मार्च 1972 को इसे लागू किया गया था। अंतर्राष्ट्रीय नागरिक सुरक्षा संगठन की ओर से 1990 में इसे अस्तित्व में लाया गया। तब से 1 मार्च को विश्व नागरिक सुरक्षा दिवस मनाने की परंपरा चल रही। इंटरनेशनल सिविल डिफेंस आर्गेनाइजेशन हर साल इससे जुड़ी गतिविधियों का संचालन करता है। आज 50 से ज्यादा देश इस संगठन का हिस्सा है।

इससे पहले 1931 में फ्रांसीसी सर्जन-जनरल जॉर्ज सेंट-पॉल ने पेरिस में जेनेवा जोन एसोसिएशन की स्थापना की थी। एसोसिएशन का मकसद बढ़ती जनसंख्या पर प्राकृतिक और अप्रकृतिक हमलों से बचने के लिए एक नागरिक सुरक्षा नियम मुहैया कराना था। किसी भी युद्ध या लड़ाई के समय आबादी की सुरक्षा एक बड़ी चुनौती होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए नागरिक सुरक्षा दिवस मनाने का फैसला किया गया। यह दिन दुर्घटनाओं या आपदाओं की स्थिति में आत्म-सुरक्षा और निवारक उपायों की आवश्यकता के बारे में जागरूकता पैदा करता है। इसलिए इस दिन प्रत्येक नागरिक संकल्प लेता हैं कि वो लोगों के बीच दुर्घटनाओं और आपदाओं की स्थिति के प्रति जागरूकता और रोकथाम के लिए उनका ध्यान आकर्षित करेगा। इसी वजह से ये दिन प्रत्येक देशवासियों के लिए खास है।

युवा देश को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं

प्रो. संजय द्विवेदी

सनातन संस्कृति का यह स्वर्णिम दौर चल रहा है और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सनातन संस्कृति के महत्त्वपूर्ण विचारों वसुधैव कुटुम्बकम अर्थात् पूरा विश्व एक परिवार है तथा सर्वे भवन्तु सुखिन: सर्वे सन्तु निरामया: सभी प्रसन्न एवं सुखी रहे, के इन्हीं मूलमंत्रों के साथ सनातन संस्कृति के संवाहक के रूप में हम सभी के मार्गदर्शक बन रहे हैं और समस्त विश्व को सनातन के विचारों से अवगत करवा रहे हैं। एक आधुनिक राष्ट्र के रूप में हमारा इतिहास करीब साढ़े सात दशक पुराना है, लेकिन हमारी सभ्यता 5,000 वर्ष से भी अधिक प्राचीन है। कहने की आवश्यकता नहीं कि भारत के खाते में अनगिनत उपलब्धियां हैं। उनके स्मरण के लिए इससे बेहतर और क्या अवसर हो सकता है कि जब हम अपनी आजादी के अमृतकाल में हैं, तो केवल इस दिशा में ठोस और एकजुट प्रयास किए जाने की आवश्यकता है।

भारत अध्यात्म, ज्ञान, कर्म, सेवा, साधना और करुणा का देश रहा है। भारत, राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य के लिए युवाओं की भूमिका का महत्व पहचानने वालों का देश रहा है। ऋषियों, शिक्षकों, कवियों, गुरुओं और वरिष्ठ-जनों ने युवा-शक्ति का यथेष्ट मार्गदर्शन करके उन्हें समाज, देश और दुनिया के कल्याण की ओर सदैव प्रेरित किया है। राष्ट्र-निर्माण के कार्य में युवाओं को प्रेरित करने मेंज्समाज की, मनीषियों और चिंतकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ये मनीषी और चिंतक युवा शक्ति के लिए सदैव प्रेरक होते हैं। उनके 'रोल मॉडल' होते हैं। सामान्य तौर पर, ये रोल मॉडल समय-समय पर, देश-काल और परिस्थिति के अनुसार, बदलते रहते हैं। लेकिन कुछ रोल मॉडल कभी नहीं बदलते। ऐसे ही एक कालजयी रोल मॉडल हैं- स्वामी विवेकाननंद। स्वामी विवेकानंद के विचार दुनियाभर के युवाओं को प्रेरित करते रहे हैं। उन्हें युवाओं की ऊर्जा पर बहुत भरोसा था। वे कहते थे कि ङ्क 'युवा वो होता है जो बिना अतीत की चिंता किए अपने भविष्य के

लक्ष्यों की दिशा में काम करता है'। स्वामी विवेकानंद भारत के युवा को अपने गौरवशाली अतीत और वैभवशाली भविष्य की एक मजबूत कड़ी के रूप में देखते थे। आप सभी को आज बस अपने अतीत को जानना है। क्योंकि अतीत को जानकर, उसे समझकर, आपको भविष्य के लक्ष्य तय करने हैं। अपने लिए, समाज के लिए, देश के लिए जो कुछ भी उत्तम और कल्याणकारी है, उसे प्राप्त करने के लिए काम करना है।

आज का भारत, युवा शक्ति से भरपूर है। देश की 65 प्रतिशत जनसंख्या यानी लगभग 85 करोड़ युवा अपनी रचनात्मक शक्ति के बल पर हमारे देश को प्रगति की, मानव सभ्यता की नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं। उदाहरण के तौर पर देखें तो आज से लगभग 9 वर्ष पहले शुरू किए गए 'स्वच्छ भारत अभियान' की सफलता में युवाओं का अभूतपूर्व योगदान रहा है। स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने में, लोगों को प्रेरित करने में युवाओं ने प्रभावशाली योगदान दिया है। हमारे युवाओं में असीम प्रतिभा और ऊर्जा है। इस प्रतिभा और ऊर्जा का समुचित विकास और उपयोग किए जाने की जरूरत है। इस दिशा में प्रयास तेजी से किए जा रहे हैं और इन प्रयासों के परिणाम भी सामने आने लगे हैं। ज्ञान-विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी से लेकर, खेल के मैदान तक भारत के बेटे-बेटियां विश्व समुदाय पर अपनी छाप छोड़ रहे हैं। देश के कोने-कोने से नई-नई खेल प्रतिभाएं सामने आ रही हैं। खेल-कूद से हमारे अंदर टीम भावना का संचार होता है। सामाजिक सौहार्द और राष्ट्रीय एकता के लिए टीम भावना जगाने वाले ऐसे प्रयासों को बढ़ाने की जरूरत है।

आज इनोवेशन, इकूबेशन और स्टार्ट-अप की नई धारा का नेतृत्व भारत में कौन कर रहा है? आज अगर भारत दुनिया के स्टार्ट-अप इको सिस्टम में टॉप तीन देशों में आ गया है, तो इसके पीछे किसका परिश्रम है? आज भारत दुनिया में यूनिकॉर्न पैदा करने वाला, एक बिलियन डॉलर से ज्यादा की नई कंपनी बनाने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश बना है, तो इसके पीछे किसकी ताकत है? इन सब सवालों का एक ही जवाब है, युवा। युवाओं की मेहनत और समर्पण के दम पर ही भारत आज नेतृत्वकारी भूमिका निभा रहा है।

आज से 10 साल पहले हमारे देश में औसतन चार हजार पेटेंट प्रतिवर्ष होते थे। अब इसकी संख्या बढ़कर सालाना 15 हजार पेटेंट से ज्यादा हो गई है, यानि करीब-करीब चार गुना। ये किसकी मेहनत से हो रहा है। कौन है इसके पीछे? मैं फिर से दोहराता हूं। इसके पीछे युवा ही हैं, नौजवान साथी हैं, युवाओं की ताकत है। 26 हजार नए स्टार्टअप का खुलना दुनिया के किसी भी देश का सपना हो सकता है। ये सपना आज भारत में सच हुआ है। तो इसके पीछे भारत के नौजवानों की ही शक्ति है, उन्हीं के सपने हैं। भारत के नौजवानों ने अपने सपनों को देश की जरूरतों से जोड़ा है, देश की आशाओं और आकांक्षाओं से जोड़ा है। देश के निर्माण का काम मेरा है, मेरे लिए है और मुझे ही करना है। इस भावना से भारत का नौजवान आज भरा हुआ है। आज देश का युवा नए-नए ऐप्स बना रहा है, ताकि खुद की जिंदगी भी आसान हो जाए और देशवासियों की भी मदद हो जाए। आज देश का युवा हेकाथॉन के माध्यम से, तकनीक के माध्यम से, देश की हजारों समस्याओं का समाधान खोज रहा है। आज देश का युवा ये नहीं देख रहा कि ये योजना शुरू किसने की, वो आज खुद नेतृत्व करने के लिए आगे आ रहा है। आज देश के युवाओं के सामर्थ्य से नए भारत का निर्माण हो रहा है। एक ऐसा नया भारत, जिसमें Ease of Doing Business भी हो और Ease of Living भी हो। एक ऐसा नया भारत, जिसमें लाल बत्ती कल्चर नहीं है, जिसमें हर इंसान बराबर है, हर इंसान महत्वपूर्ण है। एक ऐसा नया भारत, जिसमें अवसर भी हैं और उड़ने के लिए पूरा आसमान भी।

विश्व स्तर पर श्रेष्ठ प्रदर्शन करके भारत के युवा आज आर्थिक विकास और राष्ट्रीय अर्थव्यस्था के लिए मेरूदंड सिद्ध हो रहे है। ऐसा नहीं है की भारत ने अपनी वैश्विक शक्ति किसी से उधार में ली है। अतीत में भी भारत विश्व गुरु की उपाधि से विभूषित रहा है। भारतीय युवा शक्ति का लोहा अमेरिकी के भूतपूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा भी मानते थे, तभी उन्होंने समय समय पर भोग में लिप्त अमेरिका के युवाओं को भारत से सीख लेने का परामर्श दिया था। भारत इस समय बहुत ही सुनहरे दौर से गुजर रहा है। हमारे देश में इस समय युवाओं की संख्या ज्यादा है। जिस देश में युवाओं की आबादी जितनी ज्यादा हो, वह उतनी ही तेजी से तरक्की करता है। इतिहास इसका गवाह है। ऐसे में यह सभी की जिम्मेदारी होनी चाहिए कि युवाओं की ऊर्जा नष्ट न होने पाए। उन्हें सभी क्षेत्रों में ज्यादा से ज्यादा अवसर मुहैया कराए जाने चाहिए।

हमारे ऋषियों ने उपनिषदों में 'तमसो मा ज्योतिर्गमय, मृत्योर्मामृतं गमय' की प्रार्थना की है। यानी, हम अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ें। परेशानियों से अमृत की ओर बढ़ें। अमृत और अमरत्व का रास्ता बिना ज्ञान के प्रकाशित नहीं होता। इसलिए, अमृतकाल का ये समय हमारे ज्ञान, शोध और इनोवेशन का समय है। हमें एक ऐसा भारत बनाना है, जिसकी जड़ें प्राचीन परंपराओं और विरासत से जुड़ी होंगी और जिसका विस्तार आधुनिकता के आकाश में अनंत तक होगा। हमें अपनी संस्कृति, अपनी सभ्यता, अपने संस्कारों को जीवंत रखना है। अपनी आध्यात्मिकता को, अपनी विविधता को संरक्षित और संवर्धित करना है। और साथ ही, टेक्नोलॉजी, इंफ्रास्ट्रक्चर, एजुकेशन, हेल्थ की व्यवस्थाओं को निरंतर आधुनिक भी बनाना है।

आज का इतिहास

1957 यू नु परमाणु बर्मा के प्रधानमंत्री बने।
1962 अमेरिकन एयरलाइंस फ़्लाइट 1 न्यूयॉर्क इंटरनेशनल (आइडलविल्ड) हवाई अड्डे से टेकऑफ़ करने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सवार सभी 95 लोग मारे गए।
1967 रानी एलिजाबेथ हॉल लंदन में खोला गया।
1979 फिलिप्स ने सार्वजनिक रूप से नीदरलैंड के आइंडहोवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ऑप्टिकल डिजिटलाडियो डिस्क के एक प्रोटोटाइप का प्रदर्शन किया।
1980 हिल्बर्ट वैन डेर ड्यूम विश्व चैंपियन बन गया है और चौतरफा स्केटर बन गया है।
1981 LPGA ओलंपिया गोल्ड गोल्फ क्लासिक सैली लिटिल ने जीता।
1982 वेनेरा 14, वीनस पर रूसी अंतरिक्ष यान भूमि। इसने डेटा वापस भेज दिया है।
1983 ओलंपिक और कॉमनवेल्थ खेलों में पदक जीत कर देश को गौरवान्वित करने वाली मैरी कॉम का जन्म हुआ था।
1990 मिस्र के काहिरा शहर के शेरेटन होटल में एक आग में 16 लोग मारे गए।
1995 उरुग्वे के नए राष्ट्रपति, जूलियो मारिया सांगुनेत्ती ने शपथ ली है।
1995 यूक्रेन के प्रमुख विटाली मासोल, यूक्रेन के प्रमुख ने इस्तीफा दे दिया है।
1995 पहला याहू! खोज इंटरफ़ेस की स्थापना की गयी।
1997 कॉन्सर्ट में मैंडी पेटिंकिन, न्यूयॉर्क शहर के लिसेयुम थिएटर में खोला गया है।
2000 मोहम्मद अहमद अल गयूम के स्थान पर मुबारक अल शामेख लीबिया के नये प्रधानमंत्री नियुक्त।
2004 मोहम्मद बहर अल-उलूम इराक के राष्ट्रपति बने।
2004 रूस के राष्ट्रपति ने मिखाइल फ्रैदकोव को प्रधानमंत्री नियुक्त किया। हैती के राष्ट्रपति ज्यों बर्तरा एसिस्तदे देश छोड़कर दक्षिण अफ्रीका भागे।
2007 अमूल्य नाथ शर्मा नेपाल के प्रथम बिशप बने।
2008 निजी क्षेत्र में देश की सबसे बड़ी वाणिज्य बैंक आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड ने न्यूयार्क में अपनी शाखा खोली।
2012 10.7 प्रतिशत, उच्चतम बेरोजगारी का स्तर यूरो ज़ोन द्वारा अनुभव किया गया है जो इसके इतिहास में कभी नहीं हुआ है।
2013 मलेशिया सरकार और विद्रोहियों के बीच संघर्ष में 14 लोग मारे गए।

अराजकता और अपराध के सहारे कब तक सत्ता पर कब्जा रख पाएंगी ममता?

अजय सेतिया

पिछले दो दशक से संदेशखाली में जो कुछ हो रहा था, वह आश्चर्यचकित कर देने वाला है। पश्चिम बंगाल में पहले सरकार भले ही कम्युनिस्टों की थी या बाद में तृणमूल कांग्रेस की, संदेशखाली में एक परिवार का राज चल रहा था। वह था जिला परिषद अध्यक्ष शाहजहाँ शेख का परिवार। जिसमें उसका भाई, रिश्तेदार और उसके साथी शिबू हजारा और उत्तम सरदार जैसे लोग शामिल थे। जिला परिषद के चुनावों में वह हमेशा धांधली से जीत जाता था। उस धांधली में प्रशासन उसके साथ होता था। जब कम्युनिस्टों का राज था, तो मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी का नेता था, जब तृणमूल कांग्रेस का राज आया, तो वह संदेशखाली में तृणमूल कांग्रेस का नेता बन गया।

संदेशखाली में कुछ नहीं बदला, पहले भी संदेशखाली की पुलिस शाहजहाँ शेख की जेब में थी, बाद में भी उसी की जेब में रही। लगता ऐसा है कि वहां का एसपी अपने डीजीपी से नहीं, बल्कि शाहजहाँ शेख से आदेश और निर्देश लेता था। वहां का डीएम शाहजहाँ शेख को ही मुख्यमंत्री ममता बनर्जी समझता था। पिछले बीस साल से यह सब बिना ज्योतिबसु, बुद्धदेव भट्टाचार्य और ममता बनर्जी की सहमति के नहीं हो सकता था। सहमति का सबूत यह है कि जब शाहजहाँ शेख के खिलाफ संदेशखाली में महिलाएं सड़कों पर उतर आई थीं, 13 फरवरी को हाईकोर्ट ने स्वत: संज्ञान लेकर सरकार से एक हफ्ते में रिपोर्ट मांग ली थी, इसके बावजूद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 15 फरवरी को विधानसभा में कहा कि शाहजहाँ शेख बेकसूर है, उसके खिलाफ भाजपा और आरएसएस साजिश रच रहे हैं। तो क्या हाईकोर्ट भी आरएसएस और भाजपा की साजिश में शामिल था, क्योंकि हाईकोर्ट ने भी तो स्वत: संज्ञान

लिया था।

पुलिस में दर्ज शिकायतों के बावजूद ममता सरकार का उसे गिरफ्तार करने का कोई इरादा नहीं था। ममता बनर्जी का विधानसभा में दिया गया बयान राज्य प्रशासन को साफ़ इशारा था कि वह शाहजहाँ शेख के खिलाफ कोई गिरफ्तारी न करें। ममता बनर्जी के भतीजे ने चार कदम आगे बढ़कर कह दिया कि हाईकोर्ट ने शाहजहाँ शेख की गिरफ्तारी पर रोक लगाई है। कोर्ट ने 20 दिन तक एसआईटी के गठन पर रोक लगाई थी, लेकिन अभिषेक बनर्जी ने कहा कि हाईकोर्ट ने उसकी गिरफ्तारी पर रोक लगाई हुई है। ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने कोर्ट के बारे में सरासर झूठ बोला, हाईकोर्ट ने ऐसा कोई आदेश नहीं दिया था। हाईकोर्ट 20 फरवरी और 26 फरवरी को दो बार राज्य सरकार को फटकार लगा चुकी है। अभिषेक बनर्जी के बयान के बाद हाईकोर्ट को और निर्देश देना पड़ा कि शाहजहाँ शेख को गिरफ्तार किया जाए। कोर्ट के आदेश के बाद तृणमूल कांग्रेस के नेता कुनाल घोष का यह कहना कि उसे एक हफ्ते में गिरफ्तार कर लिया जाएगा, आशंका पैदा करता है कि वह तृणमूल कांग्रेस के संरक्षण में ही है।

26 फरवरी को कोर्ट ने तब तीसरी बार दखल दिया, जब एक वकील ने याचिका लगाई कि संदेशखाली जाने वाले कुछ लोगों को मालाएं पहनाई जा रही हैं, और कुछ लोगों को गिरफ्तार किया जा रहा है। चार साल पहले शाहजहाँ शेख के खिलाफ एक मामला दर्ज हुआ था, लेकिन पुलिस ने कुछ नहीं किया था। इस पर कोर्ट ने पुलिस को फटकार लगाई कि चार साल में आप चार्जशीट दाखिल नहीं कर पाए। शाहजहाँ शेख चाहे जिस महिला को तृणमूल कांग्रेस के दफ्तर में बुला लेता था और फिर उसके साथ रेप किया जाता था। कई कई दिन तक महिलाओं को तृणमूल कांग्रेस के दफ्तर में रखा जाता था। महिला के पति को कहा जाता था कि वह सिर्फ नाम का ही पति है, उसकी पत्नी अब शाहजहाँ शेख की है। देश में शायद यह पहला मामला होगा, जहां मान्यता प्राप्त और सत्ताधारी राजनीतिक पार्टी का दफ्तर आपराधिक गतिविधियों का केंद्र बन गया।

कोर्ट में मौजूद प्रियंका टीबरवाल ने कहा कि रेप की शिकार कोई महिला जब शिकायत लेकर पुलिस के पास जाती थी तो पुलिस उसे कहती थी कि अब शाहजहाँ शेख ही उनका पति है। शाहजहाँ शेख के कुकर्म सामने ही नहीं आते, अगर ईडी राशन घोटाले में जांच के दौरान उसके घर पर छापा नहीं मारती। ईडी ने 5 जनवरी को छापा मारा, तो उसने अपने समर्थकों से ईडी के अफसरों और उनके वाहनों पर हमला करवा दिया और खुद फरार हो गया। सिर्फ ममता बनर्जी ही नहीं, इंडी एलायंस के घटक दलों की जहां जहां सरकारें हैं, वहां वहां ईडी को भ्रष्टाचार के मामलों की जांच में ऐसे विरोध का सामना करना पड़ रहा है। बंगाल में तो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इशारे पर केन्द्रीय जांच एजेंसियों को हिंसा का सामना करना पड़ रहा है। शाहजहाँ शेख की फरारी के बाद ही संदेशखाली की औरतों में उसके खिलाफ खड़े होने की हिम्मत आई। वे लाठियां लेकर सडकों पर उतरी तो शाहजहाँ शेख की पुलिस ने उन पर लाठी चार्ज शुरू कर दिया।

शाहजहाँ शेख के बारे में संदेह है कि वह बांग्लादेशी घुसपैठिया है। शुरू में वह एक मजदूर था, ईंट भट्टों पर काम करता था। मजदूर यूनियन बनाकर मार्क्सवादी पार्टी में घुसा और फिर मार्क्सवादी सरकार के संरक्षण से वह कम से कम 2000 करोड़ का मालिक बन गया। शाहजहाँ के पास सैंकड़ों मछली पालक केंद्र, ईंट भट्टे और आदिवासियों और दलित हिन्दुओं की हड़पी हुई सैंकड़ों एकड़ जमीन है। प्रशासन ने उसे गरीबों की जमीनें हड़पने में सहयोग किया। सिंगूर और नंदीग्राम में माकपा की जमीन खिसकी, तो ज्योतिप्रिय मलिक 2012 में तृणमूल कांग्रेस में घुस गया। वही ज्योतिप्रिय मलिक राशन घोटाले में जेल में है, और ईडी शाहजहाँ शेख को खोज रही है। कांग्रेस आरोप लगा रही है, बंगाल के हर जिले में ममता बनर्जी का कम से कम एक शाहजहाँ शेख है, जो अपनी सल्तनत चला रहा है और प्रशासन पंगु बन चुका है। 12 साल पहले ऐसी ही परिस्थिति नंदीग्राम में हो गई थी, जिसने पश्चिम बंगाल की माकपा सरकार को उखाड़ फेंका था। नंदीग्राम ने कम्युनिस्टों की बर्बादी की कहानी लिख दी थी, तो संदेशखाली से ममता खुद अपनी बर्बादी की आत्मकथा लिख रही हैं। उस समय नंदीग्राम ने ममता बनर्जी के सत्ता में आने का रास्ता खोला था, तो अब संदेशखाली ममता के लिए सत्ता से रुखसत होने का रास्ता खोल सकता है।

हाईकोर्ट के आदेश के बाद पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनन्द बोस ने 72 घंटे में राज्य सरकार से जवाब मांग कर राजनीतिक धड़कने बढ़ा दी हैं। अब 29 फरवरी तक ममता सरकार को राजभवन में सफाई देनी पड़ेगी। अगर वह सफाई नहीं देती है, तो राज्यपाल केंद्र को रिपोर्ट भेज सकते हैं, और केंद्र सरकार क़ानून व्यवस्था के मुद्दे पर राज्य सरकार को संविधान के अनुच्छेद 355 के अंतर्गत नोटिस दे सकती है। कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता संदेशखाली पर चुप्पी साधे हुए हैं, लेकिन पश्चिम बंगाल कांग्रेस के नेता खुल कर ममता बनर्जी को घेर रहे हैं। भाजपा और केंद्र सरकार को ममता को घेरने का बड़ा मुद्दा मिल गया है। विपक्ष जहां यह समझ रहा था कि बंगाल, बिहार और महाराष्ट्र से भाजपा को रोका जा सकता है, वहां ये तीनों ही राज्य किसी न किसी मुद्दे पर विपक्ष के लिए वाटरलू बनते जा रहे हैं।

राज्यसभा के बाद अब लोकसभा में रिकॉर्ड जीत की तैयारी में भाजपा

नीरज कुमार दुबे

लोकसभा चुनावों से पहले हुए राज्यसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने इंडिया गठबंधन को तगड़ा झटका दिया है। हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश में भाजपा उम्मीदवारों ने सिर्फ जीत हासिल नहीं की है बल्कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी में बड़ा बिखराव भी ला दिया है। हिमाचल प्रदेश में तो कांग्रेस सरकार का गिरना अब तय माना जा रहा है और इस तरह उत्तर भारत में उसकी एकमात्र राज्य सरकार भी हाथ से चली जायेगी। वहीं समाजवादी पार्टी की बात करें तो ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस से गठबंधन करते ही उसे झटके पर झटके लगने शुरू हो चुके हैं। पहले स्वामी प्रसाद मौर्य सपा छोड़ गये उसके बाद आठ विधायकों ने राज्यसभा चुनाव वाले दिन पाला बदल लिया। बताया जा रहा है कि कई और सपा विधायक भी पाला बदलने के मूड़ में हैं। जहां तक राज्यसभा चुनावों की बात है तो इसके परिणाम भाजपा और एनडीए के लिए काफी सुखद और उत्साह बढ़ाने वाले रहे हैं। एनडीए के पास अब राज्यसभा में बहुमत से मात्र चार वोट कम रह गये हैं। लोकसभा चुनावों की दृष्टि से देखें तो भाजपा उत्तर प्रदेश में लगातार अपना विजय रथ आगे बढ़ा रही है। भाजपा की राज्य इकाई इस बार उत्तर प्रदेश की सभी 80 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से तय किये गये 370 सीटें जीतने के लक्ष्य को पूरा करने में सबसे अहम योगदान देना चाहती है। देखा जाये तो लक्ष्य बड़ा है लेकिन कठिन इसलिए नहीं है क्योंकि पार्टी बहुत समय से इसके लिए प्रयास कर रही है। भाजपा को मोदी और योगी सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाखों लाभार्थियों, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता, उनकी ईमानदार और कड़े प्रशासक की छवि, हिंदुत्व की लहर तथा सभी सामाजिक समीकरणों को देखते हुए बनाये गये गठबंधन की बदौलत सभी 80 लोकसभा सीटों पर जीत की उम्मीद है। भाजपा की यह उम्मीद हकीकत में बदल भी सकती है, यह संकेत तमाम ओपिनियन पोल भी दर्शा रहे हैं। इंडिया टीवी और सीएनएक्स के ओपिनियन पोल के परिणाम दर्शा रहे हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में एनडीए उत्तर प्रदेश की 80 में से 78 सीटों पर जीत हासिल करके नया रिकॉर्ड बना सकता है। ताजा ओपिनियन पोल बता रहा है कि भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए 53.16 प्रतिशत वोट शेयर के साथ सबसे आगे रहेगा। इंडिया गठबंधन का वोट प्रतिशत 32.57 और बसपा का वोट प्रतिशत 10.43 प्रतिशत तथा अन्यों का वोट प्रतिशत 3.84 प्रतिशत रहने का अनुमान है। हम आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश में एनडीए में भाजपा के अलावा राष्ट्रीय लोक दल, अपना दल सोनेलाल, निषाद पार्टी और सुभासपा शामिल हैं जबकि इंडिया गठबंधन में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस शामिल हैं। ओपिनियन पोल के परिणाम दर्शा रहे हैं कि अमेठी और रायबेरली जैसी वीआईपी सीटों पर कांटे की टक्कर के बावजूद भाजपा को जीत मिलेगी। इंडिया गठबंधन के तहत समाजवादी पार्टी सिर्फ मैनपुरी और आजमगढ़ में बढ़त बनाये हुए है।

यूपी में दम तोड़ती गठबंधन को जिंदा रखने का कारण क्या है?

अजय कुमार

कांग्रेस और समाजवादी पार्टी एक छतरी के नीचे आने के बाद सियासी ऊर्जा से भरे हैं। दोनों दलों का नेतृत्व ऐसा माहौल बनाने में लगा है मानो अब उत्तर प्रदेश में बीजेपी का 'गेम ओवर' हो गया है। ऐसा ही माहौल 2017 के विधान सभा चुनाव और 2019 के लोकसभा चुनाव में भी बनाने का प्रयास किया गया था। दोनों ही मुकाबलों की खास बात यह थी कि बीजेपी को यूपी में साइड लाइन करने की विरोधियों की जंग में समाजवादी पार्टी एक प्रमुख किरदार थी। 2017 का विधान सभा चुनाव समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस से हाथ मिलाकर लड़ा था। 2019 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के बीच गठबंधन हुआ था। दोनों ही बार जब चुनाव नतीजे आये तो गठबंधन दलों का ग्राफ धरातल पर नजर आया।

2017 के विधानसभा चुनाव के दौरान एनडीए गठबंधन यानि बीजेपी प्लस को कुल 325 सीटें मिली थीं। इसमें से अकेले बीजेपी ने 384 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे जिसमें 312 सीटों पर जीत दर्ज की। वहीं बीजेपी गठबंधन की अन्य दो पार्टियों में अपना दल (सोनेलाल) ने 11 सीटों में नौ सीटें और भारतीय सुहेलदेव समाज पार्टी ने आठ में से चार सीटें जीती थीं। वहीं मुख्य विपक्षी दल के रूप में सपा और कांग्रेस को जनता ने पूरी तरह से नकार दिया था। तब इस गठबंधन को मात्र 54 सीटों के साथ संतोष करना पड़ा था। कांग्रेस को चुनाव में 114 सीटों में केवल सात सीटों पर जीत मिली थी, वहीं समाजवादी पार्टी को 311 सीटों में से केवल 47 सीटों पर जीत मिली थी। इसी तरह से बात 2019 के लोकसभा की कि जाये तब सपा-बसपा के बीच गठबंधन हुआ था। तब भी वैसा ही माहौल बनाया गया था, जैसा 2017 में बनाने की कोशिश की गई थी। परंतु नतीजे इस बार भी बीजेपी के ही पक्ष में आये। समाजवादी पार्टी को मात्र पांच और बसपा को दस सीटों पर जीत हासिल हुई थी।

इतना खराब प्रदर्शन होने के बाद भी यह दल एक क्यों हो जाते हैं ? इसकी वजह है एक उम्मीद ? उम्मीद इस बात की कि मुस्लिम वोटों के सहारे वह बीजेपी को शिकस्त दे

सकते हैं क्योंकि इन सबको लगता है कि हिन्दू तो आपस में बंटा हुआ है। इसी के चलते गैर बीजेपी नेता हिन्दुओं पर होने वाले अत्याचार पर चुप्पी साधे रहते हैं, जबकि मुसलमानों के साथ छोटी-सी भी घटना घट जाये तो जमीन-आसमान एक कर देते हैं। याद कीजिये जब सोनिया गांधी, राहुल और प्रियंका गांधी वाड्रा भाजपा शासित राज्यों में जरा-सी घटना पर भी सिर आसमान पर उठा लेती हैं। खासकर महिला उत्पीड़न के मामलों को तो यह लोग बेहद ही तीखे अंदाज में उठाते हैं। राहुल-प्रियंका ने कुछ वर्ष पूर्व योगी सरकार के प्रथम कार्यकाल में यूपी के हाथरस मामले को जोर-शोर से उठाया था। तब एक दलित युवती की बलात्कार के बाद हत्या किये जाने की बात सामने आई थी। पहली अक्टूबर 2020 को जब प्रियंका गांधी दिल्ली से हाथरस पीड़िता के परिवार से मिलने जा रही थीं तो पुलिस ने ग्रेटर नोएडा के पास उनका काफिला रोक दिया था। तब उन्होंने मीडिया से कहा कि उनकी भी बेटी है, इसलिए एक मां के नाते उन्हें ऐसी घटनाओं से बहुत गुस्सा आता है। प्रियंका ने उन्नाव दुष्कर्म कांड को लेकर योगी सरकार पर जमकर सवाल उठाए थे। इस मामले में उनकी सक्रियता देखते ही बनती थी। एक तो मामला भाजपा शासित राज्य का था, दूसरा आरोपों के घेरे में बीजेपी विधायक था। प्रियंका गांधी ने उत्तर प्रदेश की योगी सरकार को घेरते हुए पूछा था कि सरकार को बताना चाहिए कि वो महिलाओं के साथ है या अपराधियों के साथ? इसी प्रकार 21 जनवरी 2022 को यूपी के बुलंदशहर जिले में एक किशोरी की हत्या का मामला सामने आया था। परिजनों का आरोप था कि किशोरी की गैंगरेप के बाद हत्या की गई। प्रियंका गांधी 3 फरवरी 2022 को यूपी के बुलंदशहर पहुंचीं, जहां उन्होंने पीड़ित परिजनों से मुलाकात कर पुलिस और प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। 4 फरवरी, 2024 को सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर प्रियंका गांधी ने उप्र के बांदा में एक जज की मौत के मामले को उठाने में देरी नहीं की और प्रदेश सरकार पर जमकर अपनी भड़ास भी निकाली। एक जिम्मेदार नेता और नागरिक के नाते प्रियंका की महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों और अत्याचार पर मुखरता काबिले तारीफ नजर आयी, लेकिन यह दर्द दिखावा था। दरअसल वह शुद्ध रूप से सियासत कर रही थीं क्योंकि प्रियंका गांधी की सारी सक्रियता भाजपा या एनडीए शासित राज्यों में ही दिखाई देती है। उन्हें न जाने क्यों भाजपा शासित राज्यों में महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों पर ही गुस्सा आता है, लेकिन जहां गैर भाजपा सरकारें हैं, वहां महिलाओं के उत्पीड़न के मामले सामने आने पर गांधी परिवार चुप्पी साध लेता है।

मणिपुर हिंसा पर कांग्रेस के गांधी परिवार सहित हर छोटे बड़े नेता ने मणिपुर और दिल्ली की केंद्र की सरकार पर तीखी बयानबाजी की। सरकार को आरोपों के कटघरे में खड़ा किया। मोदी से बार-बार पूछा गया कि वह मणिपुर क्यों नहीं जाते हैं? लेकिन लगभग इसी समय कांग्रेस शासित राज्यों- राजस्थान (अब यहां बीजेपी सरकार है), छत्तीसगढ़ और गैर भाजपा शासित राज्यों- बिहार, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल आदि में महिला उत्पीड़न के मामलों में प्रियंका गांधी ने मौन धारण करके रखा। राजस्थान में तत्कालीन गहलोत सरकार के पांच साल के शासन में बलात्कार और महिला उत्पीड़न की घटनाओं की बाढ़-सी आ गई थी। महिला सुरक्षा में नाकाम गहलोत सरकार के कारण राजस्थान में महिलाओं के साथ हुए अत्याचार, दुराचार और बलात्कार जैसी जघन्य घटनाओं को राजस्थान कभी नहीं भूलेगा, लेकिन गांधी परिवार को यहां न कुछ दिखाई दिया और न ही कुछ सुनाई दिया, परिणाम यह हुआ कि जनता ने ही विधान सभा चुनाव में गहलोत सरकार का उखाड़ कर फेंक दिया।

क्या लोकप्रियता की लहर पर सवार तेजस्वी जीत लेंगे बिहार?

आलोक कुमार

बिहार में फिर से नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार बनने के बाद से नाराज युवा नेता तेजस्वी यादव प्रदेश भर के दौरे पर हैं। उनकी जन विश्वास यात्रा में जबरदस्त भीड़ जुट रही है। वाकपटुता बढ़ी है और वह समर्थकों के बीच पहले से ज्यादा कनेक्ट कर पा रहे हैं। विधानसभा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विश्वास प्रस्ताव पर बोलने के क्रम में उन्होंने बारीकी से अपना राजनीतिक नैरेटिव गढ़कर अपनी स्वीकार्यता बढ़ाई है। यात्रा के दौरान तेजस्वी यादव इस बार नीतीश कुमार सरकार में 17 महीनों तक रहकर किए अपने काम को बताकर छवि चमका रहे हैं। वो अपने आप को बिहार के युवाओं को नौकरी दिलाने वाले नायक की तरह पेश कर रहे हैं। बंपर सरकारी नौकरी देने से उनकी लोकप्रियता का ग्राफ बढ़ा है जिसे देखकर कहना मुश्किल है कि इस बार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने पुराने मित्र लालू प्रसाद से दुश्मनी साधी है या फिर मित्र धर्म निभाने के लिए तेजस्वी को निखरने का मौका देते हुए अपनी राजनीतिक छाया से आजाद कर दिया है।

तेजस्वी का निखरना बता रहा है कि यही चाल और ढाल बरकरार रही तो वो आने वाले लोकसभा चुनाव में एनडीए की डबल इंजन सरकार पर भारी पड़ सकते हैं। बिहार में लोकसभा की 40 सीटें हैं। पिछली बार के लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल को बुरी तरह से हार का सामना करना पड़ा था। मोदी की आंधी में आरजेडी एक भी लोकसभा सीट हासिल नहीं कर पाई थी। 2019 लोकसभा चुनाव में एनडीए को बिहार में 53 प्रतिशत वोट मिले और जेडीयू, बीजेपी और एलजेपी ने साथ मिलकर 39 लोकसभा सीटें जीत ली थी। लेकिन अब पांच साल से गंगा में काफी पानी बह चुका है। 2020 का विधानसभा चुनाव एनडीए की अंदरूनी आपसी कलह में बीता।

चिराग पासवान कथित हनुमान बनकर गठबंधन के बाहर से बीजेपी की मदद और जेडीयू का नुकसान करते रहे। 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा में जेडीयू की हैसियत सिमटकर महज 45 विधायकों की रह गई। बीजेपी ने वायदे के अनुसार नीतीश कुमार को ही मुख्यमंत्री तो

बनाया पर उनके समर्थक बीजेपी के कद्दावर नेता व कुशल प्रशासक सुशील मोदी को नीतीश से दूर कर दिया। इससे असहज नीतीश कुमार ने बीच में ही एनडीए से अलग होकर आरजेडी, कांग्रेस व लेफ्ट के साथ मिलकर महागठबंधन की सरकार का मुख्यमंत्री बन जाना पसंद किया। साथ ही विपक्ष की ओर से बीजेपी को केंद्र से हटाने की व्यूह रचना बनाने में मशगूल हो गए। मौजूदा इंडिया गठबंधन की अवधारणा नीतीश कुमार की ही बनाई हुई है। मगर इंडिया गठबंधन के धुअंधरों के बीच अपनी दाल नहीं गलती देख वह सत्रह महीनों बाद एनडीए में लौट आए हैं। जेडीयू के अचानक छोड़ जाने से बिहार में सदमे में फंसे इंडिया गठबंधन की लोकसभा सीटों की उम्मीदवारी का मसला अभी सुलझा नहीं है। लेकिन तेजस्वी की सक्रियता को लेकर साफ लग रहा है कि उनकी पार्टी अब मजबूत दावेदार होगी। कांग्रेस पार्टी को उत्तर प्रदेश की तरह ही बिहार में भी सीमित सीटों पर चुनाव लड़कर संतोष करना होगा। पिछली बार की तरह इस बार राजद को शून्य लोकसभा सीट तक समेट देना एनडीए के लिए मुश्किल होगा।

एनडीए में अंदरूनी तकरार बढ़ाने के लिए तेजस्वी ने अपनी सभाओं में लोकसभा के साथ विधानसभा चुनाव कराने की मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की चाहत का बखान भी कर रहे हैं। नीतीश के पुराने सिपहसालार और नए प्रतिद्वंदी तेजस्वी यादव होशियारी से बता रहे हैं कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बीजेपी के साथ इस शर्त पर गए हैं कि लोकसभा के साथ ही विधानसभा का भी चुनाव करा दिया जाए। नीतीश अब एनडीए में रहकर ही लोकसभा के साथ विधानसभा चुनाव लड़कर अपने पिछले नुकसान की भरपाई करना चाहते हैं। गौरतलब है कि बिहार विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल सितंबर 2025 तक है। ऐसे में विधानसभा का डेढ़ साल का कार्यकाल बचा है। भला कोई विधायक बिला वजह इतना पहले दोबारा चुनाव के लिए जनता के बीच जाने की जहमत क्यों उठाना चाहेगा। मगर तेजस्वी का कहना है कि समय पूर्व विधानसभा चुनाव कराने के इरादे से ही महीने भर से नीतीश कुमार ने अपने मंत्रिमंडल के विस्तार को निलंबित कर रखा है।

राजनीतिक प्रेक्षक मानते हैं कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ इस बार 17 महीने तक चुपचाप सरकार चला कर उपमुख्यमंत्री तेजस्वी ने जो विश्वास बहाल किया है वह पिछले मौकों पर संभव नहीं हो पाया था। पाला बदल के लिए बदनाम नीतीश कुमार ने तीन बार लालू प्रसाद की आरजेडी के साथ मिलकर सरकार चलाई है और तीनों ही बार विपक्ष के मौजूदा नेता तेजस्वी यादव उनकी सरकार के उपमुख्यमंत्री रहे हैं। सरकार में रहते वक्त नीतीश कुमार उदारतावश खुले मंच से कहते रहे कि तेजस्वी जैसे युवा ही उनकी समाजवादी विचारधारा के राजनीतिक वारिस हैं। आगे तेजस्वी को ही बिहार का राजकाज सम्हालना है। यही वजह है कि विपक्षी नेता के तौर पर दिए जा रहे तमाम भाषणों में तेजस्वी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति आदर प्रकट करने में कोई कंजूसी नहीं कर रहे। इतना ही नहीं विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने अद्भुत संस्कार का परिचय देते हुए नवनियुक्त विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के चरण स्पर्श किये। इस नए रवैए पर पूछे गए सवाल पर तेजस्वी की सफाई थी कि दोनों ही नेता उनके पिता के जमाने से राजनीति में रहे हैं। साथ काम किया है इसलिए विशेष मौके पर आदर प्रकट करने में दिक्कत क्या है? ये वही तेजस्वी यादव हैं जिनके माता पिता यानी मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और लालू प्रसाद यादव की सरकार को जंगल राज की संज्ञा देकर ही बीजेपी ने नीतीश कुमार के सहारे बिहार में अपनी पैठ बनाई है। अब परिपक्व दिख रहे तेजस्वी संस्कारवान होने का इजहार कर परिवार पर लगे अराजक शासक के दाग को धोने में लगे हैं।

गिरता ग्राफ, गठबंधन से दूरी... भविष्य को लेकर क्या है मायावती की रणनीति

अंकित सिंह

उत्तर प्रदेश की राजनीति बेहद दिलचस्प रही है। उत्तर प्रदेश लोकसभा चुनाव के लिहाज से बेहद अहम ही रहता है। देश में सबसे ज्यादा सीटे उत्तर प्रदेश में ही है। उत्तर प्रदेश की राजनीति दिल्ली को भी प्रभावित करती है। यही कारण है कि उत्तर प्रदेश पर हर किसी की नजर होती है। देश जब लोकसभा चुनाव के मुहाने पर खड़ा है तो ऐसे में उत्तर प्रदेश की चर्चा दिलचस्प तरीके से हो रही है। उत्तर प्रदेश में भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए गठबंधन और कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की इंडिया गठबंधन के बीच मुख्य मुकाबला होना है। हालांकि, एक समय उत्तर प्रदेश में बहुत बड़ी ताकत रही बहुजन समाज पार्टी भी कुछ बड़ा खेल कर सकती हैं। लेकिन इसकी संभावनाएं भी लगातार घटती जा रही है। आज के प्रजातंत्र कार्यक्रम में हम यह समझने की कोशिश करेंगे कि लोकसभा चुनाव को लेकर बसपा सुप्रीमो मायावती की रणनीति क्या है और राज्य में पार्टी की वर्तमान स्थिति पर भी नजर डालेंगे। उत्तर प्रदेश में देखा जाए तो बहुजन समाजवादी पार्टी की हालत बहुत अच्छी नहीं दिखाई दे रही है। 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में पार्टी सिर्फ एक सीट पर जीत हासिल करने में कामयाब रही। वहीं, 2019 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने समाजवादी पार्टी से गठबंधन किया था। बसपा ने उस समय 10 लोकसभा की सीटों पर जीत हासिल की थी। लेकिन वर्तमान में देखें तो उसके एक-एक सांसद पार्टी से दूरी बनाते दिखाई दे रहे हैं। हाल में ही बहुजन समाज पार्टी को बड़ा झटका देते हुए अंबेडकर नगर से सांसद रितेश पांडे भाजपा में शामिल हो गए। अमरोहा से सांसद कुंवर दानिश अली पहले ही पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते निकल जा चुके हैं। उनके कांग्रेस में जाने की संभावनाएं हैं। गाजीपुर से सांसद अफजाल अंसारी को सपा ने 2024 के लिए अपना उम्मीदवार बना दिया है। जौनपुर से सांसद श्याम सिंह यादव को लेकर कांग्रेस में शामिल होने की चर्चा है। एक अन्य सांसद मलूक नागर जो मीडिया में खूब रहते हैं, उनकी नजदीकिया आरएलडी से बढ़ रही है। लालगंज लोकसभा सीट से सांसद संगीता आजाद को लेकर भी चर्चाओं का दौर जारी है कि वह भाजपा में शामिल हो सकती हैं। उत्तर प्रदेश में बसपा की स्थिति लगातार कमजोर होती दिखाई दे रही है। जिस दलित वोट के दम पर मायावती ने उत्तर प्रदेश में जबरदस्त राजनीति की थी, आज वही दलित भाजपा और सपा के पक्ष में जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसी वजह से मायावती को लगातार चुनाव में नुकसान हो रहा है। 2007 में जिस बसपा ने अकेले अपने दम पर विधानसभा का चुनाव जीता था, आज वही सिर्फ एक सीट पर सिमट चुकी है। इसका बड़ा कारण यह है कि मायावती के करीबी नेता लगातार पार्टी छोड़ते दिखाई दे रहे हैं। पार्टी का प्रदर्शन लगातार कमजोर हो रहा है। नेताओं को अपने भविष्य की चिंता है। 2014 के लोकसभा चुनाव में 19.57 फ़ीसदी वोट हासिल करने वाली बसपा 2022 के विधानसभा चुनाव में 12 फ़ीसदी वोट ही हासिल कर पाई। मायावती लगातार गठबंधन से दूरी बनती हुई दिखाई दे रही है। वह ना तो भाजपा के साथ गठबंधन के पक्ष में दिखाई दे रही हैं और ना ही समाजवादी पार्टी के गठबंधन में वह शामिल होना चाहती हैं। लेकिन मायावती के साथ दिक्कत यह है कि वह जमीन से कटी हुई नजर आ रही हैं। जमीन पर पहले जैसी पकड़ नहीं होने के बावजूद भी मायावती अपनी शर्तों पर किसी के साथ गठबंधन करना चाहती है।

कहीं नेल पॉलिश लगाते समय आप भी तो नहीं करतीं ये गलतियां

नेल पॉलिश लगाते समय हम सभी अक्सर एक गलती कर बैठती हैं और वह है सिंगल स्ट्रोक में नेल पॉलिश लगाना। जब आप ऐसा करते हैं तो इससे नेल पॉलिश का वह कलर नहीं आ पाता है। साथ ही साथ, इससे नेल पॉलिश एक समान रूप से नहीं लगती है और बीच में ब्लैंक स्पेस भी रह जाते हैं।

अपने हाथों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए हम सभी नेल पॉलिश जरूर लगाती हैं। कई बार बस यूं ही किसी भी कलर को अपने नेल्स पर लगा लेती हैं तो कभी अपने आउटफिट और ओकेजन को ध्यान में रखकर नेल पॉलिश का चयन करती हैं। इस बात में कोई दोराय नहीं है कि नेल पॉलिश आपके हाथों को बेहद ही खूबसूरत दिखाती है। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि नेल पॉलिश को सही तरह से अप्लाई किया जाए। अमूमन हम सभी नेल पॉलिश लगाते समय कुछ छोटी-छोटी गलतियां कर बैठती हैं, जिससे नेल्स देखने में बिल्कुल भी अच्छे नहीं लगते हैं। कई बार तो उन्हें नुकसान भी होता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको नेल पॉलिश लगाते समय की जाने वाली कुछ गलतियों के बारे में बता रहे हैं, जिनसे आपको बचना चाहिए-

अगर आप सीधे ही अपने नेल्स पर नेल पॉलिश लगा लेती हैं तो हो सकता है कि आपको वह फिनिशिंग ना मिले। नेल पॉलिश लगाने से पहले अपने नेल्स को तैयार करना बेहद जरूरी है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि आपके हाथ आपके बालों, चेहरे और कई अन्य चीजों के संपर्क में आते हैं जो आपके नाखूनों पर तेल छोड़ देंगे। इसलिए, सबसे पहले अपने हाथ साबुन और पानी से धोना सुनिश्चित करें, ताकि पॉलिश लंबे समय तक टिकी रहे।

सिर्फ सिंगल स्ट्रोक लगाना

नेल पॉलिश लगाते समय हम सभी अक्सर एक गलती कर बैठती हैं और वह है सिंगल स्ट्रोक में नेल पॉलिश लगाना। जब आप ऐसा करते हैं तो इससे नेल पॉलिश का वह कलर नहीं आ पाता है। साथ ही साथ, इससे नेल पॉलिश एक समान रूप से नहीं लगती है और बीच में ब्लैंक स्पेस भी रह जाते हैं। हमेशा ध्यान रखें कि आप अपनी पॉलिश को हमेशा तीन स्ट्रोक में लगाएं।

एक्सपायर्ड प्रोडक्ट का इस्तेमाल करना

जब भी आप नेल पॉलिश का इस्तेमाल करते हैं तो आपको यह ध्यान में रखना चाहिए कि वह एक्सपायर्ड ना हो। अगर आपकी नेल पॉलिश एक्सपायर्ड है और आप उसे इस्तेमाल करते हैं तो इससे आपके नेल्स को नुकसान हो सकता है। कोशिश करें कि आप अपने नेल पेंट को हर 12-18 महीनों में बदल दें।

भूलकर भी चेहरे पर न लगाएं पील ऑफ मास्क, हो सकते हैं ये 6 नुकसान

दिव्यांशी भदौरिया

स्किन की देखभाल के लिए आमतौर पर महिलाएं पील ऑफ मास्क जरुर लगाती है। त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाने के लिए पील ऑफ मास्क चेहरे पर लगाती है लेकिन इसके कई सारे नुकसान होते हैं। क्या आप जानते हैं? जो आप पील ऑफ मास्क का इस्तेमाल करते है स्किन को ग्लो करने के लिए उसके कई नुकसान हैं।

स्किन को चमकदार बनाने के लिए महिलाएं कई सारे ब्यूटी प्रोडक्टस का इस्तेमाल करती हैं। त्वचा को स्वस्थ और साफ रखने के लिए पील ऑफ मास्क का प्रयोग जरुर करती है। लेकिन इसके ज्यादा इस्तेमाल करने से स्किन को कई नुकसान होते हैं। इन्ही नुकसानों के बारे में हम इस लेख में बताएंगे।

रेडनेस की समस्या

कई लोगों की त्वचा काफी सेंसिटिव होती है, तो पील ऑफ मास्क का उपयोग बिल्कुल न करें। अगर आप पील ऑफ मास्क को चेहरे पर अप्लाई करेंगे तो रेडनेस हो सकती है। इसके साथ ही आप एक्जिमा या किसी अन्य रोग के शिकार हो सकते हैं।

स्किन ड्राई होना

जो महिलाएं पील ऑफ मास्क का प्रयोग करती हैं वो लोग इसे इस्तेमाल न करें। पील ऑफ के मास्क की वजह से स्किन पर रूखापन आ सकता है जिससे स्किन ड्राई दिखने लगती है। इसमें मौजूद केमिकल्स स्किन को रूखा बना देते हैं।

एजिंग की समस्या

पील ऑफ मास्क इस्तेमाल करने की वजह से स्किन पर एजिंग होने लगती है। इसके कारण त्वचा में दर्द, रैशेज और एलर्जी की समास्या हो सकती है। ऐसे में इसको अपने स्किन केयर में शामिल न करें।

खुजली की समस्या

पील ऑफ मास्त बनाने के लिए पॉलिविनाइल एल्कोहल का उपयोग किया जाता है। यह प्लास्टिक एडेसिव होता है, जिसके कारण आपकी स्किन में खुजली की समस्या हो सकती है। इसे हफ्ते में 1 से ज्यादा बार इसका उपयोग न करें।

सीबम की कमी

स्किन में सीबम होता है, जो त्वचा में ऑयल को रोकने का काम करती है। लेकिन पील ऑफ का इस्तेमाल करने से सीबम की कमी होती है, जिस वजह से त्वचा का ऑयल कम हो जाता है।

पिंपल्स की समस्या

पील ऑप मास्क के इस्तेमाल करने से पिंपल्स की समस्या हो सकती है। इसलिए इसका ज्यादा इस्तेमाल करने से बचना चाहिए।

नेचुरल तरीके से हटाएं मेकअप, बादाम तेल का करें इस्तेमाल और जानें इसके फायदे

बादाम का तेल त्वचा की देखभाल के लिए काफी फायदेमंद है। इसके इस्तेमाल से आप मेकअप हटा सकते है। बादाम तेल को मेकअप रिमूवर के रूप में उपयोग करने का सही तरीका यहां बताया गया है। तो चलिए आपको बताते हैं नेचुरल तरीके से बादाम तेल मेकअप कैसे हटाएं। जानें बादाम का तेल मेकअप कैसे हटाता है?

क्या आप देर रात पार्टी करने के बाद अपना मेकअप हटाने में काफी आलस करती हैं? यदि हां, तो आपको इसे तुरंत रोकने की आवश्यकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि मेकअप प्रोडक्ट में केमिकल और नकली तत्व होते हैं जो आपकी त्वचा के हेल्थ को खराब कर सकते हैं। बता दें कि आप घर पर एक सरल एवं प्रभावी मेकअप रिमूवर बना सकते हैं जो आपकी त्वचा की गुणवत्ता में सुधार करने में भी सहायता कर सकता है। बादाम का तेल, एक प्राकृतिक और पौष्टिक विकल्प, न केवल मेकअप को आसानी से हटाता है बल्कि आपकी त्वचा के लिए कई लाभ भी प्रदान करता है।

बादाम तेल के फायदे

बादाम के तेल में विटामिन, एंटीऑक्सिडेंट और आवश्यक फैटी एसिड से भरपूर होता है जो त्वचा के लिए अद्भुत काम करता है। इसकी हल्का बनावाट और कोमल प्रकृति इसे सभी प्रकार की त्वचा के लिए उपयुक्त बनाती है। कठोर केमिकल्स रिमूवर के विपरीत, बादाम का तेल मेकअप को प्रभावी ढंग से हटाने के दौरान त्वचा को हाइड्रेट और पोषण देता है, जिससे आपका रंग साफ, मुलायम और चमकदार हो जाता है।

बादाम का तेल मेकअप कैसे हटाता है?

बादाम का तेल ऑयल क्लींजिंग नामक प्रक्रिया के माध्यम से मेकअप रिमूवर के रूप में काम करता है। जब त्वचा पर मालिश की जाती है, तो बादाम का तेल आपके मेकअप, सनस्क्रीन और अशुद्धियों में मौजूद तेलों को बांध देता है, जिससे त्वचा के प्राकृतिक तेलों को छीने बिना उन्हें आसानी से मिटाया जा सकता है। यह विधि न केवल त्वचा को साफ करती है बल्कि तेल उत्पादन को संतुलित करने में भी मदद करती है, जिससे यह ऑयली और कॉम्बिनेशन स्किन के प्रकारों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद हो जाती है।

स्किन को सौम्य रहती है

बादाम का तेल त्वचा पर कोमल होने के साथ-साथ इतना शक्तिशाली भी होता है कि कठोर स्क्रबिंग या खींचे बिना भी वाटरप्रूफ मेकअप को हटा सकता है। इसके एमोलिएंट गुण मेकअप के कणों को तोड़ने में मदद करते हैं, जिससे जलन या लालिमा पैदा किए बिना उन्हें पोंछना आसान हो जाता है।

हाइड्रेटिंग करता है

मेकअप रिमूवर के विपरीत, जो त्वचा को ड्राई और टाइट महसूस करा सकता है, बादाम का तेल हाइड्रेटिंग और पोषण प्रदान करता है। इसकी उच्च विटामिन ई सामग्री त्वचा को पर्यावरणीय क्षति और समय से पहले बूढ़ा होने से बचाने में मदद करती है, जिससे यह नरम, कोमल और चमकदार हो जाती है।

एंटी इंफ्लेमेटरी

बादाम के तेल में प्राकृतिक रुप से एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो जलन वाली त्वचा को शांत करने में मदद करते हैं। यह मुँहासे, एक्जिमा और रोसैसिया जैसी स्थितियों से जुड़ी लालिमा, खुजली और सूजन को कम करने में मदद कर सकता है।

सूट की स्लीव्स चौड़ी होने पर टेलर से बनवाएं ऐसी डिजाइंस, मिलेगा परफेक्ट लुक

जब भी हम मार्केट से सूट लेते हैं या फिर टेलर से इसको सिलवाते हैं, तो सूट की डिजाइन को अपनी पसंद के हिसाब से बनवाते हैं। जिससे कि जब हम वह सूट पहनें तो वह परफेक्ट लगे। लेकिन कई बार गलत फिटिंग की वजह से बाजू चौड़ी हो जाती है। जो देखने में बेहद खराब लगती है। ऐसे में जरूरी नहीं है कि आप सूट पहनना ही छोड़ दें। बल्कि सूट की स्लीव्स को सही करवाने के लिए आप कुछ अलग डिजाइन को क्रिएट करवा सकती हैं। जिससे कि जब आप इन सूट्स को पहनें तो यह आप पर परफेक्ट लगें। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप सूट में किस तरह की स्लीव्स ट्राई कर सकती हैं।

डोरी सूट स्लीव्स

अगर आपके सूट की बाजू चौड़ी हो गई है, तो आप टेलर से कहकर इसमें डोरी लगवा सकती हैं। इससे जब आप डोरी को टाइट करके बाधेंगी, तो आपकी स्लीव्स बिलकुल फिट हो जाएगी। आप चाहें तो इसमें एक अच्छा सा टेस्ल लगा सकती हैं। वहीं बाजू पर कलर कॉन्ट्रास्ट करके बटन को फिक्स करवा सकती हैं। इस तरह से आपकी स्लीव्स सही हो जाएगी।

फ्लेयर डिजाइन

अगर सूट में आपकी बाजू नीचे से चौड़ी नजर आ रही है। तो इसमें कट देकर फ्लेयर डिजाइन क्रिएट करवाकर इस पर फिक्स कर सकती हैं। आजकल इस तरह की स्लीव्स वाले काफी डिजाइन चल रहे हैं और काफी अच्छे लगते हैं। ऐसे में आपको सूट में यह डिजाइन जरूर ट्राई करनी चाहिए।

चूड़ीदार स्लीव्स

अगर आपने अपने सूट में फुल स्लीव्स बनवाई है और बाजू की फिटिंग सही नहीं है। तो आप इसमें प्लीट्स डलवा सकती हैं। इससे सूट के बाजू में चूड़ियां बन जाएंगी, जो आजकल काफी अच्छी लगती है। वहीं इस तरीके से सूट की फिटिंग भी परफेक्ट हो जाएगी और आपको कुछ नया ट्राई करने का मौका मिलेगा।

छोटी आंखों को बड़ी दिखाने और आकर्षक लुक देने के लिए ट्राई करें ये सिंपल टिप्स, खूबसूरती में लगेंगे चार चांद

कुछ ट्रिक्स अपनाकर छोटी आंखों को बड़ी दिखा सकती हैं। बता दें कि आप आईलाइनर की मदद से छोटी-छोटी आंखों में बहुत बड़ा बदलाव ला सकती हैं। अगर आप मेकअप करने में नौसिखिया हैं, तो सही तकनीकों को अपनाकर अपनी आंखों को निखारने का काम कर सकती हैं।

यदि किसी की आत्मा में झांकना हो, तो उसकी आंखों को करीब से देख लीजिए। लड़कियां मेकअक के जरिए आंखों को अट्रैक्टिव लुक देने का काम करती हैं। वहीं जिन लोगों की आंखें छोटी हैं, वह कुछ ट्रिक्स अपनाकर छोटी आंखों को बड़ी दिखा सकती हैं। बता दें कि आप आईलाइनर की मदद से छोटी-छोटी आंखों में बहुत बड़ा बदलाव ला सकती हैं। अगर आप मेकअप करने में नौसिखिया हैं, तो सही तकनीकों को अपनाकर अपनी आंखों को निखारने का काम कर सकती हैं। जिससे आपकी आंखें बड़ी और आकर्षक दिखाई देंगी।

व्हाइट या न्यूड लाइनर

आंखों को बड़ा और प्रभावी दिखाने के लिए वॉटरलाइन पर सफेद या न्यूड आईलाइनर अप्लाई कर सकती हैं। यह ट्रिक आपकी आंखों को ग्लो देने के साथ ही बड़ा दिखाने में मदद करती है। पनी निचली वॉटरलाइन को एक सफेद या न्यूड पेंसिल से लाइन करने पर आपको प्रभावी चेंज देखने को मिलेगा।

टाइटलाइनिंग

टाइटलाइनिंग का मतलब सिर्फ नीचे ही नहीं बल्कि ऊपरी वॉटरलाइन पर भी लाइनर अप्लाई करें। इससे आपकी पलकें घनी होने के साथ हल्का स्मोकी लुक देंगी। वॉटरप्रूफ या लंबे समय तक टिकने वाली आईलाइनर पेंसिल का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए इंटरनर कोने से शुरू होकर बाहरी कोने की तरफ बढ़ते हुए ऊपरी वॉटरलाइन को लाइन करें। यह ट्रिक आपकी आंखों को बेहतरीन डेफिनेशन देगी।

बाहरी कोने तक लाएं आईलाइनर

अगर आप आईलाइनर लगाते समय उसे किनारे तक छोड़ देती हैं, तो आपको ऐसा नहीं करना चाहिए। इसके लिए आप एक नई ट्रिक सीख सकती हैं। अपनी आंखों के बाहरी कोने से थोड़ा आगे बढ़ाकर आईलाइनर लगाएं। जिससे कि अपीयरेंस थोड़ा सा एलॉन्गेट हो सके। एक छोटा-सा विंग यह सटल फ्लिक आंखों को बड़ा दिखा सकता है। साथ ही आंखों का शेप भी एक्सडेंट होता है।

शिमर का प्रयोग

ग्लैम और बोल्ड लुक पाने के साथ आंखों को बड़ा दिखाने के लिए आप इनर कोने पर हल्का शिमरी आईशैडो अप्लाई करें। इस तरीके से आपकी आंखों को एक अलग लुक मिलेगा और ग्लो आएगा। इससे पूरा ध्यान आंखों के इनर कॉर्नर पर रहेगा। इससे आंखें बड़ी दिखेंगी और आंखों की खूबसूरती भी बढ़ जाएगी।

न लगाएं मोटी लाइन

अगर आप भी अपर लिड पर मोटा आईलाइनर लगाना पसंद करती हैं, तो इससे आपकी आंखें काफी आकर्षक दिखाई देती हैं। लेकिन इससे आंखें और भी ज्यादा छोटी लगने लगती हैं। ऐसे में आंखों के ऊपर पतली लाइन बनाएं और जब भी ऊपरी पलक पर आईलाइनर लगाएं, तो उसको भी पतला रखें। क्योंकि छोटी आंखों पर मौटा आईलाइनर हावी हो जाती है और आपका पूरा लुक खराब हो जाता है।

न्यूट्रल आईशैडो

पलकों की क्रीज पर न्यूट्रल आईशैडो लगाना चाहिए। वहीं छोटी आंखों को डार्क आईशैडो की मदद से और भी छोटा दिखा सकते हैं। इसके लिए पहले लिड पर हल्का और फिर न्यूट्रल शेड अप्लाई करें। फिर सटल लुक देने के लिए क्रीज पर थोड़ा गहरा शेड अप्लाई करें। इससे आपकी आंखें सुंदर और बड़ी दिखाई देंगी।

आईलाइनर स्टाइल के साथ एक्सपेरिमेंट

हर किसी का आईलाइनर लगाने का स्टाइल अलग होता है। अलग स्टाइल वाला आईलाइनर आंखों की बनावट पर अलग-अलग तरह से प्रभाव डालता है। पपी आईलाइनर या किटन फ्लिक जैसी ट्रिक्स का छोटी आंखों पर प्रयोग करना चाहिए। क्योंकि इस स्टाइल का आईलाइनर बाहरी कोनों को ऊपर उठाने, अधिक लम्बा और खुली आंखों वाला लुक देने में मदद करता है।

पलकों को करें कर्ल

लाइनर लगाना अब एक आम बात हैं और साथ ही अगर आप अपनी पलकों के साथ एक्सपेरिमेंट करती हैं, तो इसका आपको एक अलग प्रभाव दिखेगा। इसके लिए आप एक अच्छे कलर का चुनाव करें और लाइनर लगाने के बाद लैशेज को कर्ल जरूर करें। इससे आपकी पलकें बड़ी और खुली दिखाई देंगी। इससे आपके लुक में नयापन आएगा।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

टीएमसी नेता शाहजहां शेख 10 दिन की पुलिस हिरासत में

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस नेता शाहजहां शेख पर बड़ा एक्शन हुआ है। 55 दिनों तक फरार रहने के बाद तृणमूल कांग्रेस नेता शेख शाहजहां गिरफ्तार हो गया है। इसपर बंगाल के संदेशखालि में यातना, यौन उत्पीड़न और जमीन हड़पने के आरोप है। इस गिरफ्तारी से सत्तारूढ़ टीएमसी और भारतीय जनता पार्टी के बीच राजनीतिक खींचतान शुरू हो गई है। बंगाल पुलिस की एक विशेष टीम ने शेख शाहजहां को उत्तरी 24 परगना जिले के एक घर से गिरफ्तार कर लिया। नेता और उनके सहयोगियों पर संदेशखाली में महिलाओं पर यौन अत्याचार और जमीन हड़पने का आरोप लगाया गया। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले की अदालत ने संदेशखालि से शेख को बृहस्पतिवार को 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। मिनाखान से तड़के गिरफ्तारी के बाद शेख को सुबह 10 बजकर 40 मिनट पर बशीरहाट की अदालत में पेश किया गया। पुलिस ने शेख को 14 दिन की हिरासत में भेजे जाने का अनुरोध किया था।

हमें शाहजहां शेख पर कोई सहानुभूति नहीं : हाईकोर्ट

कोलकाता। ईडी की टीम पर हमले के आरोपी तृणमूल कांग्रेस के नेता शाहजहां शेख को पुलिस की 10 दिनों की रिमांड पर भेजा जा चुका है। कलकत्ता हाई कोर्ट को गुरुवार को बताया गया कि जिला परिषद प्रधान और संदेशखाई हिंसा के मुख्य आरोपी शाहजहाँ शेख को देर रात गिरफ्तार कर लिया गया। शेख की ओर से पेश वकील ने मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम और न्यायमूर्ति हिरण्मय भट्टाचार्य की खंडपीठ से संपर्क किया। वकील ने कहा कि शेख को गिरफ्तार कर लिया गया था, हालांकि अग्रिम जमानत के लिए उसकी याचिका का अभी निपटारा किया गया। इन दलीलों को सुनने के बाद, पीठ ने तत्काल सूचीबद्ध करने से इनकार कर दिया और फटकार लगाते हुए कहा कि उसे गिरफ्तार किया जाए। अगले 10 वर्षों तक, यह व्यक्ति आपको बहुत व्यस्त रखेगा। आपके पास किसी अन्य संक्षिप्त जानकारी के लिए समय नहीं होगा। उसके खिलाफ 42 मामले दर्ज किए गए हैं। वह भी फरार था। आप सोमवार को आएं। आपको जो भी चाहिए, आप सोमवार को आएं, हमें उस व्यक्ति से कोई सहानुभूति नहीं है।

केरल कांग्रेस का राहुल से वायनाड से लड़ने किया आग्रह

तिरवनंतपुरम। केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) को उम्मीद है कि वह मौजूदा राहुल गांधी को वायनाड संसदीय क्षेत्र से फिर से चुनाव लड़ने के लिए मनाकर 2019 के लोकसभा चुनावों में राज्य में अपनी जीत को दोहराने की कोशिश करेगी। विपक्ष के नेता वीडी सतीसन ने कहा कि इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) सहित केपीसीसी और यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) के सहयोगियों ने वायनाड से राहुल गांधी की उम्मीदवारी के लिए जोरदार वकालत की। 2019 में, दिवंगत ओमन चांडी और एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने राष्ट्रीय नेतृत्व को गांधी को वायनाड से मैदान में उतारने के लिए राजी करके एक राजनीतिक तख्तापलट किया। केरल राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने यह संकेत देते हुए कि गांधी के निर्वाचन क्षेत्र पर अभी अंतिम निर्णय लिया जाना बाकी है, कहा कि पार्टी का राष्ट्रीय नेतृत्व और केंद्रीय चुनाव समिति इस संबंध में फैसला करेगी।

दिल्ली में पुराने चेहरों पर दांव लगाने की तैयारी में कांग्रेस

नईदिल्ली। कांग्रेस राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन में लोकसभा चुनाव लड़ रही है। आम आदमी पार्टी राष्ट्रीय राजधानी में चार सीटों पर चुनाव लड़ेगी। वहीं, कांग्रेस के खाते में तीन सीटे आई हैं। आप ने अपने प्रत्याशियों का ऐलान भी कर दिया है। कांग्रेस के एक सूत्र के मुताबिक, पार्टी पूर्व सांसद उदित राज या दिल्ली के पूर्व मंत्री राज कुमार चौहान को आरक्षित उत्तर पश्चिम दिल्ली सीट से मैदान में उतारने पर विचार कर रही है। यहां से भाजपा के हंस राज हंस वर्तमान सांसद हैं। पार्टी उत्तर पूर्वी दिल्ली से संदीप दीक्षित को मैदान में उतार सकती है, इस सीट से उनकी मां शीला दीक्षित ने 2019 में चुनाव लड़ा था, लेकिन भाजपा के मनोज तिवारी से हार गई थीं। दिल्ली कांग्रेस प्रमुख अरविंदर सिंह लवली भी दावेदारी में हैं। लवली ने पिछले लोकसभा चुनाव में पूर्वी दिल्ली से भाजपा के गौतम गंभीर के खिलाफ चुनाव लड़ा था। पार्टी चांदनी चौक सीट से जय प्रकाश अग्रवाल और अलका लांबा पर दांव लगा सकती है।

हिमाचल कांग्रेस के सभी 6 बागी विधायक अयोग्य घोषित

शिमला। राज्यसभा चुनाव में भाजपा के लिए क्रॉस वोटिंग करने वाले छह कांग्रेस विधायकों को गुरुवार को हिमाचल विधानसभा अध्यक्ष ने अयोग्य घोषित कर दिया। दल-बदल विरोधी कानून के तहत सदस्यों को अयोग्य घोषित कर दिया गया है। स्पीकर कुलदीप सिंह पठानियां ने कहा कि कांग्रेस के चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ने वाले छह विधायकों ने अपने खिलाफ दलबदल विरोधी कानून के प्रावधानों को आकर्षित किया...मैं घोषणा करता हूं कि छह लोग तत्काल प्रभाव से हिमाचल प्रदेश विधानसभा के सदस्य नहीं रहेंगे। स्पीकर ने सभी 6 कांग्रेस विधायकों को अयोग्य घोषित कर दिया। कांग्रेस विधायक और राज्य मंत्री हर्ष वर्धन चौहान ने दलबदल विरोधी कानून के तहत अयोग्यता के लिए याचिका दायर की थी। यह आदेश ऐसे समय आया है जब मुख्यमंत्री सुक्खू ने गुरुवार को राज्य के मुख्यमंत्री पद से हटाए जाने की चर्चा के बीच अपने आवास पर कांग्रेस विधायकों के साथ बैठक की मेजबानी की।

प्रधानमंत्री ने मध्यप्रदेश को दी 17000 करोड़ रुपये की सौगात, कई परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास किया

विरासत और विकास को एक साथ लेकर चल रही हमारी सरकार

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश में लगभग 17,000 करोड़ रुपए की कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी और राष्ट्र को समर्पित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारी सरकार विरासत और विकास को कैसे एक साथ लेकर चलती है, इसका उदाहरण उज्जैन में लगी वैदिक घड़ी भी है। बाबा महाकाल की नगरी कभी पूरी दुनिया के लिए काल गणना का केंद्र थी, लेकिन उस महत्व को भुला दिया गया था। अब हमने विश्व की पहली विक्रमादित्य वैदिक घड़ी फिर से स्थापित की है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की सभी लोकसभा सीटों को एक साथ लगभग 17 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाएं मिली हैं। ये परियोजनाएं मध्यप्रदेश के लोगों का जीवन आसान बनाएंगी, यहां निवेश और नौकरियों के नए अवसर बनाएंगी। इन परियोजनाओं के लिए सभी को बहुत बहुत बधाई।

मोदी ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में भारत के कई राज्यों ने विकसित बनने का संकल्प लिया है क्योंकि विकसित राज्यों से ही विकसित भारत बनेगा। आज मध्य प्रदेश इस संकल्प में हमारे साथ जुड़ रहा है। मैं आप सभी को बधाई देता हूँ! उन्होंने कहा कि आज चारों तरफ एक ही बात सुनाई देती है- अबकी बार 400 पार! पहली बार ऐसा हुआ है जब जनता ने खुद अपनी प्रिय सरकार की वापसी के लिए ऐसा नारा बुलंद कर दिया है। ये नारा भाजपा ने नहीं, बल्कि देश की जनता-जनार्दन का दिया हुआ है। मोदी की गारंटी पर देश का इतना विश्वास भाव-विभोर करने वाला है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार और कांग्रेस सरकार के बीच का क्या अंतर होता है, इसका उदाहरण सिंचाई योजना भी है। 2014 से पहले के 10 वर्षों में देश के करीब 40 लाख हेक्टेयर भूमि को सूक्ष्म सिंचाई के दायरे में लाया गया था, लेकिन बीते 10 वर्षों में इसका दोगुना करीब 90 लाख हेक्टेयर खेती को सूक्ष्म खेती से जोड़ा गया है। ये दिखाता है, भाजपा सरकार यानी गति भी, प्रगति भी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार गांव को आत्मनिर्भर बनाने पर बहुत बल दे रही है। इसके लिए सहकारिता का विस्तार किया जा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मैं मध्यप्रदेश के हर नौजवान को, विशेष रूप से फर्स्ट टाइम वोटर को कहूंगा कि आपके लिए बीजेपी सरकार नए अवसर बनाने में कोई कसर बाकी नहीं रख रही। आपके सपने ही मोदी का संकल्प है।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस की सरकारों ने तो मैन्युफेक्चरिंग की हमारी पारंपरिक ताकत को भी बर्बाद कर दिया था। कुछ साल पहले तक हमारे बाजार और हमारे घर विदेशी खिलौनों से भरे थे। उन्होंने कहा कि हमने देश में खिलौना बनाने वाले अपने पारंपरिक साथियों को, विश्वकर्मा परिवारों को मदद दी। आज विदेशों से खिलौनों का आयात बहुत कम हो गया है। उन्होंने कहा कि बीते 10 वर्षों में पूरे विश्व में भारत की साख बहुत अधिक बढ़ी है। आज दुनिया के देश भारत के साथ दोस्ती करना पसंद करते हैं। कोई भी भारतीय आज विदेश जाता है, तो उसको बहुत सम्मान मिलता है। भारत की इस बढ़ी हुई साख का सीधा लाभ निवेश में होता है, पर्यटन में होता है। आज अधिक से अधिक लोग भारत आना चाहते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, बीते 10 वर्ष में हमारी नारी शक्ति के उत्थान के रहे हैं। मोदी की गारंटी थी कि माताओं-बहनों के जीवन से हर असुविधा, हर कष्ट को दूर करने का ईमानदार प्रयास करुंगा। ये गारंटी मैंने पूरी ईमानदारी से पूरा करने का प्रयास किया है। लेकिन आने वाले 5 वर्ष हमारी बहनों-बेटियों के अभूतपूर्व सशक्तिकरण के होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मैं डिंडौरी सड़क हादसे पर अपना दुःख व्यक्त करता हूं। इस हादसे में जिन लोगों ने अपने परिजनों को खोया है मेरी संवेदनाएं उनके साथ हैं जो लोग घायल हैं उनके उपचार की व्यवस्था सरकार कर रही है। दुःख की इस घड़ी में मैं मध्य प्रदेश के लोगों के साथ हूं।

पीएम नरेंद्र मोदी आज सिंदरी के हर्ल प्लांट का करेंगे उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक मार्च को झारखंड के धनबाद आ रहे हैं। वे सिंदरी के हर्ल प्लांट (हिन्दुस्तान उर्वरक रसायन लिमिटेड) का उद्घाटन करेंगे। इसके साथ ही धनबाद-चंद्रपुरा रेलखंड की वैकल्पिक लाइन की नींव रखेंगे। इसके साथ ही वे बरवाअड्डा में जनसभा को संबोधित करेंगे। इस बाबत धनबाद के बीजेपी जिला कार्यालय में गुरुवार को प्रेस कांफ्रेंस की गयी। धनबाद के सांसद पशुपति नाथ सिंह, विधायक राज सिन्हा व विधायक ढुलू महतो में पत्रकारों को संबोधित किया।

धनबाद के सांसद पशुपति नाथ सिंह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक मार्च को धनबाद को ऐतिहासिक सौगात देंगे। सिंदरी के हर्ल प्लांट के लोकापर्ण के साथ यहां रोजगार व विकास का नया मार्ग खुलेगा। वे गुरुवार को बीजेपी जिला कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी जो कहते हैं, उसे पूरा करते हैं। लगभग छह वर्ष पहले यहां हिन्दुस्तान उर्वरक रसायन लिमिटेड (हर्ल) का आधारशिला रखी गयी थी। अब शुक्रवार को पीएम मोदी इसका उद्घाटन करेंगे। एफसीआई सिंदरी के बंद कारखाना से हर्ल की उत्पादन क्षमता 20 गुना अधिक होगी। पीएम नरेंद्र मोदी एक मार्च को धनबाद-चंद्रपुरा रेलखंड की वैकल्पिक लाइन की नींव रखेंगे। विकास की कई अन्य योजनाओं की सौगात देंगे। धनबाद के लिए यह दिन ऐतिहासिक होगा। इसके साथ ही बरवाअड्डा एयरपोर्ट पर पीएम की शुक्रवार को होनेवाली सभा में भी जनसैलाब उमड़ेगा। बीजेपी ने इसके लिए तैयारी कर ली है। धनबाद के विधायक राज सिन्हा ने कहा कि बीजेपी ने संगठन की दृष्टिकोण से धनबाद को एक कलस्टर बनाया है। इस कलस्टर में धनबाद, गिरिडीह एवं कोडरमा लोकसभा क्षेत्र को शामिल किया गया है। एक मार्च को पीएम नरेंद्र मोदी यहां के बरवाअड्डा मैदान में तीन लोकसभा क्षेत्र के लोगों को संबोधित करेंगे। घर-घर से लोग इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। बाघमारा के विधायक ढुलू महतो ने कहा कि देश के लोगों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पूरा भरोसा है। मोदी की गारंटी यानी शत-प्रतिशत वादा पूरा होने का भरोसा। एक मार्च की सभा में ऐतिहासिक भीड़ होगी। प्रेस कांफ्रेंस में बीजेपी के प्रदेश मंत्री सरोज सिंह, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रागिनी सिंह, पूर्व मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल, महानगर जिलाध्यक्ष श्रवण राय यादव, मिल्टन पार्थ सारथी भी मौजूद थे।

हिमाचल संकट पर कांग्रेस का मोदी-शाह पर तंज

तथाकथित चाणक्य पूरी तरह से फेल हो गए: जयराम रमेश

नईदिल्ली। हिमाचल प्रदेश में जारी राजनीतिक संकट के बीच कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा के शीर्ष नेता राज्य में निर्वाचित कांग्रेस सरकार को गिराने और अस्थिर करने में विफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुरानी पार्टी के नेताओं के हस्तक्षेप और कांग्रेस के पर्यवेक्षकों की तत्परता के कारण पहाड़ी राज्य में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। राज्यसभा चुनाव के बाद हिमाचल प्रदेश में उत्पन्न हुई सियासी संकट पर फिलहाल कुछ महीनो का ब्रेक लगता दिखाई दे रहा है।

जयराम रमेश ने कहा कि हिमाचल को लेकर मीडिया में तरह-तरह की बातें चल रही हैं। लेकिन हम एक बात बिल्कुल स्पष्ट रूप से कहना चाहते हैं। हिमाचल में प्रधानमंत्री और तथाकथित चाणक्य पूरी तरह से फेल हुए हैं। कांग्रेस नेतृत्व के हस्तक्षेप और हमारे पर्यवेक्षकों की तत्परता के बाद वहां स्थिति पूरी तरह से कांग्रेस के नियंत्रण में है। उन्होंने आगे कहा कि दूसरे राज्यों की तरह बीजेपी ने हिमाचल में भी जनता द्वारा चुनी हुई कांग्रेस की पूर्ण बहुमत की सरकार को अस्थिर करने के लिए धनबल, सत्ताबल और बाहुबल का खेल शुरू किया था। लेकिन वे विफल रहे क्योंकि हिमाचल की जनता का आशीर्वाद कांग्रेस के साथ है। इस घटना के बाद हमारे संकल्प और मज़बूत हुए हैं। हम हिमाचल के लोगों की सेवा करते रहेंगे।

हिमाचल प्रदेश में राजनीतिक उथल-पुथल तब सामने आई जब भाजपा ने दावा किया कि सुक्खू के नेतृत्व वाली सरकार अल्पमत में थी, जब सुक्खू ने राज्य की एकमात्र राज्यसभा सीट जीती थी, जिसमें उसके उम्मीदवार हर्ष महाजन ने क्रॉस-वोटिंग वाले चुनाव में कांग्रेस के दिग्गज सिंघवी को हराया था। मुख्यमंत्री सुक्खू ने पुष्टि की कि उनकी सरकार बहुमत में है और अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करेगी। कांग्रेस ने पार्टी विधायकों से बात करने और फिर अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को एक रिपोर्ट सौंपने के लिए पर्यवेक्षक के रूप में भूपेश बघेल, डीके शिवकुमार और भूपिंदर हुड्डा को नियुक्त किया था।

सीएम सुक्खू ने स्वीकार की कुछ विफलता: शिवकुमार

राजनीतिक उथल-पुथल के बीच हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस के पर्यवेक्षकों में से एक के रूप में भेजे गए कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने गुरुवार को कहा कि हिमाचल के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने स्वीकार किया है कि राज्यसभा चुनाव के दौरान सरकार और विधायकों के भीतर कुछ प्रकार की विफलता हुई है और स्थिति से निपटने के लिए पार्टी और सरकार के बीच पांच से छह सदस्यों वाली एक समन्वय समिति बनाई गई है। डीके शिवकुमार ने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस की सरकार है और सुक्खू सीएम हैं। सभी विधायक चाहते हैं 5 साल के लिए कांग्रेस सरकार चले। यहां कोई ऑपरेशन लोटस नहीं है। डीके शिवकुमार ने कहा कि हमारे सीएम ने स्वीकार किया कि कुछ विफलता हुई है। लेकिन यह आगे जारी नहीं रहेगा। हमने सभी विधायकों से व्यक्तिगत तौर पर बात की है। हमने पीसीसी अध्यक्ष, सीएम से बात की है।

खेल
प्रमुख समाचार

विराट-गावस्कर का रिकॉर्ड तोड़ने के करीब जायसवाल

धर्मशाला। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज चल रही है। भारत 3-1 से सीरीज जीतकर आगे है। वहीं, सीरीज का आखिरी और 5वां मैच धर्मशाला में खेला जाएगा। भारत इस मैच को जीतकर सीरीज 4-1 से खत्म करना चाहगा। इंग्लैंड घर लौटने से पहले धर्मशाला टेस्ट जीतना चाहेगा। इस सीरीज में किंग कोहली बाहर रहे हैं और अब उनका रिकॉर्ड संकट में है।

कोहली की अनुपस्थिति में रोहित शर्मा के साथ भारत के लिए ओपनिंग करने वाले यशस्वी जायसवाल उनका रिकॉर्ड तोड़ने से महज इतने रन दूर हैं। जायसवाल इस सीरीज में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। जायसवाल ने इस सीरीज में दो दोहरे शतक जड़े हैं।

विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ साल 2014-15 में शानदार बल्लेबाजी करते हुए भारत के लिए 692 रन बनाए थे। वहीं, 9 साल पुराने इस रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए जायसवाल को महज 38 रन चाहिए। जायसवाल ने इंग्लैंड वाली सीरीज में 655 रन बना लिए हैं। जायसवाल का बल्ला अगर दोनों पारी में चलता है तो सबसे पहले वह कोहली का रिकॉर्ड तोड़ते हुए नजर आएंगे।

वहीं, दूसरी तरफ अगर वह 120 से अधिक रन बनाते हैं तो वह 50 साल पुराना सुनील गावस्कर का रिकॉर्ड भी ध्वस्त कर सकते हैं। गावस्कर ने साल 1970 में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए सीरीज में 774 रन बनाए थे। वहीं, 1978 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 732 रन बनाए थे।

भारत के लिए एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने में गावस्कर का नाम शीर्ष पर है। उन्होंने एक बार नहीं बल्कि दो बार 700 रनों का आंकड़ा पार किया है। वेस्टइंडीज के खिलाफ ही सुनील गावस्कर ने 774 और 732 रन बनाया है। विराट कोहली के नाम 692 और 655 रन हैं। जायसवाल के नाम फिलहाल 655 रन है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 72,500 पर बंद, निफ्टी 22 हजार के करीब पंहुचा

नईदिल्ली। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में भारतीय शेयर बाजार एक दिन पहले की गिरावट से उबरते हुए गुरुवार को हरे निशान में बंद हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज और फाइनेंशियल कंपनियों के शेयरों में तेजी के चलते बाजार चढ़कर बंद हुआ। वहीं, निवेशक अमेरिकी और घरेलू आर्थिक आंकड़ों का इंतजार कर रहे हैं। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज पिछले बंद भाव 72,304.88 के मुकाबले गिरकर 72,220.57 पर खुला और कारोबार के दौरान 72,099.32 के नीचले और 72,730.00 के हाई लेवल तक गया। अंत में सेंसेक्स 0.27 प्रतिशत या 195.42 अंक की बढ़त लेकर 72,500.30 पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 0.14 फीसदी या 31.65 अंक की वृद्धि के साथ 21,982.80 पर बंद हुआ। निफ्टी की 32 कंपनियों के शेयर हरे जबकि 18 के शेयर लाल निशान में बंद हुए।

पहले 9 महीने में एफडीआई प्रवाह 13 फीसदी घटा

नईदिल्ली। देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का प्रवाह चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह यानी अप्रैल-दिसंबर-2023 में 13 प्रतिशत घटकर 32.03 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया है। सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। मुख्य रूप से कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर, दूरसंचार, वाहन और फार्मा क्षेत्रों में कम निवेश के कारण एफडीआई घटा है। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में देश में 36.74 अरब डॉलर का एफडीआई आया था। हालांकि, चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के दौरान एफडीआई प्रवाह 18 प्रतिशत बढ़कर 11.6 अरब डॉलर रहा है, जो 2022-23 की समान तिमाही के दौरान 9.83 अरब डॉलर था। डीपीआईआईटी के आंकड़ों के अनुसार, कुल एफडीआई प्रवाह अप्रैल-दिसंबर, 2022 के 55.27 अरब डॉलर के मुकाबले चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह में 51.5 अरब डॉलर रह गया है।

पेटीएम को झटका, सॉफ्टबैंक ने 2% से ज्यादा हिस्सेदारी निकाली

नईदिल्ली। पहले से ही संकट का सामना कर रही भारतीय फिनटेक यूनिकॉर्न पेटीएम को एक और झटका लगा है। दरअसल जापान की दिग्गज इन्वेस्टमेंट कंपनी सॉफ्टबैंक ग्रुप कॉरपोरेशन ने पेटीएम में से अपनी कुछ हिस्सेदारी निकाल ली है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, सॉफ्टबैंक ने पेटीएम में अपनी 2.17 प्रतिशत हिस्सेदारी निकाल दी है। गुरुवार को दाखिल एक्सचेंज फाइलिंग में हिस्सेदारी घटाए जाने की जानकारी दी गई है। यह खबर आने के बाद पेटीएम के शेयर 4 प्रतिशत से ज्यादा फिस गया। फिलहाल पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशन का शेयर 4.38 प्रतिशत की गिरावतर के साथ 388.40 रुपये पर कारोबार कर रहा है। सॉफ्टबैंक ग्रुप की सितंबर 2022 तक पेटीएम में 17.5 प्रतिशत हिस्सेदारी थी जो अब भारतीय पेमेंट स्टार्टअप में 5.01 प्रतिशत से कम होकर केवल 2.83 प्रतिशत हिस्सेदारी रह गई है। हिस्सेदारी में यह कटौती एक वर्ष से ज्यादा समय से जारी है।

शापूरजी पालोनजी को आवासीय परियोजना से 500 करोड़ के रेवेन्यू की उम्मीद

नईदिल्ली। शापूरजी पालोनजी रियल एस्टेट ने गुरुवार को बेंगलुरु में 180 से अधिक लक्जरी घरों की आवासीय परियोजना की पेशकश की। इससे कंपनी को 500 करोड़ रुपये के राजस्व की उम्मीद है। कंपनी ने बयान में कहा कि उसने बेंगलुरु के बिन्नीपेट में अपनी परियोजना पार्कवेस्ट 2.0 में आखिरी टावर 'सिकोया' पेश किया है। कंपनी इस आखिरी टावर में 180 से अधिक लक्जरी अपार्टमेंट बनाएगी। इसमें बिक्री योग्य क्षेत्र 4.3 लाख वर्ग फुट होगा। इससे कंपनी को लगभग 500 करोड़ रुपये का राजस्व मिलने की उम्मीद है। शापूरजी पालोनजी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी वेंकटेश गोपालकृष्ण ने कहा, पार्कवेस्ट 2.0 का आखिरी टावर सिकोया हमारे शिल्प कौशल के प्रति अटूट समर्पण का प्रमाण है।

बीते दशक में बैंकिंग और आर्थिक क्षेत्र में कई सुधार

सतीश सिंह

वर्ष 1991 से देश में आर्थिक सुधार का शुभारंभ हुआ था, लेकिन इस दिशा में अब तेजी से कार्य किए जा रहे हैं। 1991 में विदेश व्यापार, कर सुधार, विदेशी निवेश आदि क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए अनेक उपाय किए गए, जिनसे भारतीय अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ने में मदद मिली। मोदी सरकार के 2014 में सत्ता में आने से पहले, यानी 2013 में वर्तमान मूल्य पर भारत की जीडीपी 18 खरब डॉलर और 2007 में लगभग 10 खरब डॉलर थी। इस तरह, 1947 से ठीक 60 वर्षों बाद भारत की जीडीपी 2007 में 10 खरब डॉलर की हुई। आज रियल जीडीपी के हिसाब से भी भारतीय अर्थव्यवस्था 30 खरब डॉलर की हो गई है। 2014 में भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की दसवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी, जबकि 2019 में, यानी सिर्फ पांच वर्षों के भीतर यह दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई।

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में श्वेत पत्र के माध्यम से यूपीए सरकार के कार्यकाल की नाकामियों और मोदी सरकार के कार्यकाल की उपलब्धियों को आम जनता के समक्ष रखते हुए बताया कि 2014 से पहले देश आर्थिक संकट का सामना कर रहा था, जिसके कारण अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने में मोदी सरकार को बहुत ज्यादा मशक्कत करनी पड़ी। इसके जवाब में कांग्रेस ने ब्लैक पेपर पेश किया, जिसमें मोदी सरकार की नाकामियों का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि भाजपा लोकतंत्र को समाप्त करने का काम कर रही है और इसके कार्यकाल में बेरोजगारी और महंगाई बढ़ी है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अनुसार, भारत की जीडीपी वर्तमान मूल्य पर

अभी 37.3 खरब डॉलर की है, जबकि आजादी के समय भारत की जीडीपी 227 अरब डॉलर की थी। मोदी सरकार ने सत्ता में आने के बाद बैंकिंग और आर्थिक क्षेत्र में कई सुधार किए, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण है वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का शुभारंभ, बैंकों का आपस में विलय, प्रधानमंत्री जनधन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, पीएम-स्वनिधि योजना, अटल पेंशन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता कोड (आईबीसी) आदि का आगाज। ए रिव्यू रिपोर्ट में मोदी सरकार के पिछले 10 वर्षों के सफर को आर्थिक सुधारों के संदर्भ में बहुत ही अहम बताया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025 में नॉमिनल जीडीपी के सात प्रतिशत रहने की संभावना है, जबकि वित्त वर्ष 2024 में जीडीपी के 7.3 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ने का अनुमान जताया गया है।

यही नहीं, यह संभावना भी जताई गई है कि भारत की जीडीपी 2030 तक सात प्रतिशत की दर से आगे बढ़ सकती है। वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसऐंडपी ग्लोबल ने भी भारत के वित्तीय क्षेत्र में आई मजबूती और सरकार द्वारा किए गए हालिया संरचनात्मक सुधारों की वजह से सरकार के इस दावे की पुष्टि की है। ऐसे में, 2027 में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 50 खरब डॉलर और 2030 में 70 खरब डॉलर से भी अधिक का हो जाएगा। पीपीपी के मामले में 2023 में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था, जबकि चीन और अमेरिका क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर थे।

अस्सी के दशक में पहली बार, वित्त वर्ष 1989-90 में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) सूचकांक ने 1,000 के अंक के स्तर को पार किया था। वर्ष 2006 में बीएसई सूचकांक ने 10,000 अंक के स्तर को पार किया। फिर वित्त वर्ष 2014-15 में यह 30,000 अंक के स्तर को और वित्त वर्ष 2018-19 में 40,000 अंक के स्तर को पार किया। वित्त वर्ष 2023 में रिकॉर्ड 70,000 अंक के स्तर को पार कर गया। निफ्टी सूचकांक भी वर्ष 2023 में रिकॉर्ड 21,000 अंक के स्तर को पार कर गया। भारत में मुद्रास्फीति और बेरोजगारी दर नियंत्रण में है। इसके अलावा, प्रति व्यक्ति आय में भी निरंतर वृद्धि हो रही है। ऐसे में उम्मीद की जा सकती है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में आगामी वर्षों में भी मजबूती बनी रहेगी।

कांग्रेसियों को लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान हजम नहीं हो रहा: सोनी

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के सांसद सुनील सोनी ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार द्वारा मीसाबंदियों की सम्मान निधि फिर से शुरु करने की घोषणा को फिजूलखर्ची बताए जाने पर कांग्रेस पर पलटवार किया है। सोनी ने कहा कि कांग्रेसियों को लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्षरत रहे सेनानियों का सम्मान हजम नहीं हो रहा है इसीलिए अब वे अनर्गल प्रलाप करके लोकतंत्र के सेनानियों का अपमान करके अपनी राजनीतिक कुंठा का प्रदर्शन कर रहे हैं।

भाजपा सांसद सोनी ने कहा कि रातों-रात लोकतंत्र की हत्या करके कांग्रेस ने देश पर आपातकाल थोपा और पूरे देश को जेल में तब्दील कर दिया था। अपने इस धत्कर्म पर शर्म महसूस करने के बजाय कांग्रेस मिथ्या प्रलाप कर रही है।

आपातकाल के दौरान देशभर के लाखों परिवारों ने लोकतंत्र की रक्षा के उस महायज्ञ में सहभागिता निभाई थी। इसमें भाग लेने वाले छत्तीसगढ़ के हजारों लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान करते हुए डॉ. रमन सिंह के मुख्यमंत्रित्व काल में भाजपा की पूर्ववर्ती प्रदेश सरकार ने मीसीबंदियों के लिए सम्मान निधि की घोषणा की थी, लेकिन बदलापुर की राजनीति करते हुए कांग्रेस की पिछली सरकार के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने उसे बंद कर दिया था। सोनी ने कहा कि कांग्रेस सरकार के इस फैसले के खिलाफ लोकतंत्र सेनानियों ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी और हाई कोर्ट ने लोकतंत्र सेनानियों के पक्ष में फैसला दिया था। लेकिन बघेल सरकार ने हाई कोर्ट के आदेश तक को ताक पर रख दिया। न्यायालय की अवमानना करने पर कांग्रेसियों को जरा भी रंज नहीं है उल्टे प्रदेश की भाजपा सरकार इस सम्मान निधि को पुनः शुरू कर रही है तो उनके पेट में मरोड़ हो रही है।

सांसद सुनील सोनी ने प्रदेश सरकार की इस घोषणा को कांग्रेसियों द्वारा फिजूलखर्ची बताए जाने को शर्मनाक करार देते हुए कहा कि कांग्रेसियों को सरकारी खजाने में डाका डालकर अपनी तिजोरियाँ भरते समय फिजूलखर्ची का अपराध-बोध नहीं हुआ, पर भाजपा की केंद्र और प्रदेश सरकार जब किसानों, मातृशक्ति, लोकतंत्र के सेनानियों, गरीबों के सम्मान के लिए राशि प्रदान कर रही है तो वे इसे फिजूलखर्ची बताकर अपमान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब जब छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार ने फिर से मीसाबंदियों को प्रतिमाह मिलने वाली सम्मान निधि योजना प्रारंभ करने की घोषणा की है तो उस पर कांग्रेस सवाल उठा रही है। यह कांग्रेस का असली चरित्र है जिसे गांधी परिवार के सिवाय कुछ भी नज़र नहीं आता है।

छत्तीसगढ़ को बना रखा था एटीएम

रायपुर लोकसभा के सांसद सोनी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में पाँच साल के अपने शासनकाल में कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ के ख़ज़ाने को दोनों हाथों से लूटा और हजारों करोड़ रूपये के घपले-घोटाले करके छत्तीसगढ़ को 10, जनपथ का एटीएम बना रखा था। आज सम्मान निधि को फिजूलखर्ची बताकर प्रलाप करने वाले कांग्रेसी बताएँ कि राजीव मितान क्लब समेत गौठान समितियों को सरकारी खजाने से पैसा लुटाकर भूपेश सरकार मितव्ययिता का कौन-सा आदर्श नमूना पेश कर रही थी?तब कांग्रेसियों को फिजूलखर्ची का दर्द क्यों नहीं हो रहा था? सोनी ने कहा कि लोकतंत्र के सेनानियों की सम्मान निधि पुनः प्रारंभ करके प्रदेश की भाजपा सरकार ने न केवल लोकतंत्र के सेनानियों का सम्मान लौटाने का काम किया है, अपितु हाई कोर्ट के इस संबंध में दिए गए निर्णय का सम्मान करके न्यायालयीन गरिमा को पुनर्स्थापित करने का भी स्तुत्य कार्य किया है।

भाजपा में काफी लंबी हैं संभावित दावेदारों की सूची

रायपुर। भाजपा इस बार 11 में से 11 लोकसभा सीट जीतने की रणनीति पर काम कर रही है। राज्य में पांच साल बाद फिर से सत्ता में हुई वापसी व मोदी की गारंटी को लेकर वे पूरी ताकत से मैदान में उतरेंगे।

जिस प्रकार विधानसभा में चौकाने वाले नाम आए थे ,हो सकता है लोकसभा में भी ऐसा हो लेकिन दायरा काफी बड़ा होता है इसलिए और भी ज्यादा गंभीरता बरती जा रही है। जीत के लिए हर पहलू पर मंथन हो रहा है इसके बाद ही नाम तय होंगे।

फिर भी छत्तीसगढ़ की 11 सीटों के संभावित उम्मीद्वारों की सूची काफी लंबी है-

- **सरगुजा-** कमलभान सिंह, रामसेवक पैकरा, विजय नाथ सिंह, रामकिसुन सिंह
- **रायगढ़-** आरपी साय, गोमती साय, सुषमा खलको, गेंदलाल कंवर, सत्यानंद राठिया, शांता साय, गणेशराम भगत, रजनी राठिया, रवि भगत
- **जांजगीर-** गुरुदयाल पाटले, कमलेश जांगड़े, राजेश्वर पाटले, वेदराम मनहरे, नवीन मार्कंडेय, डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी, कमला पाटले, गुहाराम अजगले, संतोष लहरे, अंबेश जांगड़े
- **कोरबा-** सरोज पाांडेय, विकास महतो, डॉ. शर्मा, देवेंद्र पांडेय, हितानंद अग्रवाल, नवीन पटेल, जगत बहादुर
- **बिलासपुर-** रजनीश सिंह, प्रफुल्ल शर्मा, लखनलाल साहू, तोखन साहू, बृजेंद्र शुक्ला, ललित माखीजा, डॉ विनोद तिवारी
- **दुर्ग-** विजय बघेल, दीपक ताराचंद साहू, सरोज पाण्डेय, घनश्याम बारले,
- **राजनांदगांव-** अभिषेक सिंह, फुलबासन बाई, कोमल सिंह राजपूत, रमेश पटेल, मधुसूदन यादव, संतोष पांडेय
- **रायपुर-** सुनील सोनी, लक्ष्मी वर्मा, अंबिका यदु, संजय श्रीवास्तव, ओमप्रकाश वर्मा, बृजमोहन अग्रवाल,
- **महासमुंद-** चंदूलाल साहू, चुन्नीलाल साहू
- **कांकेर-** भोजराज नाग, विकास मरकाम, मोहन मंडावी
- **बस्तर-**रूपसिंह मंडावी, दिनेश कश्यप, सुभाऊराम कश्यप, महेश गागड़ा

सनातन का विरोध कर कांग्रेसी तुष्टिकरण की राजनति कर रही : गुप्ता

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष दीपक बैज के बयान पर पलटवार

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता केदार गुप्ता ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज द्वारा राजिम कुंभ मेले के आयोजन को भाजपा का भगवाकरण करार देने संबंधी बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि हमेशा से सनातन का विरोध करने वाली कांग्रेस आज भी तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेसी अपने वोट बैंक के लिए सनातन विरोधी बयान दे रहे हैं।

गुप्ता ने कहा है कि राजिम कुंभ कालांतर से हिन्दुओं की आस्था का केंद्र रहा है। राजिम को कमलतीर्थ के नाम से जाना जाता है। यहां त्रिवेणी संगम होने से इसे छत्तीसगढ़ का प्रयागराज भी कहा जाता है। सदियों से माघी पूर्णिमा से महशिवरात्रि तक राजिम में मेला लगता आ रहा है। जहां देशभर से साधुङ्क्संत, महात्मा भगवा ध्वज लहराते मेले में शामिल होकर पुण्य स्नान कर भगवान कुलेश्वर महादेव के साथ ही भगवान राजीव लोचन के दर्शन कर पूजा- अचर्ना करते आ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की भारतीय जनता पार्टी की सरकार में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने राजिम में माघी पुन्नी मेला को राजिम कुंभ मेले के रूप में राष्टीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्टीय स्तर पर पहचान दिलाई। साथ ही मेले को महोत्सव के रूप में आयोजित करने की शुरूवात की। इसमें छत्तीसगढ़ के अलावा देशभर के कलाकारों को मंच देने का मौका दिया जाता है। ऐसे में राजिम कुंभ पर भगवाकरण करने का आरोप लगाना निंदनीय है। भगवान श्रीराम के अस्तित्व को नकारने, सनातन धर्म का विरोध करने के साथ ही अयोध्या में भगवान श्रीराम के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण ठुकराने वाले कांग्रेसी अब बेबुनियाद, अनर्गल बयानबाजी कर अपनी पार्टी के अस्तित्व को बचाने और जनता के बीच अपनी पहचान बनाये रखने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद, नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार में शामिल हो रहे हैं। या यूं कहें कि कांग्रेस में इन दिनों पतझड़ का मौसम आ गया है। छत्तीसगढ़ की जनता ने हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को सत्ता से हटाकर भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाई है और अब केंद्र में भी तीसरी बार नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने जा रही है। मोदी जी की गारंटी पर देश की जनता अपनी मुहर लगा चुकी है। देश की जनता को भरोसा है कि 'मोदी है तो मुमकिन है'। गुप्ता ने कहा है कि पूरे देश में मोदी जी का नारा गूंज रहा है कि 'अब की बार 400 पार'। आज स्थिति यह है कि कई प्रदेशों में लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ कांग्रेसी चुनाव नहीं लड़ना चाहते। छत्तीसगढ़ की जनता ने जिस तरह से विधानसभा चुनाव में मोदी जी की गांरटी पर भरोसा जताया है और कांग्रेसी सरकार की तुष्टिकरण की नीति का विरोध इसकी वजह से छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेसियों को लोकसभा चुनाव में अपनी प्रत्यक्ष हार नजर आ रही है।

नीतीश दीवान की रिमांड खत्म, 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया जेल

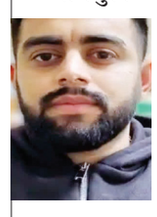

रायपुर। महादेव एप सट्टेबाजी मामले में ईडी की गिरफ्त में आए पैनल आपरेटर नीतीश दीवान की दूसरी बार ईडी रिमांड गुरुवार को पूरी होने पर उसे कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने नीतीश दीवान को 14 दिन तक न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

आठ दिन की ईडी रिमांड में नीतीश से सौरभ और रवि समेत उसके बड़े भाई और पूरे महादेव एप से हुई इनकम के बारे में अहम जानकारी मिली है। महादेव एप को लेकर दिल्ली, कलकत्ता और मुंबई में हुई ईडी की छापामार कार्रवाई में नीतीश से पूछताछ में मिले इनपुट पर भी ईडी की टीमें काम कर रही हैं।

भाजपा किसान मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक 8 को, 9 को किसान महासम्मेलन

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा की राष्टीय कार्यसमिति की बैठक आगामी 8 मार्च को राजधानी के कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में होगी जिसमें मोर्चा के राष्टीय पदाधिकारी शिरकत करेंगे। इसके ठीक अगले दिन 9 मार्च को राजधानी के साइंस कॉलेज मैदान में किसान महासम्मेलन होगा। इस बैठक और महासम्मेलन के परिप्रेक्ष्य में दो दिनों में मोर्चा की सभी जिला इकाइयों की बैठक रखी जा रही है। यह जानकारी किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष तोखन साहू ने गुरुवार को एकात्म परिसर में आहूत पत्रकार वार्ता में दी।

साहू ने बताया कि किसान महासम्मेलन में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, मोर्चा के राष्टीय अध्यक्ष राजकुमार चाहर समेत राष्टीय पदाधिकारीयों का संबोधन होगा। श्री साहू ने प्रदेश के समस्त किसान भाइयों को इस सभा के लिए आमंत्रित किया है। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र और मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए श्री साहू ने कहा कि मोदी की गारंटी के तहत भाजपा की प्रदेश सरकार ने प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान 31सौ रूपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदने का वादा पूरा किया है जिसका लाभ सीधे किसान भाइयों को हो रहा है। इस कड़ी में इस वर्ष प्रदेश सरकार द्वारा 1.47 लाख मीट्रिक टन धान की रिकॉर्ड खरीदी की गई है। भाजपा सरकार ने ही शून्य प्रतिशत ब्याज पर किसानों को ऋण मुहैया कराने का काम भी किया है। इसी प्रकार प्रधानमंत्री श्री मोदी की केंद्र सरकार ने गन्ना किसानों को एक बड़ा तोहफा देते हुए 340 रुपए प्रति क्विंटल की दर से गन्ना खरीदने का निर्णय लिया और पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष 8 प्रतिशत अधिक राशि से गन्ना खरीदी की जा रही है।

शकुन डहरिया जमीन मामला: संस्था के नाम से कराई गई जमीन की रजिस्ट्री

रायपुर. नगरनिगम अंतर्गत पूर्व मंत्री शिव डहरिया की पत्नी शकुन डहरिया के विवादित जमीन मामले में एक बड़ा खुलासा हुआ है। जानकारी के मुताबिक् शकुन डहरिया की संस्था के नाम से जमीन की रजिस्ट्री कराई गई है। इस पूरे मामले में रजिस्ट्री के पेपर सामने आये हैं जिसके बाद मामला फिर से उलझता हुआ नजर आ रहा हैं।

ऐसे में अब साल उठ रहे हैं कि सोसाइटी ने ईडब्लूएस कोटे की जमीन की बिक्री किस आधार पर कर दी? दूसरा बड़ा सवाल ये कि अगर जमीन निजी थी तो पूर्व मंत्री ने क्यों कहा कि यह जमीन एमआईएसी से मिली थी? जमीन गड़बड़ी के इस मामले में तीरा और अहम सवाल ये भी कि अगर जमीन सोसायटी की थी तो नगर निगम ने करोड़ों रुपए कैसे निजी जमीन पर सेंशन कैसे कर दिए ?

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

साय सरकार में छत्तीसगढ़ फिर बना संघियों का चारागाह

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि दलीय चाटुकारिता, व्यक्तिगत स्वार्थ और भाजपा के प्रचारकों को आर्थिक लाभ पहुंचाने के लिए छत्तीसगढ़ के खजाने पर चोट पहुंचाने मिसाबंदी पेंशन लागू किया गया है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार आने के बाद एक बार फिर छत्तीसगढ़ संघियो और भाजपाइयों का चारागाह बन गया है। इतिहास गवाह है कि आजादी की लड़ाई से लेकर देश के नवनिर्माण में संघियों की भूमिका नकारात्मक ही रही है। आज़ादी की लड़ाई के दौरान इनके पूर्वज अंग्रेजों के चाटुकार और अंग्रेज़ी हुकूमत के पेंशनभोगी हुआ करते थे। भारत छोड़ो आंदोलन से लेकर आजाद हिंद फौज तक का विरोध तत्कालीन संघियों ने किया था। वर्तमान में भी मणिपुर, गोवा, कर्नाटक, मध्यप्रदेश महाराष्ट्र और हाल ही में हिमांचल में लोकतंत्र का गला घोटने का कुत्सित प्रयास करने वाले भाजपाइयों द्वारा लोकतंत्र सेनानी होने का दावा करना हास्यास्पद है। लोकतंत्र सेनानी का दावा करने वाले संघी मणिपुर और डोकलाम मामले में चुप क्यों हैं? प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि जिस तरह से पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के समय 2003 से 2018 तक छत्तीसगढ़ के संसाधन, छत्तीसगढ़ के विभाग, छत्तीसगढ़ के सार्वजनिक उपक्रम और मंडल आयोग भाजपाइयों और संघियों का चरागाह बनाकर रखा गया था.

राज्य सरकार के 18 लाख आवास के दावे फर्जी, केन्द्र से स्वीकृत ही नहीं मिला है

रायपुर। 18 लाख प्रधानमंत्री आवास का दावा करने वाली भाजपा सरकार ने अभी तक एक भी हितग्राही के खाते में एक रू. भी नहीं डाला है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा सरकार के प्रधानमंत्री आवास केवल सरकारी विज्ञापनों और होर्डिंग में ही दिखते रहे है, हकीकत में भाजपा सरकार के आने के बाद एक भी हितग्राही के लिये आवास स्वीकृत नहीं हुआ है। पूर्ववर्ती कांग्रेस की भूपेश सरकार ने आवासहीनों के खाते में पहली किश्त डाली थी। उसके बाद भाजपा सरकार ने एक भी रू. नहीं भेजा है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि केन्द्र की मोदी सरकार ने छत्तीसगढ़ सरकार के प्रधानमंत्री आवास के मकानों की संख्या को स्वीकृति ही नही दिया है। राज्य सरकार खुद ही संख्या की घोषणा कर अपनी पीठ थपथपा रही है। कांग्रेस मांग करती है कि सरकार के दावों में सच्चाई है तो स्वीकृत आवाहीनों के नाम सार्वजनिक किया जाये। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि बजट में पीएम आवास के लिये सिर्फ 3799 करोड़ का प्रावधान है इतनी राशि में 18 लाख आवास कैसे बनेगा इसका जवाब भाजपा दें।

साधराम हत्याकांड में लीपापोती करने एनआईए जांच की घोषणा

रायपुर। कवर्धा के साधराम यादव हत्याकांड की एनआईए से जांच की घोषणा को कांग्रेस ने भाजपा सरकार का राजनैतिक प्रोपोगंडा बताया है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि भाजपा की सरकार दिग्भ्रमित है और उसे अपनी पुलिस पर भरोसा नहीं है बिरनपुर हत्याकांड मामलें में सीबीआई जांच की घोषणा की गयी अब कवर्धा के साधराम हत्याकांड में सरकार की विफलता को छुपाने के लिये एनआईए जांच की बात की जा रही है। कांग्रेस पार्टी सरकार से मांग करती है कि कवर्धा हत्याकांड में पुलिस की अब तक की जांच में क्या-क्या तथ्य सामने आये है, कौन-कौन लोग दोषी थे? कितने लोगों की गिरफ्तारी की गयी है, इस मामलें में पुलिस के द्वारा विवेचना में क्या सामने आया है? सरकार इसको पहले स्पष्ट करे। एनआईए की घोषणा करके सरकार इस मामलें में सिर्फ लीपापोती करने जा रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि जब-जब भारतीय जनता पार्टी की सरकार किसी मामले में फंसती है वह केंद्रीय एजेंसियों को आगे करती है। झीरम नरसंहार मामले में षड़यंत्रों से पर्दा न उठे इसके लिये भाजपा ने लंबे अर्से तक एनआईए की जांच करवाया था लेकिन उसका कोई नतीजा सामने नहीं आया।

साय सरकार अब महादेव बैटिंग एप को बैन नही करेगी बल्कि उससे जीएसटी वसूलेगी

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि साय सरकार अब ऑनलाइन बैटिंग एप को जीएसटी के दायरे में लाया है और उससे कमाई करेगी। जो भाजपा महादेव बैटिंग एप को लेकर विधानसभा चुनाव के दौरान ओछी राजनीति कर रही थी और उक्त एप को आर्थिक बर्बादी का कारण बता रहे थे। जिसको लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर भाजपा के कई बड़े नेताओं ने चुनावी मंच से तत्कालीन कांग्रेस सरकार पर मनगढंत झूठे आरोप लगाकर छवि धूमिल कर रहे थे उसी ऑनलाईन बैटिंग ऐप से अब साय सरकार जीएसटी वसूली करेगी यानी कमाई करेगी। अब प्रदेश में महादेव ऐप की तरह कई और ऑन लाईन बैटिंग एप को साय सरकार ने एक प्रकार से मान्यता दे दिया है। मोदी सरकार पहले ही महादेव ऐप सहित अनेक आन लाईन बैटिंग एप से जीएसटी, इंकम टैक्स एवं सर्विस चार्ज ले रही है अब साय सरकार भी उसी दिशा में आगे बढ़ चुकी है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि महादेव बैटिंग एप सहित अनेक ऑनलाइन बेटिंग एप है जिसको लेकर भाजपा की कथनी और करनी सामने आ गई है।

मशहूर रंगकर्मी हेमंत वैष्णव का निधन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मशहूर रंगकर्मी हेमंत वैष्णव का आज (29 फरवरी) को निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। हेमंत वैष्णव प्रसिद्ध नाटक राजा फोकलवा के नायक रहे। 150 बार राजा फोकलवा का मंचन कर चुके हेमंत राष्ट्रपति के हाथों बिस्मिल्लाह खान पुरस्कार से सम्मानित भी हो चुके हैं। उन्होंने हिन्दी और छत्तीसगढ़ी भाषा में कई नाटक भी लिखे। रायपुर में 42 साल की उम्र में उन्होंने अंतिम सांस ली। हेमंत वैष्णव की पत्नी लतिका वैष्णव भी बस्तर फोक आर्ट की कलाकार हैं। उनके निधन की खबर से प्रदेश की कला क्षेत्र से जुड़े लोगों में शोक की लहर है।

बिलासपुर उच्च न्यायालय में 79 पैनल अधिवक्ताओं की नियुक्ति

रायपुर। राज्य शासन के विधि एवं विधाई कार्य विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर में शासन की ओर से पैरवी करने के लिए 79 पैनल अधिवक्ताओं की नियुक्ति की गई है। विभाग द्वारा नियुक्त इन पैनल अधिवक्ताओं का कार्यकाल दो वर्ष का होगा।

हिंदू राष्ट्र का संकल्प लेकर लोगों ने रचा मुरा में इतिहास

पेट और परिवार तक सीमित न रहे लोग, सबके विकास में बने सहभागी: निश्चलानंद महाराज

रायपुर। हिन्दू राष्ट्र के प्रणेता पुरी गोवर्धन मठ पीठाधीश्वर शंकराचार्य श्री निश्चलानंद सरस्वती जी महाराज राजधानी रायपुर के धरसींवा विकासखण्ड में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पंडित लखन लाल मिश्र के ग्राम मुरा में आयोजित हिन्दू राष्ट धर्म महासभा में शामिल हुए। धर्म महासभा पूर्व आईएएस श्री गणेश शंकर मिश्र के सौजन्य से आयोजित है। धर्म महासभा को लेकर ग्रामीणों में काफी उत्साह का वातावरण है और आसपास के श्रद्धालुगण बड़ी संख्या में मुरा पहुंचे हुए है।

धर्म सभा में पीठाधीश्वर शंकराचार्य श्री निश्चलानंद सरस्वती जी महाराज ने कहा कि जीविका जीवन के लिए हो, जीविका के लिए जीवन नहीं होना चाहिए। मनुष्य अपने इसी जीवन में अच्छे कर्म कर पुण्य को प्राप्त कर सकते है। कोई भी जाति वर्ण के जो प्रकृति के निवृत्त है, वह सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि समाज को शिक्षा, रक्षा, अर्थ और सेवा के क्षेत्र में सशक्त बनने के साथ ही प्रबुद्ध होने की जरूरत है। सशक्त समाज से ही आने वाले पीढ़ी मजबूत और प्रबुद्ध होगा और कोई भी शब्द बाण से उन्हें गलत मार्ग के लिए विचलित नहीं कर पाएंगे।

पीठाधीश्वर शंकराचार्य श्री निश्चलानंद सरस्वती जी महाराज ने कहा कि सनातन धर्म का संबंध परलोक से होता है। सनातन धर्म सबको साथ लेकर चलते है। भारत देश 'वसुधैंव कुटुम्बकम' की धरती है। उन्होंने कहा कि सबको अपने क्षेत्र के विकास के लिए सहभागी बनना चाहिए, पेट और परिवार तक सीमित नहीं होना चाहिए। उन्होंने भौतिकवादी पर कहा कि विज्ञान और वैज्ञानिकों का शोध और ज्ञान भी वेद शास्त्रों से जुड़ी हुई है। विज्ञान और वैज्ञानिकों को कई वर्षो तक ज्ञान देने की क्षमता वेद और वेदांत में विद्यमान है।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से लगे धरसीवां विधानसभा के ग्राम मुरा में इन दिनों तीन दिवसीय विशाल हिंदू राष्ट धर्मसभा का आयोजन हो रहा है। इस आयोजन में हजारों की संख्या में पहुंचे धर्मावलंबी पुरी पीठाधीश्वर निश्चलानंद सरस्वती महाराज से आशीर्वाद ग्रहण कर रहे हैं। साथ ही स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पं. लखन लाल मिश्रा की पुण्यभूमि ग्राम मुरा में हो रहे इस ऐतिहासिक आयोजन में हजारों की संख्या में लोग पहुंचकर सनातन के रंग में रंग रहे हैं।

मंदिरों में चढ़े फूलों से बना रही सुगंधित हर्बल गुलाल

रायुपर। होली के त्योहार पर एक दूसरे को तरह तरह के रंग लगाकर उत्साह से सभी परिवार के साथ पर्व मनाते हैं। महासमुंद जिले के ग्राम डोकरपाली बिहान से जुड़ी जय माता दी की स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा हर्बल गुलाल तैयार किया जा रहा है। हर्बल गुलाल तैयार लगाने से चेहरे पर कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है। महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे इन हर्बल गुलाल की कई विशेषताएं हैं। इसमें रंग और सुगंध के लिए फूलों का ही इस्तेमाल किया जाता है। किसी भी तरह का केमिकल नहीं मिलाया जाता है, ताकि चेहरे को कोई नुकसान न हो सके। समूह की सदस्य श्रीमती चित्ररेखा दीवान ने बताया कि पिछले साल होली में 80 किलो हर्बल गुलाल महिलाओं ने बनाया था। जिससे 30 से 40 हजार रुपए की आमदनी समूह को हुई थी। होली के पर्व के समय बाजार में गुलाब की काफ़ी माँग बनी रहती है। उन्होंने कहा कि 10 रुपये, 20 और 50 रुपए के हर्बल गुलाल के पैकेट बाजार में आसानी से विक्रय हो जाता है। गुलाल बनाने के लिए पालक, लालभाजी, हल्दी, जड़ी, बुटी व फूलों से हर्बल गुलाल बनाने का कार्य कर रही। इसके अलावा मंदिरों तथा फूलों के बाजार से निकलने वाली इस्तेमाल किए हुए फूल पत्तियों को सुखाकर प्रोसेसिंग यूनिट में पीसकर गुलाल तैयार किया जाता है। गुलाब, गेंदे, स्याही फूल के साथ चुकंदर, हल्दी, आम और अमरूद की हरी पत्तियां को भी प्रोसेस किया जाता है। इस बार भी लगभग 60 किलोग्राम गुलाल तैयार कर लिया गया है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.